हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 10 अगस्त 2025

पीएम मोदी ने ब्रह्माकुमारी दीदी और छोटी-छोटी बहनों से राखी बंधवाई, दिल को छूने वाली तस्वीरें खिंचवाई, बच्चियों ने कहा

मातृभूमि करती अभिनंदन... भारत भाल के आप हो 'चंदन' हमारे देश में ऐसा कर्मयोगी, जिसकी मिसाल कहीं नहीं होगी

- एक बच्ची पीएम के लिए नंदी जी वाली राखी लाई। उसने पीएम को बताकर बांधी
- एक छोटी बच्ची ने पीकॉक वाली राखी बांधी और पीएम को गले लगकर दुलार किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्यौहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी।

बच्ची बोली-मैं पीएम बनना चाहती हूं

एक बच्ची ने कहा कि मैं पीएम बनाना चाहती हूं। पीएम ने कहा कि भई वाह। बहुत बढ़िया। बच्चियों ने कहा-नई सोच नई राह दिखाई, आशा की नव किरण दिखाई। स्वच्छ भारत, मन की बात, उज्जवला का दीप जलाया, हर घर चूल्हा तब जल पाया, अटल पेंशन और जीवन ज्योति-हर नागरिक का भविष्य मोदी, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया से हर युवा को मिला आत्मबल। बेटियों को लौटाया उनका घर, अब न कोई डर, कोई सफर, ऑपरेशन सिंदूर से भारत का शौर्य दिखाया। यह सुनते ही पीएम बोले कि इतनी सारी योजनाओं का नाम आपको याद है। एक बच्ची ने कहा कि आप हमारे वॉरियर व सेवियर दोनों हैं।

मप्र सहित देश भर में रक्षाबंधन पर्व पूरे उल्लास से मनाया गया

60 डिब्बे देसी घी और 40 क्विंटल बेसन से 4 दिन में तैयार हुए लड्डू

सबसे पहले महाकाल को बंधी राखी सवा लाख लड्डुओं का भी लगा भोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल को राखी बंधने के साथ ही रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत हो गई। अमर पुजारी के परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार की गई खास राखी उन्हें अर्पित की गई है। महाकाल को जो राखी बांधी गई है उसमें मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग हुआ है।

राखी पर भगवान गणेश जी विराजित हैं। शनिवार को सबसे पहले तड़के 3 बजे भस्म आरती के लिए पट खोले गए। इसके बाद पंचामृत से अभिषेक किया गया। भस्म आरती के दौरान ही उन्हें विशेष श्रृंगार के साथ राखी अर्पित की गई। भगवान महाकाल को राखी बांधने बाद भस्मारती के दौरान ही सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया गया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एनएसए लगाने में नहीं हुआ प्रक्रिया का पालन

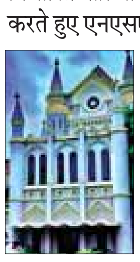

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करते हुए एनएसए की कार्यवाही को अनुचित करार दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस एके सिंह की युगलपीठ ने कलेक्टर और शासन के आदेश को निरस्त करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को अनुचित तरीके से जेल में रखा गया था। 50 हजार का जुर्माना भी लगाया।

ग्वालियर की सबसे बड़ी लूट का पर्दाफाश

ग्वालियर। शहर की सबसे बड़ी और सनसनीखेज लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने महज 48 घंटे में 29 लाख 50 हजार रुपए की लूट में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विशेष ऑपरेशन स्विफ्ट 48 के तहत पुलिस ने बाइक, एक टोयोटा ग्लैंजा कार और 20 लाख 35 हजार 500 नकदी बरामद की है।

ढाबे से डोडा चूरा, शराब की बड़ी खेप बरामद

बुरहानपुर। महाराष्ट्र बॉर्डर पर एक ढाबा नशे का अड्डा बना हुआ था। यहां ट्रक चालकों और स्थानीय लोगों को डोडा चूरा और शराब बेची जा रही थी। शाहपुर पुलिस ने छापा मारकर 34 किलो से ज्यादा डोडा चूरा और 64 लीटर शराब बरामद की। यह जिले में अब तक की सबसे बड़ी खेप मानी जा रही है। इंदौर-एदलाबाद हाइवे पर देवा ढाबे में कारोबार था।

एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश' व एस-400 गेमचेंजर साबित हुए

◆ *भारतीय वायु सेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह ने बेंगलुरु में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पहली बार बड़ा खुलासा किया*

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने 6 पाकिस्तानी विमान 'मार' गिराए

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत (एपी) सिंह ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने पांच पाकिस्तानी फाइटर जेट और एक एयरक्राफ्ट को मार गिराया था। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) प्रमुख अमर प्रीत सिंह ने बेंगलुरु में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

एपी सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान घुटने पर आ गया था, जिसकी वजह से वो सीजफायर के लिए मजबूर हुआ। एपी सिंह ने कहा कि यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि उन्हें साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी इसलिए वे आगे आए और हमारे डीजीएमओ संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं।

> सिंह ने बताया कि 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि पाक को साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी

- *भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के दो कमांड सेंटर, छह रडार उड़ाए, साथ ही तीन हैंगर को भी ध्वस्त कर दिया*
- *ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान घुटने पर आ गया था, जिसकी वजह से वो सीजफायर के लिए मजबूर हुआ*

ठीक 3 महीने 2 दिन बाद किया गया यह खुलासा

एयर डिफेंस सिस्टम आकाश की तारीफ की

भारतीय वायु सेना चीफ ने एयर डिफेंस सिस्टम आकाश की तारीफ की। साथ ही कहा कि उसने पाकिस्तानी हमले का करारा जवाब दिया। हमने पाकिस्तान के रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। हमारे किसी मिलिट्री स्टेशन पर नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने ड्रोन सिस्टम की भी तारीफ की और कहा कि हमारे ड्रोन सिस्टम ने शानदार काम किया।

हमने सिर्फ टारगेट को तबाह किया, बाकी सब सेफ रहा

सिंह ने बहावलपुर की तस्वीरें दिखाई और कहा कि जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय पर किए गए हमले में आसपास की इमारतें बिल्कुल सुरक्षित हैं। केवल जैश के मुख्यालय को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि हमारे पास न केवल सैटेलाइट की तस्वीरें थीं, बल्कि स्थानीय मीडिया की भी तस्वीरें थीं, जिनके जरिए हम अंदर की तस्वीरें प्राप्त कर सकते थे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुरीदके-लश्कर-ए-तैयबा मुख्यालय पर हमले की पहले और बाद की तस्वीरें दिखाते एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने वहां हुए नुकसान के बारे में बताया।

◆ ये सफलता राजनीति इच्छाशक्ति का परिणाम

सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति रही। उन्होंने कहा कि हमें बहुत साफ निर्देश दिए गए थे। हम पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाए गए थे। अगर कोई बाधाएं थीं, तो वे स्व-निर्मित थीं। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने की पूरी स्वतंत्रता थी। हमने सभी अटैक सोच समझकर किए। उन्होंने कहा कि इस दौरान तीनों सेनाओं के बीच एक बढ़िया को-ऑर्डिनेशन था। सीडीएस के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। एनएसए ने भी सभी एजेंसियों को एक साथ लाने में बड़ी भूमिका निभाई। गौर हो कि 29 जुलाई को संसद में मानसून सत्र के दौरान राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर केंद्र सरकार से सवाल किए थे और सरकार पर भारतीय सशस्त्र बलों को बांधने का आरोप लगाया था।

डीआरडीओ प्रमुख कामत ने कहा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रमुख आक्रामक हथियार था 'ब्रह्मोस'

ऑपरेशन सिंदूर केवल एक मिशन नहीं था, यह भारत की आत्मनिर्भरता रणनीतिक सोच और स्वदेशी तकनीक की ताकत का ऐलान था

एजेंसी ▶▶ पुणे

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख समीर कामत ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता और स्वदेशी तकनीकी क्षमता के जरिए अपनी ताकत का उद्घोष था।

कामत पुणे में रक्षा उन्नत तकनीकी संस्थान (डीआईएटी) के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। कामत ने कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर बेहद समन्वित और बहुआयामी अभियान केवल सैनिकों की वीरता नहीं दिखाता, बल्कि उस तकनीकी आधार को भी सामने लाता है, जो उनकी मदद कर रहा था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक मिशन नहीं था, यह भारत की आत्मनिर्भरता, रणनीतिक सोच और स्वदेशी तकनीक की ताकत का ऐलान था। यह दुनिया को यह बताने के लिए था कि भारत अपनी सीमाओं की रक्षा अपने ही उपकरणों और तकनीक से कर सकता है।

सैन्य अभियान में इन हथियारों का हुआ इस्तेमाल

डीआरडीओ प्रमुख ने कहा कि इस अभियान में सेंसर, ड्रोन, सुरक्षित संचार व्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित सहायता प्रणाली और सटीक मार करने वाले हथियार जैसे स्वदेशी उपकरणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के लिए जिन तकनीकों और प्रणालियों का इस्तेमाल हुआ, उनमें शामिल सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, डी4 एंटी-ड्रोन प्रणाली, एडब्ल्यूएनसी हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली और आकाशतीर प्रणाली थे। ये सभी भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने विकसित किए हैं। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अध्यक्ष डीके सुनील ने कहा कि एयर चीफ मार्शल लक्ष्मण माधव कात्रे ने भारतीय वायुसेना पर एक गहरी छाप छोड़ी है।

1800 करोड़ की लागत से बनेगी रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग इकाई

मप्र को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज करेंगे भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। भोपाल जिले की सीमा के पास रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) से राजधानी भोपाल सहित रायसेन, सीहोर और विदिशा आदि जिलों को लाभ होगा। इस परियोजना का भूमिपूजन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 10 अगस्त को औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर प्रदेश को यह सौगात मिल रही है। परियोजना का शुरूआती उत्पादन क्षमता 125 से 200 कोच प्रतिवर्ष होगी, जिसे पांच वर्षों में बढ़ाकर 1100 कोच प्रतिवर्ष किया जाएगा। इससे भोपाल व आसपास के जिलों के मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित हो रहे भोपाल क्षेत्र को परियोजना से बहुत लाभ होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रक्षा उत्पाद सचिव संजीव कुमार, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार, भारत अर्थ मूवर्स परियोजना के अध्यक्ष शांतनु राय शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर बीईएमएल परियोजना पर केंद्रित लघु फिल्म, प्रस्तावित प्लांट का 3डी वॉक थ्रू और नए संयंत्रों के मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे।

- भोपाल मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास को भी मिलेगी गति स्वदेशी के मंत्र पर हो रहा अमल

रेलवे ने फेस्टिव सीजन में एक्सपेरिमेंटल बेस पर शुरू की स्कीम

आने और जाने का ट्रेन टिकट बुक करने पर 20% डिस्काउंट

जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट कराना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने दिवाली और अन्य फेस्टिवल में घर जाने वालों के लिए एक एक्सपेरिमेंटल बेस पर एक स्कीम शुरू की है।

इसमें अगर कोई आने और जाने का टिकट एकसाथ बुक करता है तो रिटर्न टिकट पर 20% का डिस्काउंट मिलेगा। इससे उन लोगों को फायदा मिलेगा जो घर जाने और वापस आने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे ने त्योहारों के समय टिकट के लिए भीड़ और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह फैसला एक्सपेरिमेंटल बेस पर लिया है।

अगर आप अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना जाते हैं, तो इसी जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट करना होगा। जैसे- अहमदाबाद-बरौनी (19484) से जाते हैं तो रिटर्न इसी जोड़ी की ट्रेन बरौनी-अहमदाबाद (19483) से रिटर्न होना होगा।

बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी

इस छूट का फायदा लेने के लिए 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक के लिए जाने वाले टिकट और वापसी के लिए 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा का टिकट बुक करना होगा। बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।

सीडीपीओ नीलम पटेरिया को पोहरी से हटाया गया

वीडियो वायरल: आंगनबाड़ी कार्यकताओं की नियुक्ति के लिए मांगे 25 हजार रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

महिला एवं बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। नियुक्तियों में रिश्वतखोरी के मामले सामने आने लगे हैं। पहले, बाल परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) दफ्तर नरवर में पर्यवेक्षक को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते लोकायुक्त टीम ने पकड़ा था।

अब पोहरी की महिला बाल परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) का नियुक्तियों में रिश्वत की बातचीत का वीडियो सामने आया है। पोहरी की सीडीपीओ नीलम पटेरिया का शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया है। वीडियो में सीडीपीओ पटेरिया दो ग्रामीणों से आंगनबाड़ी में नियुक्ति के संबंध में बातचीत कर रही हैं। उनमें से एक व्यक्ति ने 25 हजार रु. की बात कही। पटेरिया कहने लगीं कि एसडीएम, साहब के लिए, सीईओ के साइन कराएंगे तो लिफाफे तो देना पड़ेंगे। वहां से फाइनल होना नहीं है, ऑर्डर जिले से निकलना है। फिर जिले वाले नाग बनकर बैठे हैं। सबसे बड़ी परेशानी यही है। वीडियो में पटेरिया कह रही हैं कि हमें मेरिट बनानी होती तो 50 लोगों की पहले से सेटिंग करके बैठे होते।

हैवी टैरिफ पर अमेरिका के साथ बढ़ रहे तनाव पर बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

भारत का दृष्टिकोण शुल्क रियायतों की मांग से आगे बढ़ चुका

भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा... देश अधिक मजबूत और आत्मविश्वास से भरा, सालाना 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने पीयूष गोयल ने भारत का स्टैंड साफ किया है। केंद्रीय मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए कहा कि भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा।

वैश्विक व्यापार समूहों के साथ भारत के भविष्य के जुड़ाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा कि आज देश बहुत अधिक मजबूत और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह सालाना साढ़े छह प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

- *भारत इस साल पिछले साल की तुलना में ज्यादा निर्यात करेगा*
- *सभी देश अब अपने लिए व्यापार मार्गों और साझेदारों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे*
- *ईएफटीए के सदस्य देश भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर सहमत*

लगभग 50 लाख नौकरियां पैदा होंगी

उन्होंने कहा कि ईएफटीए के सदस्य देश भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर सहमत हुए हैं, जिससे 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार और कुल मिलाकर लगभग 50 लाख नौकरियां पैदा होंगी। अक्तूबर से ईएफटीए समझौता लागू हो जाएगा और इसके लाभ दिखाई देने लगेंगे। गोयल ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत कहने के लिए कांग्रेस सांसद की भी आलोचना की और कहा कि देश कांग्रेस के उत्तराधिकारी को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता की ओर से नकारात्मक कहानी को दोहराना शर्म की बात है।

नौकरियां पैदा करने का श्रेय आईटी उद्योग को दिया

भारत की आर्थिक मजबूती के बारे में बताते हुए गोयल ने कहा कि देश की मुद्रा, विदेशी मुद्रा भंडार, शेयर बाजार और बुनियादी बातें मजबूत बनी हुई हैं और महंगाई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में दुनिया में सबसे कम है।

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

बी ई एम एल BEML Beyond Possibilities

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

स्वदेशी अभियान
विकास की नई पहचान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

₹1800 करोड़ की लागत के अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण केन्द्र का भूमिपूजन

मुख्य अतिथि
राजनाथ सिंह
केन्द्रीय मंत्री, रक्षा मंत्रालय

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

शिवराज सिंह चौहान
केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय मंत्री, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(वर्चुअल माध्यम से)

D-11078/25

10 अगस्त 2025 | दोपहर 12:00 बजे | ग्राम उमरिया, जिला रायसेन

उच्च प्रौद्योगिकी युक्त निर्माण क्षमता, आधुनिक रेल तकनीक का केन्द्र
- यात्री कोच, मेट्रो कार, ईएमयू, वंदे भारत ट्रेन सेट्स एवं हाई-स्पीड रेल प्रणालियों की डिज़ाइन, निर्माण, असेम्बली तथा परीक्षण
- घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरुप उत्पादन

हरित ऊर्जा और नवाचार पर आधारित
- सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्त्रोतों से संचालित
- ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज, वर्षा जल संचयन, हरित परिसर और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री का प्रयोग
- भारत के ग्रीन फैक्ट्री मानकों के अनुरुप

विस्तार योग्य निर्माण क्षमता
- प्रारंभ में 125-200 कोच प्रति वर्ष निर्माण क्षमता
- पांच वर्षों में 1,100 कोच प्रति वर्ष तक विस्तार संभव

स्थानीय विकास को बल
- क्षेत्रीय एमएसएमई और आपूर्ति इकाइयों को बढ़ावा
- 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार अवसर
- निर्माण, लॉजिस्टिक्स और संबंधित क्षेत्रों में मज़बूती

'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में ठोस कदम
- "ब्रह्मा" (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) सिर्फ एक संयंत्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, आधुनिक और वैश्विक स्तर का रेल निर्माण केन्द्र होगा
- BEML की अग्रणी तकनीकी क्षमता का प्रतीक

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

जबलपुर
रविवार, 10 अगस्त 2025
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष-01
वर्ष : 20, अंक : 102
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मौसम
अधि. 31
न्यून. 24

प्रदेश में अब सामान्य से 32% अधिक बारिश

एमपी नगर का दृश्य

14 अगस्त से फिर प्रदेशभर में बारिश का दौर लौटेगा

- प्रदेश में अब तक 737.2 मिमी बारिश
- 560 मिमी है सामान्य वर्षा
- आज आधा दर्जन जिलों में अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में मौसम का मिजाज फिर बदल रहा है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से अगले चार दिन प्रदेशभर में मौसम का ऐसा ही मिजाज रहेगा।

इसके बाद बारिश में तेजी आएगी। भोपाल में 14 से 16 अगस्त के बीच मध्यम से तेज बारिश का अनुमान है। रविवार को भिंड, दतिया सहित ग्वालियर, चंबल संभाग के कुछ जिलों में तेज से मध्यम बारिश हो सकती है।

सुबह से शाम तक यहां बारिश

शनिवार को सुबह से शाम 5:30 बजे के बीच कुछ जिलों में बारिश हुई। भोपाल में शाम 6 बजे के करीब हल्की बूंदाबांदी रही। श्योपुर, मुरैना, पन्ना, कटनी, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, सिवनी और बालाघाट में कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश की खबर है। कुछ जिलों में गरज-चमक और बादलों के साथ हल्की बौछारें पड़ी हैं।

उज्जैन सहित मालवा के जिलों में अच्छी बारिश के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सपत्नीक महाकाल में कराया अनुष्ठान

66 पंडितों ने नंदी हॉल में कराया पर्जन्य अनुष्ठान, तीन घंटे तक चला महारुद्र पाठ

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

उज्जैन सहित मालवा के जिलों में बारिश कम हुई है, वहां अच्छी बारिश के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्नी के साथ भगवान महाकाल में अनुष्ठान कराया। शनिवार को रक्षाबंधन पर्व के मौके पर शुरू हुए इस पर्जन्य अनुष्ठान में 66 पुजारी शामिल हुए। कम बारिश से पैदा संकट को दूर करने और उत्तम वर्षा एवं अमृत वृष्टि की कामना के लिए महाकाल मंदिर के नंदी हॉल में यह विशेष अनुष्ठान आयोजित किया गया। अनुष्ठान के दौरान महारुद्र पाठ किया गया, जो लगभग तीन घंटे तक चला। नंदी हॉल में मौजूद पुजारियों ने शिवलिंग का महापूजन किया। इस दौरान गर्भगृह में सतत जलधारा भगवान महाकाल को अर्पित की गई और नंदी हॉल में मंत्रोच्चार के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया।

भगवान महाकाल को अर्पित की गई सतत जलधारा

उज्जैन में स्थिति चिंताजनक

उज्जैन में बारिश की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। शहर को जलापूर्ति करने वाले एकमात्र गंभीर डैम में केवल 10 दिन का जल भंडारण शेष है। पहले से ही उज्जैन में एक दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

खबर संक्षेप

सिलेक्ट हुई आदिवासी अंचल के युवाओं की रील

खंडवा। मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक स्वच्छ मध्य प्रदेश रील प्रतियोगिता आयोजित की गई। खालवा ब्लॉक के दो युवाओं द्वारा बनाई गई रील का चयन पूरे प्रदेश के क्रिएटर्स द्वारा भेजी गई रीलों में से किया गया। प्रदेश के ग्रामीण एवं पंचायत विकास विभाग के मंत्री प्रह्लाद पटेल ने मोहन रोकड़े और उनके साथी को प्रशस्ति पत्र और 25 हजार रुपए की राशि भेंट की।

कोर्ट में लड़ी लड़ाई, अब मिलेगा सम्मान

इंदौर। दो खूंखार डकैतों का एनकाउंटर करने वाले अफसर विवेक सिंह चौहान को 22 साल बाद राष्ट्रपति पुलिस पदक मिलने का रास्ता साफ हुआ। वीरता का सम्मान पाने के लिए विवेक सिंह को लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। साल 2003 में उन्होंने दो डकैतों को मार गिराया था। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेरिट के आधार पर उनके पक्ष में फैसला सुनाया। वर्तमान में चौहान इंदौर में एसीपी पद पर पदस्थ हैं।

अपराध से दूरी बनाने का मांगा बहन ने वचन

कटनी। भाई-बहनों के अटूट स्नेह का प्रतीक कहलाने वाले रक्षाबंधन पर्व की एक अलग ही तस्वीर कटनी जिला जेल से सामने आई है, जहां राखी बांधने पहुंची बहनों ने अपने भाइयों से रक्षा के वचन की जगह अपराध की दुनिया से दूरी बनाने का वचन लिया। दरअसल, यह नजारा कटनी जिला जेल का है, जहां रक्षाबंधन पर्व को लेकर जेल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच खुशनुमा माहौल बना दिया था।

बड़ी कोशिश : यूक्रेन युद्ध खत्म करने का बड़ा दांव, क्या थम जाएगी गोलियों की गूंज?

ट्रंप-पुतिन 15 को मिलेंगे अलास्का में जेलेंस्की: यूक्रेन के हिस्से नहीं छोड़ूंगा

यह पहली बार होगा जब अमेरिकी और रूसी नेता 2021 के बाद आमने-सामने मिलेंगे, जो इस युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में एक बड़ी उम्मीद जगाता है

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक अहम मुलाकात 15 अगस्त को अलास्का में होने जा रही है। यह बैठक यूक्रेन युद्ध के शांति समझौते की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर इसकी जानकारी दी है और बताया कि सुरक्षा कारणों से इस मुलाकात को कुछ देर से आयोजित किया जा रहा है। यह पहली बार होगा जब अमेरिकी और रूसी नेता 2021 के बाद आमने-सामने मिलेंगे, जो इस युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में एक बड़ी उम्मीद जगाता है।

ट्रंप के अनुसार यह मुलाकात दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित संवाद का हिस्सा है। इसका उद्देश्य यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौता निकालना है। उधर, ट्रंप और पुतिन की मुलाकात से पहले व्लादीमिर जेलेंस्की ने रौद्र रूप दिखाते हुए कहा कि वे रूसी कब्जे वाला यूक्रेनी क्षेत्र को नहीं छोड़ेंगे। चाहे कुछ भी हो। मगर, ट्रंप के बुलावे पर क्या पुतिन अमेरिका जाएंगे, इस बारे में रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया है।

सुरक्षा कारणों से इस मुलाकात में कुछ देर हुई

ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि शांति समझौते में कुछ क्षेत्रों का आदान-प्रदान हो सकता है। हालांकि, उन्होंने विस्तार से नहीं बताया कि कौन-कौन से क्षेत्र इस समझौते में शामिल होंगे।

ट्रंप के बुलावे पर क्या पुतिन अमेरिका जाएंगे, इस बारे में रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया

शांति समझौते में क्या हो सकता है शामिल?

ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि शांति समझौते में कुछ क्षेत्रों का आदान-प्रदान हो सकता है। हालांकि, उन्होंने विस्तार से नहीं बताया कि कौन-कौन से क्षेत्र इस समझौते में शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा कि हम कुछ इलाकों को वापस पाने और कुछ को स्वैप करने की कोशिश कर रहे हैं, यह मुश्किल मामला है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि रूस संभवतः उन इलाकों को छोड़ने के लिए तैयार हो सकता है, जो उसने चार क्षेत्रों में कब्जा कर लिए हैं, लेकिन अभी तक इस पर कोई पक्का फैसला नहीं हुआ है।

क्या यह अंतिम मौका है शांति के लिए?

ट्रंप ने इस सवाल पर कि क्या यह युद्ध को खत्म करने का अंतिम मौका है, कहा कि वह अंतिम मौका शब्द का उपयोग पसंद नहीं करते। उन्होंने बताया कि जब गोलियां चलनी शुरू हो जाती हैं, तो उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है। इस बात से साफ होता है कि युद्ध की स्थिति अभी भी नाजुक है और शांति के रास्ते पर कई चुनौतियां बनी हुई हैं।

जेलेंस्की बोले
वार्ता में हम शामिल नहीं तो 'समाधान मृत' ही होंगे

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध पर अगले हफ्ते होने वाली अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति के बीच संभावित वार्ता से पहले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपना रौद्र रूप दिखा दिया है। जेलेंस्की ने स्पष्ट तौर पर किसी भी समझौते के तहत रूस द्वारा कब्जा किए गए यूक्रेन के क्षेत्रों को छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। जेलेंस्की ने यूक्रेन का क्षेत्र औपचारिक रूप से छोड़ने से इनकार करने के साथ ही कहा कि युद्ध समाप्त करने पर केंद्रित किसी भी वार्ता का यूक्रेन को हिस्सा बनाया जाना चाहिए। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रस्तावित बैठक की कोई भी शर्तें मानने से खारिज कर दिया।

सीआईएसएफ जवान मोहित सेन की मणिपुर में ड्यूटी के दौरान संदिग्ध मौत

भाई की 'कलाई' पर बहनों ने बिलखते हुए बांधी राखी

रक्षाबंधन पर जवान का पार्थिव शरीर शाजापुर के बड़ोद पहुंचा

स्थानीय हाई स्कूल का नाम मोहित सेन के नाम पर रखा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाजापुर

शाजापुर जिले के ग्राम रानी बडोद निवासी सीआईएसएफ के जवान मोहित सेन (22) का मणिपुर में ड्यूटी के दौरान निधन हो गया। रक्षाबंधन पर शनिवार को जब उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो बहनें और परिवार के लोग बिलख पड़े। यह दुखद नजारा देखकर वहां मौजूद ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं। इस दौरान अंतिम यात्रा में हाथों में तिरंगा थामकर बड़ी संख्या में युवा और ग्रामीण शामिल हुए। मोहित सेन मणिपुर में सीआरपीएफ की 120 बटालियन में तैनात थे।

पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

शनिवार सुबह 7:30 बजे मोहित का पार्थिव शरीर भोपाल से अकोदिया थाने पहुंचा, जहां से अंतिम यात्रा की शुरुआत हुई। इस दौरान बस स्टैंड पर जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर मोहित को नमन किया। बड़ी संख्या में लोग बाइक पर तिरंगा लेकर शामिल हुए। डीजे पर देशभक्ति गीतों के बीच यात्रा शहीद के निवास स्थान पहुंची, जहां माता-पिता और परिजन रो-रोकर बेहाल थे। इसके बाद अंतिम यात्रा मुक्ति धाम पहुंची, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

टैक्सी वे से रनवे पर जा रहा था, तभी विमान में हल्का झटका लगा

लखनऊ से देहरादून जा रहे इंडिगो के विमान में आई गड़बड़ी... पौने दो घंटे विलंब से उड़ा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

रक्षाबंधन वाले दिन यानि शनिवार सुबह लखनऊ से देहरादून जा रही इंडिगो की फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण रोक दी गई। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यह फ्लाइट कुछ मिनटों में ही टेकऑफ करने वाली थी। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-515 लखनऊ से सुबह 8:55 बजे रवाना होकर 10:15 बजे देहरादून पहुंचनी थी। विमान में सफर करने वाले एक यात्री के मुताबिक इस विमान की बोर्डिंग पूरी हो चुकी थी और उसमें क्रू मेंबर सहित 158 यात्री सवार थे। जब विमान उड़ान भरने के लिए टैक्सी वे से रनवे पर जा रहा था, तभी विमान में हल्का झटका लगा, पायलट ने तकनीकी गड़बड़ी पहचान ली। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना देते हुए विमान को रोक दिया। इसके बाद विमान को वापस टैक्सीवे पर लाया गया। विमान की खराबी दूर करने के लिए तत्काल इंजीनियरों की टीम बुलाई गई।

यहां पर इंजीनियरों की टीम ने लगभग पौने दो घंटे की मशक्कत के बाद विमान की खराबी दूर किया। इसके बाद विमान को रवाना किया। 8:55 पर रवाना होने वाला विमान सुबह 10.50 बजे उड़ान भर सका। विमान का देहरादून पहुंचने का समय 10.15 बजे है।

- क्रू मेंबर सहित 158 यात्री विमान में सवार थे

रक्षाबंधन पर हुए कई हादसे, करीब आधा दर्जन की हुई मौत

रक्षाबंधन मनाने गांव जा रहे थे

मंडला में बाइक आपस में भिड़ीं पिता-दो बच्चे और साले की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडला

मंडला में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक उसके दो बच्चे और साले की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं युवक की पत्नी समेत एक अन्य बाइक सवार घायल हैं। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र में जरगी गांव में शनिवार शाम 4.30 बजे की है। मृतक सिवनी जिले के रजरवाड़ा गांव के रहने वाले हैं। सूचना मिलने पर एसपी रजत सकलेचा और महाराजपुर थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं शवों को जिला अस्पताल भिजवाया गया है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, दो की मौत

देवास के चापड़ा-बागली मार्ग पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार दो युवक सड़क किनारे खड़े सरियों से लदे मिनी ट्रक से टकरा गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो जानकारी के अनुसार, मुकेश पिता मोहनलाल (40) और लोकेश पिता जयपाल (26), दोनों निवासी निमलाय, शनिवार रात बाइक से चापड़ा से बागली की ओर जा रहे थे।

पलटी बस
6 गंभीर, 30 घायल

अनूपपुर जिले में शनिवार दोपहर यात्रियों से भरी बस पलट गई। बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। इनमें 20 के करीब महिलाएं थीं। ये अपने भाईयों को राखी बांधने जा रही थीं। छह महिलाओं की हालत गंभीर है।

रक्षाबंधन के दिन चार परिवारों में मातम

5 बहनों के इकलौते भाई समेत डूबने से चार दोस्तों की हुई मौत

सागर की बेबस नदी के घाट पर हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

सागर के सानौधा थाना क्षेत्र से निकली बेबस नदी के घाट पर पांच दोस्त पिकनिक मनाने गए थे, पानी में नहाते वक्त चार दोस्त बेबस नदी में डूब गए दूसरे दिन रेस्क्यू करने पर चार दोस्तो के शव बरामद किये गए है। इस घटना से पूरा गांव दहल उठा है रक्षाबंधन के दिन एक साथ चार परिवार से चार अर्थियों से पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया।

इस हादसे ने डूबने वालों के परिवार को सदमा दे डाला। जिसमें एक परिवार में पांच बहनों में एक लौता भाई भी इस दुनिया को अलविदा कह गया। सागर के नरयावली विधानसभा के ग्राम रिछावर में हरसिद्धि माता मंदिर के पास बेवस नदी में चार युवकों के डूबने की खबर मिलते ही प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया था देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला था। सुबह होते ही रेस्क्यू शुरू किया गया जिसके बाद निखिल अहिरवार पिता महेंद्र अहिरवार रिछावर उम्र 22 साल, सुनीत पिता मूलचंद लडिया खुशीपुरा मोती नगर उम्र 23 साल, सनी पिता रमेश अहिरवार उम्र 22 साल खुशीपुरा मोती नगर, राज पिता साहब अहिरवार खुशीपुरा मोती नगर उम्र 22 साल के शव नदी से निकाले गए। वहीं जानकारी के मुताबिक पांचवे दोस्त अभिषेक ने फोन पर परिवार और पुलिस को सूचना दी थी।

दिल्ली में बड़ा हादसा: यहां एक पुराना मंदिर और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां

हरी नगर गांव के पीछे झुग्गियों पर समाधि की 50 फीट ऊंची दीवार गिरी, 8 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के हरीनगर में शनिवार को बारिश के दौरान दीवार गिरने से हादसा हो गया। जैतपुर थाना स्थित हरीनगर के बाबा मोहन राम मंदिर के पास समाधि स्थल की दीवार गिर गई है। जिसके नीचे करीब आठ लोग दब गए। इस हादसे में सभी आठ घायलों की मौत हो चुकी है। हादसे में आठ लोगों में तीन पुरूष हैं, दो महिलाएं हैं और दो लड़कियां और एक लड़का है। सात की मौत के बाद एक घायल हाशिबुल का अस्पताल में इलाज चल रहा था। उसने भी दम तोड़ दिया है। दिल्ली दमकल विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि जैतपुर हादसे में सभी आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

रात भर हुई भारी बारिश के कारण दीवार गिर गई

पुलिस ने झुग्गियों को खाली करा लिया है

शनिवार सुबह 9:30 बजे हादसा

जैतपुर थाना इलाके में शनिवार सुबह 9:30 बजे के करीब हरी नगर गांव इलाके के पीछे झुग्गियों के ऊपर समाधि की दीवार गिर जाने से दो बच्चे समेत आठ लोग अंदर दब गए थे, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहीं इस घटना के बाद तमाम विभाग मौके पर मौजूद हैं। एडिशनल डीसीपी साउथ ईस्ट ऐश्वर्या शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि यहां एक पुराना मंदिर है और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां हैं। जहां कबाड़ी रहते हैं। रात भर हुई भारी बारिश के कारण दीवार गिर गई। हादसे के दौरान आठ लोग फंस गए, जिन्हें बचाकर अस्पताल ले जाया गया। हमने अब इन झुग्गियों को खाली करा दिया है ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो। इससे पहले, दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में स्थित हरि नगर में एक इमारत गिरने की सूचना मिली थी। बाद की जांच में पता चला कि यह घटना इमारत गिरने की नहीं, बल्कि दीवार गिरने की थी।

देशभर में दिखा रक्षाबंधन का उल्लास

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देशभर में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और बंधन का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। बदले में भाई अपनी बहनों के प्रति प्रेम और देखभाल के प्रतीक के रूप में उपहार देते हैं। राखी सुरक्षा की भावना का प्रतीक है। रक्षाबंधन पर भाई अपनी बहनों की रक्षा करने का वचन देते हैं। इस दौरान राजनीतिक गलियारे में भी रक्षाबंधन का प्रेमभरा संदेश दिखाई दिया। हमारा सांस्कृतिक देश हर भाई- बहनों को अपने परिवार के सदृश्य मानता है। इसी की झलक राखी के त्योहार पर भी दिखाई दी।

राजनीतिक गलियारे से भी.... अटूट रिश्ते का प्रेमभरा संदेश

प्रदेश के कई मुख्यमंत्रियों के निवास व राजभवन में भी हुए रक्षाबंधन पर्व के आयोजन

खटीमा में महिलाओं ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को उनके आवास पर राखी बांधी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सांखली में अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया।

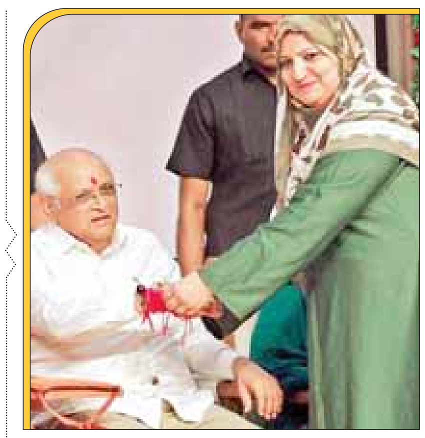

गांधीनगर के राजभवन में महिलाओं ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राखी बांधी।

पूर्व राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को राखी बांधी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में स्कूली छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में पेड़ों को राखी बांधी। कार्यक्रम के दौरान नीतीश ने एक पौधा भी लगाया।

खबर संक्षेप

मंदिर मामले में गिरफ्तारी देने पहुंचे दुबे, इनकार

देवघर। झारखंड की राजनीति में एक बार फिर देवघर केंद्र में आ गया है। भाजपा सांसद और देवघर मंदिर ट्रस्टी निशिकांत दुबे ने पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि बाबा मंदिर से जुड़े विवाद में गिरफ्तारी देने के लिए खुद थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने गिरफ्तारी लेने से इनकार कर दिया।

मनसे ने अब फूड स्टॉल चलाने वाले को पीटा

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के कल्याण में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं ने एक फूड स्टॉल वाले पर हमला किया। आरोप है कि उसने मराठी लोगों और राज ठाकरे के खिलाफ गलत बातें कही थीं। यह घटना दुर्गामाता मंदिर चौक इलाके में हुई। वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है।

आज से दौड़ेगी बंगाल की पहली एसी लोकल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए खुशखबर है। रविवार से बंगाल को पहली वातानुकूलित (एसी) लोकल ट्रेन मिलने वाली है। लोकल एसी ट्रेन चलने से आम लोगों को जो लोकल ट्रेन से यात्रा करते हैं उन्हें गर्मी से राहत मिलेगी। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फ़ैक्टरी द्वारा विकसित, यह नेटवर्क में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

पति ने किया पत्नी और दो बेटियों का कत्ल

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली 3हत्याओं से दहल उठी। एक शख्स ने पत्नी और 2 बेटियों को मार डाला। रक्षाबंधन के दिन हुई सनसनीखेज वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। प्रदीप ने पत्नी और 5 और 7साल की दो बेटियों की हत्या कर दी।

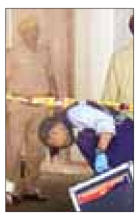

4 दिन में दूसरा बड़ा एनकाउंटर, 5 गिरफ्तार

छपरा। सारण जिले में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। 4 दिन में दूसरी बार गोलियों की गूंज सुनाई दी। इस बार पुलिस की गोली कुख्यात अपराधी एवं एक लाख के इनामी मुन्ना मियां और उसके साथी रंजीत सिंह के पैर में लगी। दोनों पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजे गए। पुलिस ने 5 बदमाशों को धर दबोचा।

बंगाल सचिवालय 'नबान्न' तक मार्च के दौरान हंगामा, हालात बिगड़े

बैरिकेड्स को तोड़कर बढ़ी भीड़ तो पुलिस ने चलाईं लाठियां, 100 प्रदर्शनकारी जख्मी हुए

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पुलिस ने पश्चिम बंगाल सचिवालय नबान्न तक मार्च के दौरान मध्य कोलकाता में पार्क स्ट्रीट क्रॉसिंग पर प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजीं है। यह मार्च सरकारी आरजी कर अस्पताल के अंदर एक ऑन ड्यूटी डॉक्टर के साथ क्रूर दुष्कर्म और हत्या के एक साल पूरे होने के मौके पर शनिवार को निकाली गई। रानी रश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए प्रदर्शनकारियों ने विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने के लिए बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल और अन्य भाजपा विधायकों के साथ पार्क स्ट्रीट-जेएल नेहरू रोड क्रॉसिंग पर धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में भाजपा नेताओं सहित 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए। सुवेंदु ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान आरजी कार पीड़िता के माता-पिता घायल हो गए। सुवेंदु ने चेतावनी दी कि ममता बेनर्जी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विरोध प्रदर्शन आगे और भी बड़ा होने वाला है।

सुवेंदु, पॉल धरने पर बैठे, पीड़िता के माता-पिता भी घायल

आरजी कर कांड को लेकर प्रदर्शन किया

सुवेंदु की चेतावनी, और बड़ा प्रदर्शन करेंगे

भाजपा विधायकों पर लाठीचार्ज करवाया गया

नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु ने दावा किया है कि बंगाल सचिवालय तक मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई में भाजपा विधायकों पर लाठीचार्ज कर गई। इस बवाल के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता भी घायल हो गए हैं। खबर है कि भाजपा नेता अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल पुलिस कार्रवाई के विरोध में वहीं धरने पर बैठ गए हैं।

पुलिस सभास्थल तक पहुंचने से रोकने की कोशिश कर रही: पीड़िता के पिता

पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय की ओर से हमें शांतिपूर्ण विरोध रैली आयोजित करने की अनुमति दिए जाने के बावजूद पुलिस हमारे साथ सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने रास्ते में विभिन्न स्थानों पर लोगों के वाहनों को रोककर उन्हें सभा स्थल तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की। पीड़िता की मां ने कहा कि वे हमें क्यों रोक रहे हैं? हम बस सचिवालय पहुंचना चाहते हैं।

लाठीचार्ज से भड़के भाजपा विधायक डिंडा

इतना मारेंगे कि पुलिस को ममता के आंचल में छिपना पड़ेगा

'नबन्ना अभियान' के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शन में उनके साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुवेंदु अधिकारी और पार्टी के अन्य विधायक भी शामिल हुए। ये पीड़िता के लिए न्याय की मांग लगातार कर रहे हैं।

अब दिन दूर नहीं जब पुलिस को पीटेंगे

प्रदर्शन के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस प्रदर्शन में भाजपा विधायक अशोक डिंडा भी शामिल थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री ममता और बंगाल पुलिस पर निशाना साधा। अशोक डिंडा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब हम पुलिस को भी पीटेंगे। पुलिस की खूब पिटाई होगी।

पीड़िता के लिए न्याय ममता इस्तीफा दें

प्रदर्शनकारियों को 10 फीट ऊंचे बैरिकेडों को लांघने की कोशिश करते देखा गया। आंदोलनकारियों को लोहे की दीवारों को तोड़ने और उनमें छेद करने के लिए कुंद औजारों का इस्तेमाल करते हुए भी देखा गया, ताकि वे आगे बढ़ सकें। प्रदर्शनकारियों को तिरंगे के अलावा पोस्टर और बैनर लिए देखा गया। इन पर पीड़िता के लिए न्याय और मुख्यमंत्री ममता के इस्तीफे की मांग की गई थी।

सुवेंदु ने ममता सरकार पर धमकाने का लगाया आरोप

सुवेंदु ने घटना के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'नबन्ना' तक शांतिपूर्ण मार्च निकालने का संकल्प लिया। अधिकारी ने ममता बेनर्जी सरकार पर धमकाने और अत्यधिक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को गंतव्य तक पहुंचने से रोकने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं।

राहुल के रात्रिभोज पर छिड़ गई जंग

उद्धव को अंतिम पंक्ति में बैठाया शरद ने अनावश्यक विवाद कहा

एजेंसी ⏭ नागपुर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे को लेकर छिड़े विवाद को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने इस विवाद को बुतुका और गैर-जरूरी बताया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास पर गुरुवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं के लिए एक डिनर पार्टी आयोजित की गई थी। इस दौरान उद्धव को अंतिम पंक्ति में बैठा दिखाया गया। इसे लेकर सियासी घमासान छिड़ गया। कई लोगों ने इसे शिवसेना और महाराष्ट्र का अपमान बताया।

'वोट चोरी' का आरोप कागजों पर आधारित

शरद ने शनिवार को कहा कि राहुल का 'वोट चोरी' वाला आरोप अच्छी तरह से शोध और दस्तावेजों पर आधारित था। इस मामले की जांच करना चुनाव आयोग का काम है। नागपुर में शरद ने स्वीकार किया कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को महाराष्ट्र में चुनाव से पहले अधिक सावधान रहना चाहिए था। हमें पहले ही इस पर गौर करना चाहिए था।

160 सीटों पर जीत की गारंटी दी

शरद ने दावा किया कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो लोगों ने नई दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी और 288 में से 160 सीटों पर विपक्ष की जीत की गारंटी दी थी। पवार ने कहा कि उन्होंने दोनों को राहुल से मिलवाया था।

फड़नवीस-शिंदे ने कसा तंज

ठाकरे को उनकी जगह दिखा दी

भाजपा ने उद्धव के पीछे बैठने को लेकर तंज कसा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि डिनर पार्टी में उद्धव ठाकरे को सबसे पीछे बैठाकर उनका अपमान किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि जब अविभाजित शिवसेना एनडीए का हिस्सा थी तो उद्धव हमेशा पहली पंक्ति में बैठते थे। लेकिन अब हमें पता चल गया है कि उन्हें गठबंधन में किस तरह का सम्मान मिलता है। उनको गठबंधन ने सही जगह बता दी है।

कांग्रेस ने सही जगह दिखाई: शिंदे

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी उद्धव का मजाक उड़ाया और कहा कि कांग्रेस ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है। शिंदे ने कहा कि जो लोग आत्म-सम्मान को गिरवी रख देते हैं और बाल ठाकरे के आदर्शों को त्याग देते हैं, कांग्रेस ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है।

फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन में आग

धुआं निकलने पर चेन पुलिंग कर कूद पड़े यात्री, कई घायल

एजेंसी ⏭ गाजियाबाद

यहां से कानपुर की ओर जा रही फरक्का एक्सप्रेस की बोगियों में ग्रेटर नोएडा के दनकौर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार देर रात अचानक धुआं उठने से हड़कंप मच गया। घबराए यात्रियों ने चेन पुलिंग करके ट्रेन रोक दी और कूदने लगे। कुछ यात्रियों व ट्रेन के स्टाफ ने बोगियों में लगे फायर उपकरण से धुएं वाली जगह पर स्प्रे किया। करीब आधे घंटे बाद ट्रेन चली और दनकौर स्टेशन पर लेकर जाकर जांच के लिए खड़ी की गई। यात्रियों ने बताया कि उन्हें धुआं रात करीब 12.15 बजे एस-7 बोगी के नीचे से उठता दिखा। लोगों को लगा कि आग लग गई है। इससे बोगी में अफरातफरी मच गई। रेलवे स्टाफ की कोशिशों के बाद जब धुआं उठना बंद हुआ तो ट्रेन आगे बढ़ी। यह स्पष्ट नहीं हो सका था कि कहां से धुआं उठा है। इस अफरातफरी के बीच ट्रेन में कई यात्रियों को सामान भी चोरी हो गया।

कड़कड़डूमा के अस्पताल में आग

महिला की मौत, 11 को लोगों को बचाया, 10 'मरीज' घायल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

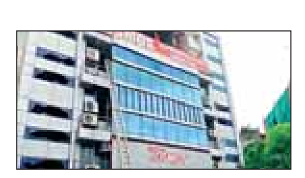

दिल्ली में शनिवार को आग लगने की खबर है। कड़कड़डूमा के कॉसमॉस अस्पताल में आग लगी है। जहां दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंची। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। घायलों में से 7को आनंद विहार अस्पताल में ही भर्ती कराया गया है, जबकि 3अन्य को मामूली चोटें आई हैं। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। अग्निशमन अधिकारी अशोक कुमार जायसवाल ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा के नियंत्रण कक्ष को दोपहर करीब 12.20 बजे सूचना मिली कि कॉसमॉस अस्पताल में आग लग गई है। 4-5टीमें मौके पर पहुंचीं। आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर स्थित सर्वर रूम में लगी। 11 लोगों को बचा लिया गया है और एक व्यक्ति की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री मोदी का विश्व संस्कृत दिवस पर संदेश

संस्कृत के महत्व को किया उजागर उसे ज्ञान का प्राचीन स्रोत बताया

सरकार भाषा को बढ़ाने लगातार कर रही प्रयास

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस पर कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में संस्कृत भाषा को आगे बढ़ाने कई काम किए हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृत ज्ञान का एक बहुत पुराना स्रोत है और इसका असर हमारे जीवन के हर हिस्से में देखा जा सकता है। मोदी ने कहा कि यह इस भाषा को सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर है। यह दिवस प्रतिवर्ष 'श्रावण पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर मनाया जाता है।

सरकार के कदमों की जानकारी दी

उन्होंने अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को उजागर करने के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत शिक्षण केंद्रों की स्थापना, भाषा के विद्वानों को अनुदान देने और प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण अभियान की शुरुआत जैसे उपायों का हवाला दिया।

प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गईं

उन्होंने कहा कि इससे अनगिनत छात्रों और शोधकर्ताओं को लाभ हुआ है। हिंदू महाकाव्यों सहित कई प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई हैं, एक ऐसी भाषा जो अब मुख्यतः धार्मिक कार्यों में ही सीमित रह गई है।

सिब्बल ने गृहमंत्री शाह से पूछा सवाल

धनखड़ का न पता और न ही कोई सूचना, सुरक्षित तो हैं ना

धनखड़ की अनुपस्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने देश के पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अनुपस्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की है। सिब्बल ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया और पूछा कि 22 जुलाई को इस्तीफा दिया था और 9 अगस्त तक कोई जानकारी नहीं है। सिब्बल ने इस पोस्ट के माध्यम से केंद्र सरकार पर निशाना साधने की कोशिश की है। निर्वाचन आयोग ने भी उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है और इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई।

एक्स पर पोस्ट डालकर देश के गृहमंत्री से जानकारी चाही

स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर दिया था इस्तीफा

उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद से उपराष्ट्रपति का पद रिक्त है। धनखड़ का कार्यकाल 2027 में पूरा होने वाला था। धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति के लिए कयासों का दौर शुरू हो गया है।

सिब्बल का व्यंग्य और उनकी चिंता

सिब्बल ने कहा कि मैंने 'लापता लेडीज' फिल्म के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में कभी नहीं सुना। आगे उन्होंने कहा कि धनखड़ हमेशा सरकार का समर्थन करते रहे, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को ही उनकी खोज करनी पड़ेगी। सिब्बल ने यहां तक कहा कि क्या हमें 'हैबियस कॉर्पस' याचिका दाखिल करनी पड़ेगी?

यह देश के लिए चिंता की बात

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कपिल सिब्बल ने लिखा कि क्या हमें बताया जा सकता है कि जगदीप धनखड़ कहां हैं? अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा क्या गृहमंत्री अमित शाह बताएंगे कि जगदीप धनखड़ सुरक्षित हैं? उनसे कोई संपर्क हो पा रहा है?सिब्बल ने आगे इस पोस्ट में लिखा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह को पता होना चाहिए! वे (जगदीप धनखड़) हमारे देश के उपराष्ट्रपति थे, देश को चिंतित होना चाहिए।

दिल्ली के वसंत कुंज में हादसा

निर्माणाधीन मेट्रो लाइन का हिस्सा 15 मीटर तक धंसा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वसंत कुंज स्थित मसूदपुर फ्लाईओवर के पास निर्माणाधीन मेट्रो लाइन का एक हिस्सा धंस गया। फ्लाईओवर के पास बैरिकेड लगाकर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। मसूदपुर फ्लाईओवर के पास मेट्रो के खोदाई वाले क्षेत्र में फुटपाथ का लगभग 10 से 15 मीटर का हिस्सा धंस गया है। किसी भी व्यक्ति या सामग्री को कोई नुकसान नहीं हुआ है। सिके बाद पुलिस ने सुरक्षात्मक कदम उठाया है। लोगों की आवाजाही फिलहाल रोक दी गई है।

सड़क पर बैरिकेडिंग की

एहतियात के तौर पर फ्लाईओवर के नीचे फुटपाथ के पास की सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। डीएमआरसी दिल्ली यातायात पुलिस के साथ समन्वय कर रही है ताकि यातायात सुचारू रहे। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

धोखाधड़ी, जालसाजी और धमकी के कई मामलों में वांछित, तीन मोर्चों से इनाम की घोषणा

कुख्यात 'चिटलर' अमित खम्परिया की गिरफ्तारी पर अब 1.40 लाख का इनाम

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर का बदनाम ठग और खुद को बचाने में माहिर 'चिटलर' अमित खम्परिया अब पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। लंबे समय से फरार इस आरोपी की गिरफ्तारी पर अब कुल 1,40 हजार का इनाम घोषित किया गया है। यह इनाम जबलपुर जोन, बालाघाट जोन पुलिस और पीड़ित पक्ष तीनों तरफ से अलग-अलग घोषित किया गया है।

अपराधों की लंबी लिस्ट

दुर्गा कॉलोनी, संजीवनी नगर निवासी 'चिटलर' अमित खम्परिया पर थाना संजीवनी नगर के अपराध क्रमांक 134/2022 (धारा 420, 406, 386 भादवि) और 141/2022 (धारा 294, 323, 506 भादवि, एससी-एसटी एक्ट) सहित थाना मदनमहल के अपराध क्रमांक 86/2022 (धारा 420, 406, 467, 468, 471, 474, 112, 120बी, 109, 204 भादवि) में संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कई ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन यह 'चिटलर' हर बार बच निकलता है।

सूचना दें, नाम रहेगा गुप्त

अब इस कुख्यात 'चिटलर' की गिरफ्तारी पर मिलने वाला इनाम 1.40 लाख हो गया है। पुलिस ने जनता और अपने अमले से अपील की है कि आरोपी की कोई भी पुख्ता जानकारी थाना मदन महल, थाना संजीवनी नगर के साथ पुलिस कंट्रोल रूम में तुरंत साझा करें, सूचनाकर्ता का नाम और पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इनाम में बड़ी बढ़ोतरी

शुरुआत में डीआईजी जबलपुर रेंज ने दोनों प्रकरणों में 15-15 हजार के इनाम की घोषणा की थी। लेकिन पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय की अनुशंसा पर आईजी जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा ने इसे बढ़ाकर 30-30 हजार कर दिया। इसके अलावा आईजी बालाघाट जोन ने भी 30 हजार का इनाम घोषित किया है। वहीं, पीड़ित पक्ष ने अपनी जेब से 50 हजार देने की घोषणा की है।

राजकुमारी बाई बाल निकेतन पहुंचे पुलिस कप्तान, दिया सुरक्षा का वादा

राखी के धागों में बंधा भरोसा

हरिभूमि, जबलपुर।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जबलपुर पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर समाज से जुड़ने की एक भावनात्मक पहल की। शनिवार को वह थाना मदन महल स्थित श्री राजकुमारी बाई बाल निकेतन पहुंचे, जहां बहनों ने उन्हें राखी बांधकर अपना स्नेह व्यक्त किया। उनके साथ एएसपी सिटी आनंद कलादगी भी मौजूद रहे। राखी बांधते समय बहनों के चेहरों पर उत्साह और खुशी झलक रही थी। पुलिस अधिकारियों ने भी इस पावन क्षण को पूरी आत्मीयता से महसूस करते हुए बहनों को मिठाई खिलाई और उनके सुख-समृद्धि की कामना की।

पुलिस और समाज के बीच रिश्तों की डोर मजबूत

कार्यक्रम में सीएसपी कोतवाली रीतेश कुमार शिव, टीआई मदन महल संगीता सिंह, और बाल निकेतन की सदस्य बहनें मौजूद रहीं। इस अवसर ने न केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की महत्ता को दर्शाया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि वर्दी के पीछे एक संवेदनशील दिल धड़कता है, जो समाज के हर वर्ग के साथ जुड़ाव महसूस करता है।

स्नेह और सुरक्षा का वादा

कप्तान उपाध्याय ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व हमें एक-दूसरे की रक्षा और सम्मान का संकल्प दिलाता है। उन्होंने बहनों को भरोसा दिलाया कि पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा में तत्पर रहेगी।

सरोवरों में लगेंगे कजलियों के मेले

कजलियों का पर्व आज

जबलपुर। प्रेम और भाईचारे के साथ-साथ प्रकृति के अनुपम उपहार फसलों से जुड़ा पर्व कजलियां आज हर्षोल्लास के साथ परम्परागत तरीके से मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख सरोवर हनुमानताल, देवताल, सूपाताल, गोकलपुर तालाब, सदर खम्बताल में कजलियों के मेले लगेंगे। बुंदेलखण्ड और महाकौशल अंचल में यह पर्व बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में कजलियों के महापर्व का महत्व अलग ही है। ज्यादातर खेती ग्रामीण अंचलों में ही होती है और कजलियों को खरीफ की फसलों की अच्छी पैदावार से जोड़कर देखा जाता है। सावन की पूरी हरियाली, भादों मास के पहले दिन पड़ने वाले इस त्यौहार में देखी जाती है। गांवों में पारम्परिक गीत गाये जाते हैं और जलाशयों के किनारे कजलियों को खोंसकर उनका पूजन अर्चन किया जाता है। कजलियों को भगवान को अर्पित किया जाता है। इसके बाद एक-दूसरे से कजलियां मिलकर गिले शिकवे भुलाये जाते हैं और खुशियां मनाई जाती हैं।

बुंदेलखंड और महाकौशल अंचल में कजलियों के पर्व का विशेष महत्व है, इसे एक तरफ आपसी सामंजस्य और भाईचारे का पर्व माना जाता है वहीं इसे खरीफ की फसलों की बेहतरी से भी जोड़कर देखा जाता है। सावन के महिने में दोनों में घर में पवित्र स्थानों पर कजलियां बोई जाती है। ऐसी मान्यता है कि सावन पक्ष की पूर्णमासी होने के बाद जब कजलियों को खोटा जाता है तो उसकी हरियाली, लंबाई, अंकुरण देखकर आने

वाली खरीफ की फसलों का अंदाजा भी लगाया जाता है। कजलियों में अच्छा अंकुरण और अच्छी हरियाली आने पर किसान एक दूसरे का कजलियां भेंटकर बधाइयां और शुभकामना देते हैं। इसलिए ग्रामीण क्षेत्र में इस त्यौहार का अच्छा खासा महत्व है, वहीं शहरों में कजलियों को एक दूसरे को भेंटकर बड़ छोटों को आर्शीवाद देते हैं और छोटे उनसे उपहार भी लेते हैं, आज के दिन नाते-रिश्तेदार और आस-पड़ोस के लोग उन घरों में जरुर जाते हैं, जिन घरों में गमी के कारण दुख का पहला त्यौहार होता है। जबलपुर में आज कजलियों का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा।

खर्च के लिये रूपये नहीं देने पर डंडे से की मारपीट

जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत ग्राम खमरिया में एक पढाई करने वाले युवक से गांव के युवक ने खर्च के लिये 1 हजार रुपये की मांग की। मना करने पर गाली गलौच कर मारपीट कर दी। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खमरिया निवासी 18 वर्षीय हर्ष यादव से गांव के राहुल गोंटिया ने खर्च के लिये 1 हजार रुपये मांगे। उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलौज करने लगा, घर के अंदर घुसकर डंडे से हमलाकर घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 115(2), 351(2), 333 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

भीड़ भरे बाजारों में रही सुरक्षा और शांति

शहर में दिखा पुलिस चौकसी का असर

हरिभूमि जबलपुर।

रक्षाबंधन और कजलियां जैसे महापर्वों की पूर्व संध्या पर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जबरदस्त भीड़ के बावजूद इस बार जबलपुर में सुरक्षा के मोर्चे पर पुलिस की रणनीति पूरी तरह सफल रही। गुरुवार शाम से लेकर शनिवार रात तक शहर के बाजारों में कोई लूट या अपराधिक घटना की खबर नहीं मिली। भीड़ और त्योहार के जोश के बीच कानून-व्यवस्था की सख्त निगरानी देखने को मिली। हालांकी ट्रैफिक व्यवस्था के मामले में जबलपुर पुलिस का रिकार्ड हमेशा की तरह इस बार भी खराब रहा। ट्रैफिक प्रबंधन के प्लान जमीन पर नहीं उतरे और मध्य शहर का यातायात रेंगता हुआ नजर आया।

एसपी संपत उपाध्याय के निर्देशन में रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर शहर की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। तीन प्रमुख ट्रैफिक थानों और 39 थाना प्रभारियों को विशेष ड्यूटी पर लगाया गया। पुलिस फोर्स ने चिन्हित बाजार क्षेत्रों को मालवाहक वाहनों, निजी कारों और ई-रिक्शा के लिए बंद कर दिया।

केवल बुजुर्ग, बीमार और असहाय व्यक्तियों को ही ई-रिक्शा के जरिए प्रवेश की अनुमति मिली। सीसीटीवी कैमरों से गोपनीय तरीके से निगरानी की गई और कंट्रोल रूम से उनकी लाइव मॉनिटरिंग होती रही। बाजारों में सिविल ड्रेस में भी पुलिस बल तैनात रहा।

70 फीसद महिलाएं रहीं बाजार में

लार्डगंज, गंजीपुरा, बड़ाफुहारा, गोरखपुर, आधारताल, माढ़ोताल, गढ़ा, रांझी और सदर जैसे इलाकों में रक्षाबंधन की खरीददारी के लिए भारी भीड़ उमड़ी। भीड़ का लगभग 70 फीसद हिस्सा महिलाओं का था, जिसे देखते हुए महिला पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई थी।

अधिकारियों ने खुद किया बाजार का निरीक्षण

सीएसपी, एएसपी और थाना प्रभारियों ने शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक लगातार बाजार क्षेत्रों में गश्त की। ग्रामीण बाजारों को भी शहर के बाजारों जितनी ही प्राथमिकता दी गई और वहां भी चौकसी बढ़ाई गई। इस बार पुलिस ने अपराध होने के इंतजार में समय गंवाने की बजाय पहले से सक्रिय रहकर संभावित अपराधों को रोका। त्योहार के चलते बाजारों में जितनी भीड़ थी, उतनी ही मुस्तैदी भी दिखी। यही वजह रही कि रक्षाबंधन की पूर्व संध्या शांति से बीती।

कजलियां, जन्माष्टमी तक जारी रहेगी मुस्तैदी

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह चौकसी केवल रक्षाबंधन तक सीमित नहीं रहेगी। कजलियां और जन्माष्टमी के बाजारों में भी पुलिस की पैनी नजर बनी रहेगी। पुलिस महकमा इसे दीर्घकालीन व्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक प्रयोग मान रहा है।

बोलेरो से मशीनों पर किया हाथ साफ

जबलपुर। गोहलपुर थानांतर्गत एक बोलेरो वाहन की सीट पर रखी करीब 10 हजार रुपए की मशीनों पर किसी चोर ने हाथ साफ कर दिया। पुलिस के अुनसार इस मामले में रिलायंस कंपनी के असिस्टेंट स्पलायसर नेता कॉलोनी अधारताल निवासी 42 वर्षीय सतीश काछी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। सतीश ने पुलिसव को बताया कि 29 जुलाई की रात करीब 12 बजकर 10 मिनट से सुबह साढ़े 6 बजे के बीच गोहलपुर चौराहे पर अंडर ग्राउंड फाइबर केबिल का सुधार कार्य चल रहा था। रिलायंस की लाईन फाईबर कट होने के कारण सुधार कार्य हेतु स्पलाईसर नवीन विश्वकर्मा, सीआई हरवंश सिंह एवं 2 हेल्पर अण्डर ग्राउण्ड कार्य कर रहे थे। इसी दौरान बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 19 जेड जी 2304 की बीच वाली सीट में रखी करीब 10 हजार रुपए की 3 मशीनें पर किसी चोर ने हाथ साफ कर दिया। रिपोर्ट पर धारा 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

महिला ने फांसी लगाई

जबलपुर। गोराबाजार थानांतर्गत एक 40 वषीय महिला ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मृतका के पुत्र सामुदायिक भवन के पास तिलहरी निवासी 22 वर्षीय आशीष ठाकुर ने दी। आशीष ने पुलिस को बताया कि 31 जुलाई की रात करीब 10 बजे वह खाना खाकर सो गया था। रात लगभग 2 बजे उठकर देखा तो उसकी माँ घर के सीलिंग फेन से चुन्नी का फंदा बनाकर फांसी पर लटकी हुई थीं। आशीष ने जल्दी से चाकू से फंदा काटकर फंदा खोलकर अपनी माँ को पलंग में लिटा दिया लेकिन तब तक उसकी मां 40 वर्षीय श्रीमती रानी ठाकुर की साँसे थम चुकी थीं। आशीष ने बताया कि उसकी मां रानी ठाकुर शराब पीने की आदि थीं, ऐसा प्रतीत होता है कि शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया गया।

रक्षाबंधन पर महापौर अन्नू का तोहफ़ाः महिलाओं को मिली मुफ्त मेट्रो सेवा

रक्षाबंधन पर महापौर की अनूठी सौगात

जबलपुर। मैं आप सभी माताओं, बहनों को प्रणाम करता हूँ, आपका भाई आपके साथ है। यह कहते हुए आज मुख्य रेलवे स्टेशन पर उपस्थित माताओं, बहनों के साथ महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू' ने निगम अध्यक्ष रिंकू विज,एम आई सी सदस्यों और पार्षद दल के साथ मुख्य रेलवे स्टेशन से मदन महल तक यात्रा की। इस अवसर पर महापौर अन्नू, निगम अध्यक्ष रिंकू विज और उपस्थित एम. आई. सी. सदस्यों और पार्षदों ने माताओं, बहनों से राखी बंधवा कर उनका आशीर्वाद लिया। विदित हो कि रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने एक दिन पूर्व भी घोषणा कर दी थी कि रक्षाबंधन के इस महान पर्व पर सभी माताओं,

महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने निभाया भाई का फर्ज, बहनों को दी मुफ्त यात्रा की सौगात

बहनों के लिए मेट्रो बस निःशुल्क चलेगी और किसी भी माताओं, बहनों को किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं होने दी जाएगी। सभी के साथ यात्रा करते हुए फिर से एक बार महापौर अन्नू ने कहा कि आपकी हर सुख दुख में हम सदैव आपके साथ रहेंगे आप सभी माताएं बहने हम सब पर अपना आशीर्वाद ऐसे ही बनाए रखना। इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य डॉं. सुभाष तिवारी, विवेकराम सोनकर,दामोदर सोनी, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, पार्षदगण, माताएं, बहने आदि उपस्थित रहे।

2 सटोरिये गिरफ्तार

जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत एकता चौक के पास सट्टा पट्टी लिख रहे दो सटोरियों को क्राईम ब्रांच की टीम ने धर दबोचा। सटोरियों के पाससे 7 हजार 120 रूपये जप्त किये गये है। गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्बिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच और गढ़ा पुलिस की टीम ने एकता चौक के पास सट्टा पट्टी लिख दीपक विश्वकर्मा और विमल सिंह को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से सटटा पट्टी और नगद रकम जप्त की गई। आरोपियों के खिलाफ उम्र 50 व्रश निवासी दुर्गा नगर एकता चैक गढा बताया जिसके कब्जे से 4 नग सट्टा पट्टी, नगदी 2 हजार 550 रूपये जप्त किये गये। आरोपियों के विरूद्ध धारा 4(क), सट्टा एक्ट तथा 49 बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई।

हिस्ट्रीशीटर रज्जाक के 40 हजार के इनामी गुर्गे शेखू ने रिमांड में किया बड़ा खुलासा

फरार आरोपियों व नेटवर्क में मिली बढ़त, घर से पिस्टल बरामद

हरिभूमि, जबलपुर।

कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक गैंग के 40 हजार रुपये के इनामी गुर्गे शेखू उर्फ अब्दुल सईद की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। ओमती पुलिस ने रिमांड अवधि में उसके घर की तलाशी ली, जहां से एक पिस्टल बरामद की गई। रिमांड पूरी होने के बाद शेखू को आज न्यायालय में पेश किया जाएगा।

हरिभूमि फॉलोअप

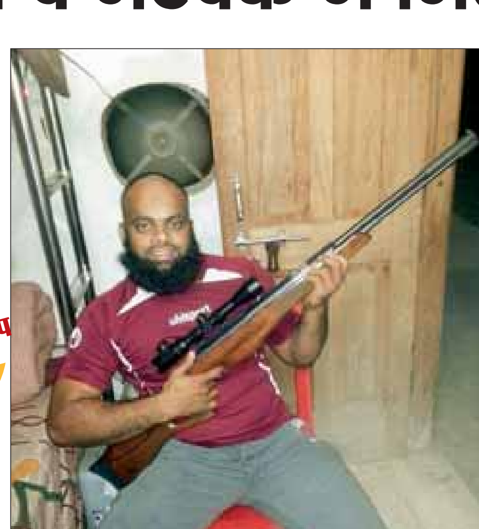

आठ गंभीर प्रकरणों में चल रहा था फरार

44 वर्षीय शेखू, निवासी नया मोहल्ला ओमती के खिलाफ बलवा, हत्या प्रयास, धमकी, जातिगत अपमान और संपत्ति कब्जा जैसे आठ गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार था और शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर उस समय पकड़ा गया, जब वह घर में मूवी देख रहा था।

नेटवर्क और कारोबार पर बड़ी जानकारी

रिमांड पूछताछ में शेखू ने फरार चल रहे गैंग के अन्य सदस्यों के ठिकानों, उनके कारोबार और उन्हें मदद पहुंचाने वालों के बारे में अहम जानकारियां दी हैं। पुलिस का मानना है कि इन खुलासों के आधार पर गैंग के बाकी सदस्यों तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

गैंग पर लगातार कार्यवाही जारी

पिछले एक महीने में पुलिस ने रज्जाक गैंग के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया है। 10 जुलाई को सरफराज, मोह. महमूद (रज्जाक का भाई), अजहर (भतीजा) और मोह. सज्जाद को लग्जरी कार और हथियारों के साथ पकड़ा गया था। इसके अलावा 18 हजार का इनामी दिलीप चौधरी, 15 हजार का रविंद्र पटेल, 25 हजार का शाहिद अली उर्फ वालिया और 10 हजार का मोह. जमील भी सलाखों के पीछे भेजे गए हैं।

छात्रावास में मनाया रक्षाबंधन

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर मनदीप शर्मा ने रक्षाबंधन का पर्व वेटरनरी कॉलेज स्थित कन्या छात्रावास में पहुंचकर मनाया। वहां उपस्थित छात्राओं ने कुलपति की कलाई पर प्रफुल्लित हो रक्षा सूत्र बांधा तथा मंगल कामनाएं की। इस अवसर पर प्रभारी अधिष्ठाता डॉ राखी वैश्य, हॉस्टल वार्डन डॉ निधि गुप्ता तथा सहायक कुल सचिव डॉ रामकिंकर मिश्र उपस्थित रहे।

उत्साह और उमंग से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

बहनों ने सजाई रक्षासूत्र से भाईयों की कलाई

जबलपुर। भाई-बहन के पवित्र स्नेह और अटूट रिश्ते का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन उत्साह और उमंग के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या से ही त्यौहार की रौनक दिखाई देने लगी थी। बाजारों में चहल-पहल रही। त्यौहार में सब को अपने-अपने घर जाने या बहनों के घर जाने की जल्दी थी। यात्री बसों व ट्रेनों में यात्रियों का काफी दबाव रहा। रक्षाबंधन की सुबह से ही राखी की चहल पहल नजर आने लगी थी। नये-नये परिधानों में सजे धजे भाई बहन एक दूसरे के घरों के लिये निकल पड़े थे। वहीं राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के लोगों ने ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय, राजकुमारी बाई अनाथालय, वृद्धाश्रम और सेंट्रल जेल में जाकर समाज से उपेक्षित लोगों के बीच रक्षाबंधन पर्व की खुशियां बांटी। एक तरफ जहां खरीददारी के लिये मेवा मिष्ठानों और राखी रूमालों की दुकानों पर भीड़ रही, वहीं सेंट्रल जेल में निरुद्ध कैदियों के लिये दूर-दूर से आयी उनकी बहनें घंटों प्रतीक्षा के बाद कैदी भाईयों को रक्षा सूत्र बांध सकीं। इस बार जेल प्रबंधन ने ही राखी किट की व्यवस्था की थी, जो 50 रुपए में उपलब्ध थी। बाहर से लाई गई राखी और मिठाई प्रतिबंधित किया गया था। दरअसल राखी की आड़ में जेल में अन्य सामान पहुंचने के कारण यह व्यवस्था की गई थी। रक्षाबंधन पर्व को लेकर पौराणिक और राजकाज से जुड़ी सामाजिक मान्यताएं भी इतिहास में मिलती हैं। अनादिकाल से रक्षा पर्व मनाया जा रहा है। रक्षाबंधन पर्व पर बहनें अपने भाइयों की कलाईयों में रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घायु होने की कामना करती हैं। वहीं भाई बदले में बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। इसी परंपरा का निर्वाह करते हुए बहनों ने भाई के माथे पर मंगल तिलक लगाया। उनकी आरती उतारी और हाथ की कलाई में रक्षा सूत्र बांधा। सुबह से शुरू हुआ सिलसिला देर रात तक चलता रहा। राखी के त्यौहार पर भी महंगाई की मार रही, पर उत्साह और उमंग के बीच लोगों ने त्योहार की परंपरा का निर्वाह किया।

सेंट्रल जेल में लगा बहनों का मेला

नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय कारागार (सेंट्रल जेल) में निरुद्ध कैदियों को रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिये बहनों का मेला लगा रहा। जेल प्रशासन ने रक्षाबंधन पर्व पर विशेष व्यवस्था की थी। लेकिन डेढ़ हजार से अधिक बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी और उनसे अपराध से दूर रहने का वचन लिया। सेंट्रल जेल में सुबह से ही बहनों का मेला लगा था, जेल प्रशासन ने सुबह से समय निर्धारित किया था। जेल मैदान में व्यवस्थाएं की गईं थीं। बाहर से कोई भी खाद्य सामग्री लाने की मनाही थी, लिहाजा जेल कैंटीन में ही निर्मित मिठाई के साथ राखी किट उपलब्ध कराई गई थी। बहनों ने मेवा मिष्ठान खरीदा और भाई का मुंह मीठा कराया।

बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर लिया रक्षा का संकल्प

सिहोरा। भाई-बहन की अटूट प्रेम और स्नेह का महापर्व रक्षा बंधन शनिवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर सुख,शांति,समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की। मंगल टीका आरती के साथ ही मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। भाईयों ने भी बहनों को उपहार दिये। खासकर छोटी बच्चियों में उत्साह के कई रंग दिखे। दोपहर से देर शाम तक राखी बांधने और बंधवाने का दौर जारी रहा। परदेस से भाई अपने घर लौटते रहे और राखी बंधवाते रहे।

बाजारों में रही सुबह से शाम तक चहल-पहल रही

शनिवार को भी झण्डा बाजार सहित प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में खरीददारों की भीड़ बनी रही। सुबह के समय ही बाजार में बहने राखी खरीदने पहुंच गई थी। जिन बहनों ने पहले राखियां और कपड़े,मिठाइयां नहीं खरीदी थीं उन्होंने राखी के दिन बाजार में पहुंचकर पहले खरीदी की और फिर रक्षा बंधन मनाने के लिए रवाना हुई। रात 8 बजे तक भी बाजार में खासी भीड़ देखी गई।

दिनभर यात्री होते रहे परेशान

बहनों के घर जाने वालों की शनिवार को भी काफी भीड़ रही। हालत यह थे कि यात्री वाहनों में पैर रखने की जगह नहीं मिल रही थी। इस कारण लोगों को वाहनों का काफी इंतजार करना पड़ रहा था यही हालत ट्रेनों की भी थी लोग किसी तरह गाड़ियों में चढ़ने की मशक्कत कर रहे थे। कई लोगों को बसों और ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा।

यश नर्सरी स्कूल में अंतर सदन खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

जबलपुर। यश नर्सरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर में आयोजित अंतर सदन खेल प्रतियोगिता 2025 का समापन गुरुवार को उत्साह, उमंग और उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित इस वार्षिक खेल महोत्सव में विद्यार्थियों ने साहस, अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण खेल भावना से सराबोर रहा। प्रतियोगिता में नेटबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, रोप स्किपिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी और योग जैसी विधाओं में प्रतिभागियों ने दमदार प्रदर्शन किया। कई छात्रों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए भी हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कारधानी बैडमिंटन एसोसिएशन अध्यक्ष लोकनाथ तिवारी रहे। इस आयोजन की सफलता का श्रेय विद्यालय के प्रेरणास्त्रोत एवं मार्गदर्शक संस्था संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी को जाता है, जिनकी दूरदृष्टि और सतत प्रोत्साहन ने प्रतियोगिता को नई ऊँचाई प्रदान की। प्राचार्य सोनल तिवारी के नेतृत्व, प्रबंधन और उत्साहवर्धन ने पूरे आयोजन को सशक्त दिशा दी, वहीं संकाय समन्वयक अतुल श्रीवास्तव एवं श्रेया तिवारी ने योजना, समन्वय और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीएड प्रशिक्षणार्थियों को दी विदाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि शासकीय माध्यमिक शाला पश्चिमी करिया पाथर में बीएड प्रशिक्षणार्थियों को उनकी टीचिंग समाप्ति के पश्चात विदाई दी गई। संगठन ने बताया कि रेवा बीएड कॉलेज महाकौशल नगर आधारताल के छात्र- छात्राओं ने प्रशिक्षणार्थी के रूप में शाला में आकर पंद्रह दिनों तक अध्यापन कार्य किया, इस दौरान शिक्षकों से आदर्श टीचिंग सीखने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया। साथ ही बच्चों को पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ पढ़ाया, यही वजह रही की शालेय परिवार की ओर से सभी बीएड प्रशिक्षणार्थियों को भावभीनी विदाई के साथ ही शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर छाया जैन, रॉबर्ट मार्टिन, हरीशचन्द्र वर्मा, मोनिका सोनी, राम शंकर श्रृंगी, पद्मा मालवीय, अरुणा पांडेय, मंजुलता सोनी, अमिता केसरवानी, पूजा सोनकर, शबनम कुरैशी, दीपिका, अंजुलता सिंग, शीतल कुशवाहा, मोनिका आरती, राधिका, शशि, जीत, अंजली, सरोज खेमा, शंकरी रूचि आदि उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ जबलपुर के तत्वावधान में 09 अगस्त को राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह गोंडवाना चौक जबलपुर में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस सामाजिक संगठनों की विभिन्न अंचलों से रैलियों का गोंडवाना चौक पर आगमन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए आदिवासियों से एकजुट होने का आह्वान किया तथा सरकार से अनुरोध किया कि देश और मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति जनजातियों पर लगातार हो रहा है अत्याचार को रोकने का समुचित प्रयास किया जाए। कार्यक्रम में संरक्षक नन्हेलाल धुर्वे पूर्व विधायक, संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी, जिला अध्यक्ष नेम सिंह मरकाम, महासचिव उत्तम सिंह मरकाम, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अजय झारिया, एड. बालकिशन चौधरी, रविदास समाज संघ से राजेन्द्र चौधरी, मनोज मासाब, दिशा इनवाती, दिशा इनवाती, नोखेलाल बरकड़े, कोमल कोर्चे, आदि उपस्थित हुए।

रक्षा सूत्र बंधवाकर आदिवासी बहनों का आशीर्वाद लिया

जबलपुर। जगतगुरु सुखानंद द्वाराचार स्वामी राघव देवाचार्य महाराज के आशीर्वाद एवं सदप्रेरणा से प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अवधेश यादव भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने रक्षाबंधन पर्व ग्रामीण अंचल में निवासरत सर्व समाज एवं ओबीसी आदिवासी बहनों का आशीर्वाद लेते हुए अपने हाथों में रेशम की डोर कलाई में बंधवाकर उनके सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लिया। ग्रामीण अंचल ग्राम घाना पनागर विधानसभा क्षेत्र ग्राम पंचायत के सरपंच, वरिष्ठजन एवं लगभग 501 मातृशक्ति का सम्मान कर सभी मातृशक्ति को नए वस्त्र साड़ी, फलफूल, मिष्ठान समर्पित करते हुए आशीर्वाद लिया।

विशाल इनामी दंगल आज

बरेला। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी दुबे उस्ताद की परंपरा अनुसार कजलिया के पावन पर्व में नगर में खलीफा स्वर्गीय श्री दीना केवट जी की स्मृति में विशाल इनामी दंगल आज दिन रविवार को थाने के सामने आयोजित किया जा रहा है। आयोजक बजरंग व्यायाम शाला के सोनू सोनकर, अन्नू उपाध्याय, महेश चक्रवर्ती, रजनीश दुबे ने समस्त कुश्ती प्रेमियों पहलवानों एवं खलीफा से पहुंचने की अपील की।

15 को निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

सिहोरा। आशा जनसेवा समिति धनगंवा द्वारा स्व श्रीमती आशा असाटी की पुण्य स्मृति पर 15 अगस्त को विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर एवं रक्तदाताओ का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन मझौली के शासकीय अस्पताल में किया गया है। जिसका लाभ लेने की अपील समिति के अध्यक्ष विनय असाटी ने की है।

महिलाओं और बच्चों की होंगी बड़ी संख्या में भागीदारी

समरसता सेवा संगठन का कजलिया मिलन समारोह आज

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन द्वारा इस तीसरे वर्ष में आपसी सद्भाव और समरसता के प्रतीक कजलियां महापर्व का आयोजन हनुमानताल में होगा जिसमें हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिलाओं की भागीदारी बड़ी संख्या में होंगी एवं पुरे उत्साह के साथ महिलाये एवं बच्चे कज़ालिया महोत्सव में शामिल होंगे यह बात समरसता सेवा संगठन के द्वारा आयोजित महिलाओ की बैठक में समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने होटल अग्रोहा में कही। श्री जैन ने बैठक में कहा कजलियां पर्व के मूल उद्देश्य को साकार करने का बीड़ा 'समरसता सेवा संगठन ने उठाया है। संगठन का तीसरा कजलियां महा महोत्सव का आयोजन इस बार भी आगामी 10 अगस्त को अपरान्ह 2 बजे से 6 बजे तक हनुमानताल में होने जा रहा है। अध्यक्ष श्री जैन ने कहा आयोजन में कजलियों की पारंपरिकता के साथ ही साहित्यिक और सांस्कृतिक छटा भी रहेगी । इस अवसर पर 'सनातन संस्कृति में समरसता के प्रतीक पर्व कजलियों का महत्व विषय पर तीन वर्गों , माधमिक , उच्चतर माध्यमिक और महाविद्यालयीन वर्गों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। इसके साथ ही 12 बर्ष तक के बच्चों के लिए विविध वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। महिलाओं की सहभागिता के लिए भी पूजा की थाली सजाओ और हस्त निर्मित राखी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। वहीं जायकेदार व्यंजनों का लुत्फ भी रहेगा। बैठक का संचालन सचिव उज्जवल पचौरी ने किया। बैठक में श्रीमती देवेश्वरी मोदी, किशोरी साक्षी दीदी, श्वेता सिंह, सारिका सेठ, सुधा तिवारी, दीपमाला सोनकर, श्वेता पचौरी, नीता जैन, रोशनी बबेले, रितु चौरसिया, प्रीति ताम्रकार, प्रीति गुप्ता, आभा जैन, दीपा खरया, सरिता गुप्ता, डॉ गीता पाण्डेय, कविता त्रिपाठी, मंजू तिवारी, डॉ समता तिवारी, आदि बड़ी संख्या में मातृ शक्ति ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की।

श्री चंद्रभान जगवानी- पंचशील नगर नर्मदा रोड निवासी श्री चंद्रभान जगवानी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा विश्वकर्मा- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री श्याम लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती आशा विश्वकर्मा (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सरला नायडू- मानव लोक सोसायटी शक्ति नगर निवासी श्री पीके नायडू की धर्मपत्नी श्रीमती सरला नायडू (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोविंद सिंह चौहान- छोटी ओमती निवासी श्री चैन सिंह चौहान के पुत्र श्री गोविंद सिंह चौहान (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री समर कुमार बैनर्जी- राजुल पेराडाइज बिलहरी निवासी श्री समर कुमार बैनर्जी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विपिन सिंह- प्रोफेसर कॉलोनी सुहागी निवासी श्री त्रिलोकी सिंह के पुत्र श्री विपिन सिंह (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री ब्रजेंद्र सिंह- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री ब्रजेंद्र सिंह का निधन हो गया।

अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वेद प्रकाश ठाकुर- रामपुर छापर टेंडर 1 निवासी श्री वेद प्रकाश ठाकुर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री आकाश सिंह ठाकुर- लालमाटी सिंगल क्वाटर निवासी श्री अशोक कुमार ठाकुर के पुत्र श्री आकाश सिंह ठाकुर (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा बाई दुबे- मप्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर निवासी श्री सुंदर लाल दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती आशा बाई दुबे (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री गोरखनाथ चौबे- डीडी कॉलोनी मानेगांव रांझी निवासी श्री गोरखनाथ चौबे (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विष्णु प्रसाद चौबे- नरघैया निवासी श्री विष्णु प्रसाद चौबे (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री प्रशांत मोहंती- संचार नगर दीनदयाल चौक के पास निवासी श्री प्रशांत मोहंती (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362160

संस्कारधानी में घर-घर हुआ भव्य संकीर्तन

श्रावणमास अनुष्ठान का सोल्लास पूर्वक व धूमधाम से हुआ विश्राम

जबलपुर। चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम के द्वारा श्रावणमास आयोजित घर घर संकीर्तन अनुष्ठान का अंतिम दिवस विश्राम हुआ। मूर्ति महावीर ट्रस्ट के सौजन्य से श्रीराम हनुमान मंदिर शास्त्री ब्रिज में संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे के सानिध्य में घंटा शंख मृदंग की सुमधुर संकीर्तन धुन पर भक्तजन भाव विभोर होकर खूब थिरके।संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया 30 दिवसीय प्रातःसंकीर्तन माला का आयोजन पूर्ण आस्था श्रद्धा और मंगल आरती के साथ श्रावण महोत्सव संकीर्तन सोल्लास पूर्वक धूमधाम से संपन्न हुआ। संकीर्तन मंडल द्वारा नियमित समर्पित भक्तजनों का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया, साथ ही मूर्ति महावीर ट्रस्ट एवं मंडल द्वारा इस भक्तिमय कार्यक्रम को गरिमामय बनाने के लिए सूत्रधार देवेंद्र नेमा को माता की चुनरी उढ़ाकर सम्मानित कर सभी ने शुभकामनाएं बधाई दी। इस अवसर पर नीतू-सुधीर, रुचि जेठा, गीता शर्मा, सरिता नेमा, संजू-योगेश गुप्ता, कृष्णा नामदेव, मुकेश मालवीय, हरी जेठा, घनश्याम गुप्ता, सत्य प्रकाश नामदेव, प्रभाकर चतुर्वेदी, प्रवीण गुप्ता, अवधेश खरे, विशाल पंड्या, राजेंद्र कसेरा, रज्जू सोनी, अमित विश्नोई, पप्पू चौबे, मनोज विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

भारत ने सैन्य क्षेत्र में दिखाई अपनी ताकत, दर्ज की ऐतिहासिक उपलब्धि

पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा

सालाना रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर डेढ़ लाख करोड़ को पार कर गया

रक्षा मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह 2023-24 में दर्ज 1.27 लाख करोड़ रुपए से 18% और 2019-20 में दर्ज 79,071 करोड़ रुपए की तुलना में 90% की वृद्धि हुई है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व में मची उथल-पुथल और पड़ोसी देशों से तनाव के बीच भारत ने अपनी धमक फिर से दिखाई है। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर बताया कि भारत का सालाना रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ के ऊपर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, यह 2023-24 में दर्ज 1.27 लाख करोड़ रुपए से 18% और 2019-20 में दर्ज 79,071 करोड़ रुपए की तुलना में 90% की वृद्धि हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है।

2019-20 की तुलना में 90% की आश्चर्यजनक वृद्धि

रक्षा निर्यात 2024-25 में बढ़कर 23,622

सार्वजनिक क्षेत्र का योगदान 77%

राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं ने कुल उत्पादन में लगभग 77% का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23% रहा। यह सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के नीतिगत सुधारों, व्यापार को आसान बनाने के प्रयासों और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशीकरण पर ध्यान केंद्रित करने से संभव हो सका है। इस पहल का उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना है।

एक दशक में 30 गुना बढ़ा रक्षा निर्यात

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, पिछले एक दशक में भारत का रक्षा निर्यात लगभग 30 गुना बढ़ गया है। 2013-14 में जो रक्षा निर्यात 686 करोड़ रुपए था वो 2024-25 में बढ़कर 23,622 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। पिछले एक दशक में भारत ने 88 हजार 319 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात किए, जबकि 2004 से 2014 के बीच ये आंकड़ा 4 हजार 312 करोड़ रुपए था।

भारत बना आत्मनिर्भरः रिपोर्ट

हाल ही में आई स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत अब रक्षा उपकरणों में आत्मनिर्भर बनने के साथ ही उन्हें निर्यात करने वाला एक उभरता वैश्विक खिलाड़ी बन चुका है। 2014 से 2024 तक भारत के रक्षा आयात में 34% की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जबकि रक्षा निर्यात में 700% से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत हथियारों के मामले में बहुत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

सामूहिक प्रयासों से मिली सफलता

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में इस उपलब्धि को हासिल करने में रक्षा उत्पादन विभाग और सभी हितधारकों, जिनमें रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक इकाइयां और निजी उद्योग शामिल हैं। उन्होंने 'सामूहिक प्रयासों' की सराहना की, और इसे 'ऐतिहासिक उपलब्धि' बताया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बढ़ती हुई प्रगति भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत है।

उत्तराखंड में आपदा | भूस्खलन और बारिश के चलते राज्य में 266 मार्ग बंद, 173 ही खुल सके

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड राज्य में भूस्खलन और बारिश के चलते मार्ग लगातार बंद हो रहे हैं। शुक्रवार को प्रदेश में 150 मार्ग बंद हो गए। गुरुवार को भी 116 रास्ते बंद थे। ऐसे में बंद मार्गों की संख्या 266 तक पहुंच गई। लोक निर्माण विभाग की टीम शुक्रवार शाम पांच बजे तक 173 मार्ग खोलने में सफल हो सकी है। अभी भी 93 मार्ग बंद हैं। इसमें दो राष्ट्रीय राजमार्ग (पौड़ी व देहरादून जिला), सात राज्यमार्ग (देहरादून तीन, पौड़ी-टिहरी एक- एक, नैनीताल दो), सात मुख्य जिला मार्ग, दो अन्य जिला मार्ग और 75 ग्रामीण मार्ग शामिल हैं। लोनिवि ने बंद रास्तों को खोलने के लिए 514 मशीनों को अलग- अलग जगहों पर तैनात किया हुआ है।

धराली में लोगों को तलाशना चुनौती

धराली हादसे के मलबे में कई फीट नीचे दबे लोगों को तलाशना बड़ी चुनौती बन गया है। मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए कुछ अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग हो रहा है। इनमें थर्मल इमेजिंग कैमरा, रडार आदि शामिल हैं। ये सब तकनीकें जीवित लोगों को तलाशने में कारगर साबित होती हैं। मसलन थर्मल इमेजिंग कैमरा शरीर की गर्मी का पता लगाकर तस्वीरें बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि 15 से 20 फीट नीचे मलबे में दबे लोगों को तलाशने में तकनीक भी ज्यादा कारगर साबित नहीं होगी।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2025-2026
खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूनियर विज्ञान में

इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को **22 और 23 नवंबर, 2025** को **भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (IAPT)** द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय मानक परीक्षाओं (NSE)** (विज्ञान विषयों के लिए) में शामिल होना होगा।

NSE में योग्यता प्राप्त करना संबंधित **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड 2026** में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।

नामांकन के लिए:
NSEs: https://www.iapt.org.in
(21 अगस्त – 14 सितंबर, 2025)
अधिक जानकारी के लिए: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in

CBC 48143/12/0005/2526

अधीक्षक जिला जेल सिवनी म.प्र.
jscjsni@mp.gov.in\ jailsuperitendentseoni@gmail.com, Teli.Ph.N. 07692-228065, Fax N. 07692-225114
क्रमांक- /निर्वाह /2025 सिवनी, दिनांक

ई-टेण्डरिंग निविदा वित्तीय वर्ष 2025 2026
mptenders.gov.in के माध्यम से ई-निविदा सूचना (तृतीय आमंत्रण)

जेल मुख्यालय भोपाल का पत्र क्रमांक / 18516 / निर्वाह शाखा / 2025 दिनांक 04.08.2025 के द्वारा वर्ष 2025 2026 में स्वच्छता सामग्री की पूर्ति हेतु निविदा विज्ञाप्ति का प्रकाशन किया जाता है। जिला जेल सिवनी की ई – निविदा जेल अधीक्षक जिला जेल, सिवनी में दिये गये निदेर्शानुसार mptenders.gov.in पर परिरूद्ध बंदियों हेतु दिनांक 01. 09.2025 को शाम 05 :30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा का कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है ।

विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
ऑनलाईन निविदा प्रकाशन	11.08.2025	जेल अधीक्षक जिला जेल सिवनी
प्रिबिड मीटिंग	20.08.2025	जेल अधीक्षक जिला जेल सिवनी
निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि निविदा फार्म की कीमत रू. 1000/- समय प्रति फार्म एवं ठेके की लागत 5 लाख तक तक 500/- प्रति फार्म राशि ऑनलाईन शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तियों में जमा किया जावेगा ।	01.09.2025 को समय 11:30 बजे तक	mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	01.09.2025 को सांयकाल 05:30 बजे तक	mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) एवं नमूनों की गुणवत्ता परीक्षण	03.09.2025 को प्रात: 11:30 बजे तक	जिला जेल, सिवनी
नमूनों की गुणवत्ता परीक्षण बाद वित्तीय निविदा ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि	04.09.2025 को दोपहर 12:30 बजे तक	जिला जेल, सिवनी

G-17011/25 दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है। जेल अधीक्षक जिला जेल, सिवनी (म.प्र.)

यूएन महासचिव ने जताई चिंता, कहा इजराइल के गाजा पर कब्जे से फिलिस्तीनियों को बड़ा खतरा

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

इजराइल के गाजा पर कब्जे के फैसले पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर इजराइल गाजा पर कब्जा कर लेता है तो फिलिस्तीनियों के लिए खतरा बढ़ जाएगा। गाजा में फिलिस्तीनी भयावह मानवीय आपदा झेल रहे हैं। अब अगर गाजा इजराइल पर कब्जा करता है तो जबरन विस्थापन, हत्याएं और व्यापक विनाश होगा। इससे गाजा में फिलिस्तीनी आबादी की अकल्पनीय पीड़ा और बढ़ जाएगी। उन्होंने स्थायी युद्धविराम, गाजा में निर्बाध मानवीय पहुंच और सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की अपनी अपील दोहराई।

महासचिव ने एक बार फिर इजराइल सरकार से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने के लिए कहा। इजराइल सुरक्षा परिषद के गाजा पर कब्जा करने के फैसले की आलोचना को लेकर इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाब दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि हम गाजा पर कब्जा नहीं करेंगे। बल्कि उसे हमास से आजाद कराएंगे।

मुंबई एयरपोर्ट पर डाटा नेटवर्क ठप, कई उड़ानों में देरी, लोग परेशान

मुंबई। शनिवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मुंबई एयरपोर्ट पर डेटा नेटवर्क खराब होने की वजह से उड़ानों में देरी हुई और दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी बारिश की वजह से हवाई यातायात प्रभावित हुआ। एयर इंडिया ने बताया कि शनिवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट के चेक-इन सिस्टम को चलाने वाला डेटा नेटवर्क अचानक ठप हो गया। यह नेटवर्क एक थर्ड-पार्टी कंपनी का था और इसमें आई खराबी की वजह से एयरलाइनों की उड़ानों में देरी हुई। हालांकि, तकनीकी टीम ने नेटवर्क को ठीक कर दिया है, लेकिन एयर इंडिया ने कहा कि स्थिति सामान्य होने में अभी कुछ समय लग सकता है। एयर इंडिया ने यात्रियों से अपील की है कि वे लगातार अपनी फ्लाइट की स्थिति की जानकारी लेते रहें ताकि असुविधा से बचा जा सके।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड कटनी
Email :- mp.eephedkat@gmail.com Phone no. 07622-225752
क्रमांक 2929/का.यं./निप्रको./लो.स्वा.यां.परि.खण्ड/2025 कटनी, दिनांक 07.08.2025
निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 30/25-26

ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल *http://www.mptender.gov.in* पर जिले के विजयराघवगढ़ विकासखंड के कुआं ग्राम में पुनरीक्षित जल जीवन मिशन के अंतर्गत शेष कार्य पंप हाउस / सम्पवेल निर्माण, पाईप लाईन बिछाने का कार्य, घर घर कनेक्शन, अन्य कार्य एवं योजना का 90 दिन ट्रायलरन सफल संचालन - संधारण के कार्य हेतु निम्नानुसार निविदा म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत फर्मो से आमंत्रित है।

निविदा क्रमांक	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का विवरण	निविदा की लागत लाख में	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की समय अवधि
30/25-26	2025_PHED _442977	ग्राम खरखरी एंव नन्हवाराकलां विकासखंड विजयराघवगढ में पुनरीक्षित जलजीवन मिशन अंतर्गत नलजल योजना का शेष कार्य	69.95	69950	10000	4 माह

ऑन लाईन निविदा क्रय एवं बिड की तिथी-21.08.2025 18.00 बजे ऑन लाईन निविदा दर खोलने की तिथी - 22.08.2025 18.05 बजे

निविदा फार्म ऊपर दर्शित बेबसाईट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते है । निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई बेबसाईट पर देखे ।

G-17000/25 कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड कटनी, फोन नं. -07622-225752

खबर संक्षेप

अमेरिकी सेना को देश में घुसने नहीं देंगेः शिनबाम

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि वे अपने देश में अमेरिकी सेना का घुसना स्वीकार नहीं करेंगी। अमेरिकी सेना मैक्सिको नहीं आएगी। यह किसी समझौते का हिस्सा नहीं है और पहले भी जब यह मुद्दा उठा, उन्होंने हमेशा 'नहीं' कहा है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने पेंटागन को मैक्सिको के उन ड्रग कार्टेल्स पर कार्रवाई का आदेश दिया है जिन्हें अमेरिका आतंकवादी संगठन मानता है। शिनबाम ने कहा कि अगर पेंटागन मैक्सिको या आसपास के देशों में सेना भेजने की योजना बनाता है, तो यह दोनों देशों के रिश्तों को और बिगाड़ सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर में गोलीबारी, 3 घायल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में शनिवार रात गोलीबारी हुई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस के मुताबिक, यह घटना रात करीब 1:20 बजे वेस्ट 44वीं स्ट्रीट और सेवेंथ एवेन्यू पर हुई। यह इलाका दुनिया के सबसे मशहूर पर्यटन स्थलों में से एक है। घायल लोगों में एक 19 वर्षीय और एक 65 वर्षीय पुरुष शामिल हैं, दोनों को पैरों में गोली लगी है। एक 18 वर्षीय महिला की गर्दन पर खरोंच का घाव है।

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
क्रमांक / 4338/ भू-अर्जन/2025 **प्रारंभिक अधिसूचना** सिवनी दिनांक 04/08/2025

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि, इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (14) में उल्लेखित वर्णित भूमि की भैसनवाही जलाशय परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अत: भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार एतद् द्वारा सभी संबंधित हितबद्ध व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि, राज्य शासन इसके द्वारा कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग क्रमांक 1 सिवनी जिला सिवनी को संबंधित भूमि के संबंध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 12 मे दी गई शक्तियों के प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है । अर्जित की जाने वाली प्रस्तावित भूमि के संबंध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 6 के अंतर्गत सिचाई परियोजनाओं की बाबत जहां तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधो के अधीन पर्यावरणीय समाघात निर्धारण की प्रक्रिया की अपेक्षा की जाती है, इस अधिनियम के सामाजिक समाघात निर्धारण उपबंध लागू नहीं होगे । उपरोक्त के संबंध में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार भोपाल द्वारा दिनांक 17/04/2015 को स्वीकृति प्रदान की गई है। अत: अधिनियम की धारा 11 (3) के अंतर्गत सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश प्रकाशित नही किया जा रहा है। अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण निम्नानुसार है :-

1- ग्राम का नाम :- जामुनपानी, प.ह.नं.- 100, रा.नि.मं. :- लखनादौन, तहसील - लखनादौन, जिला - सिवनी 2 अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि का क्षेत्रफल - 6.38 हेक्टेयर

स. क्र.	सर्वेक्षण संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्र. (हे. मे)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाऐं: उत्तर	सीमाऐं: दक्षिण	सीमाऐं: पूर्व	सीमाऐं: पश्चिम	वृक्ष: प्रगति किस्म	वृक्ष: संख्या	संरचनाऐं: प्रकार	संरचनाऐं: प्लिथ एरिया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	324	भूमिस्वामी	कृषि	1.07	लमिया बेवा रामचरन झनकू पिता रामचरन जाति गोंड निवासी मुड़ापार भूमिस्वामी	ख.नं. 323/1 की भूमि	शासकीय नाला	ख.नं. 325 की भूमि	ख.नं. 296/3 की भूमि	सागौन कहुआ	2 2	-	-
2	325	भूमिस्वामी	कृषि	1.10		ख.नं. 326 की भूमि	शासकीय नाला	ख.नं. 330 की भूमि	ख.नं. 324 की भूमि	सागौन आम	3 2	क. मकान 1	10X5 वर्गमी.
3	296/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.27	इमरत पिता जाति झंगलू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 298 की भूमि	शासकीय नाला	ख.नं. 296 की भूमि	ख.नं. 298 की भूमि	सागौन महुआ	3 1	-	-
4	299/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.16	हक्कू सबिया शशि बराती कल्लू गुड्डल पिता रेवा जाति गौड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	हक्कू बगैरह की शेष भूमि	ख.नं. 294 की भूमि	ख.नं. 299/3 की भूमि	ख.नं. 299/1 की भूमि	-	-	-	-
5	297	भूमिस्वामी	कृषि	0.85		हक्कू बगैरह की शेष भूमि	हक्कू बगैरह की शेष भूमि	ख.नं. 323/1 की भूमि	ख.नं. 298 की भूमि	महुआ	2	-	-
6	299/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	सोमती बाई दुलई समकुरा पिता दुलई जाति गौड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	सोमती बाई बगै रह की शेष भूमि	सोमती बाई बगै रह की शेष भूमि	ख.नं. 298 की भूमि	ख.नं. 299/2 की भूमि	-	-	-	-
7	299/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.09	झीनो पिता उमराव जाति गौड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	झीनो की शेष भूमि	झीनो की शेष भूमि	ख.नं. 299/2 की भूमि	ख.नं. 293 की भूमि	सागौन महुआ	2 2	-	-
8	292	भूमिस्वामी	कृषि	0.29		झीनो की शेष भूमि	झीनो की शेष भूमि	ख.नं. 293 की भूमि	ख.नं. 291 की भूमि	महुआ	1	-	-
9	291	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	काशीराम गरीबा छोटेलाल कस्तूरी ओमवती सुखवती पिता इन्दरसिंह गुलाबवती बेवा माली सुखराम सुख लाल रेशमा हिरन्तो पिता माली जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	प्रेमवती बगैरह की शेष भूमि	प्रेमवती बगैरेह की शेष भूमि	ख.नं. 292 की भूमि	शासकीय नाला	-	-	-	-
10	298	भूमिस्वामी	कृषि	0.06	चन्दरवती बेवा मंगलसिंह हुब्बीलाल पीतमसिंह खुमान कौशल्या पिता मंगलसिंह रेवती बेवा सुखदेव भगवान दास रामदास लालदास भालसिंह बहादुर नंद कुमार पिता सुखदेव जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी अहस्तांतरणीय	चंदरवती बगैरह की शेष भूमि	चंदरवती बगैरह की शेष भूमि	ख.नं. 297 की भूमि	ख.नं. 299/3 की भूमि	-	-	-	-
11	326	भूमिस्वामी	कृषि	0.70	फूलाबाई पति जगतसिंह जाति गोंड निवासी बगलई भूमिस्वामी	फूलाबाई की शेष भूमि	शासकीय नाला	ख.नं. 330 की भूमि	ख.नं. 324 की भूमि	सागौन महुआ	4 1	-	-
12	293	भूमिस्वामी	कृषि	1.14	घसीटी पत्नी लल्लू मीरा पति मीरलाल जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 293 की भूमि	ख.नं. 293 की भूमि	ख.नं. 299/1 की भूमि	ख.नं. 292 की भूमि	बिही	2	-	-
13	323/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.40	रोशन पिता देल्हू जाति अहीर नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 323/1 की भूमि	ख.नं. 324 की भूमि	ख.नं. 323/1 की भूमि	ख.नं. 297 की भूमि	महुआ	1	-	-
योग	15			6.38						वृक्ष	27	क. मकान 1	50 वर्ग मी.

1 अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी लखनादौन जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 2. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग क्रमांक 1 सिवनी जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 3. अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नही करेगा या कोई भी संव्यवहार नही होने देगा अर्थात कय / विक्रय आदि नही करेगा या ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नही करेगा । 4. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति " भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा - 15 (1) के अधीन इस अधिसूचना प्रकाशन के 60 दिनों के अंदर भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष आक्षेप यदि कोई हो, फाईल किए जा सकेगे ।

(संस्कृति जैन)
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार कलेक्टर सिवनी एवं पदेन उपसचिव
G-16966/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला सिवनी (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)
प्रारूप V (नियम 10 देखे)
धारा 19 (1) के तहत पुनर्वासन एवं पुनर्व्यविस्थापन घोषणा का प्रकाशन
सचिव, राजस्व विभाग

क्रमांक 878 / अ.वि.अ./ भू-अर्जन / 2025 गोटेगांव, दिनांक 30/07 / 2025
रा.मा.क्र.0011/ अ-82 / 2025-26 ग्राम- जमुनिया प.ह. नं.- 27 नं.ब. - 185 तहसील - गोटेगांव जिला - नरसिंहपुर

जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के डूब क्षेत्र हेतु ग्राम - जमुनिया प.ह.नं.- 27 नं.ब. - 185 तहसील गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में कुल 0.442 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिये घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खंड है, जो 0.442 हेक्टेयर है ग्राम जमुनिया तहसील गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में है, जिसका विस्तृत ब्यौरा निम्नलिखित है :-

ग्राम- जमुनिया, तहसील - गोटेगांव, प.ह. नं. - 27

स. क्र.	भू-धारक खातेदार का नाम (खसरा नाम अनुसार)	स्वामित्व का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जन रकबा (हें.) में
1	2	3	4	5
1	दादूराम पिता छोटेलाल वत्ती बाई बेवा नारायण. टोकराम सोबरनसिंह पीतम दशरथ पुत्र नारायण मलाह सोनाबाई नीमाबाई लच्छोबाई कलोबाई मुन्नीबाई पुत्री नारायण मलाह जाति मलाह पता झोंझा गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	1/3 (S)	0.008
2	अन्नीलाल पिता धनुआ जाति मलाह पता गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	32 (S)	0.050
3	परषोत्तम पुन्नासिंह चन्दू कमलसिंह सुम्मीबाई आलीबाई धनाबाई पिता चतरे मलाह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	34 (S)	0.016
4	रामदास पिता रोशन जाति मलाह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	36/2 (S)	0.004
5	प्रकाशसिंह पिता रोशन जाति मलाह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	36/3 (S)	0.004
6	आकाश मलाह पिता छुट्टन मलाह जाति मलाह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	38/1 (S)	0.012
7	गुरई विलोश उजयार रंजन सोमचंद सम्पतबाई कल्लाबाई पिता डब्बू हरीबाई वेबा डब्बू मतोबाई वेबा अंजन सविताबाई नाबालिक पिता अंजन संरक्षक माँ खुद मतोबाई वेबा अंजन जाति मलाह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	53/4 (S)	0.008
8	नेतराम मलाह पुत्र श्री जगदीश मलाह पता नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	54/1 (S)	0.004
9	बक्तो बाई केवट वेबा पुस्सू उर्फ किस्सू टावल मलाह मुन्नीबाई कैलाश मायाबाई रक्को मलाह पिता पुस्सू उर्फ किस्सू जाति मलाह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	63/1 (S)	0.004
10	कल्लू बाई पत्नी गिरवर जाति मलाह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	63/2 (S)	0.004
11	उदयनारायणसिंह पिता विश्वनारायणसिंह पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	190 (S)	0.008
12	सरदारसिंह राजेन्द्रसिंह शिवराजसिंह पिता साहबसिंह सुरेशसिंह पिता गुलाबसिंह जाति राजपूत पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	234 (S)	0.040
		भूमिस्वामी	246 (S)	0.120
13	लटोरा पिता बाबूलाल जाति ढीमर पता जमुनिया गोटेगांव नरसिंहपर मध्यप्रदेश भमिस्वामी	भूमिस्वामी	287 (S)	0.160
	कुल योग			0.442

1. यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उपबंधित सम्यक जांच करने के पश्चात की गयी है।
2. कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर के द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है कि भू-अर्जन के कारण विस्थापित होने वाले संभावित कुटुम्ब की संख्या निरंक है, अत: इनके लिये पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित करने का प्रश्न उद्भूत नही होता है।
3. चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के डूब क्षेत्र हेतु हितबद्ध व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति का विस्थापन नही होने से धारा-19 की उपधारा (2) के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्कीम का सार प्रकाशित करने की आवश्यकता नही है।
4. उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी भाग में पड़े कोयला, लौह पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खानें है, खान और खनिज के ऐसे भागों में जिन्हे उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण चरण के दौरान खोदे जाने या हटाये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोड़कर आवश्यक नही है।
5. अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गोटेगांव के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

(देवंती परते) अनुविभागीय अधिकारी गोटेगाँव, जिला नरसिंहपुर
(शीतला पटले) कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)
G-16970/25

भारत के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ वार अदावत का रुख अख्तियार करता जा रहा है। ट्रंप ने अपने टैरिफ वार से विश्व के देशों की आंखें खोली हैं कि अमेरिका किसी भी देश का हितैषी नहीं है, उसे बस अपने से मतलब है। ट्रंप ने विश्व में अमेरिका के लोकतंत्र के रक्षक, ग्लोबल ऑर्डर के नियंता और महाशक्ति होने के तिलिस्म को भी तोड़ दिया है। अब अमेरिका एक साधारण राष्ट्र है, जो अपने बेशुमार कर्ज से उबरने के लिए संघर्षरत है। भारत पर ट्रंप के 50 फीसदी शुल्क ऐलान के बाद नई दिल्ली ने संयमित रहते हुए वाशिंगटन को दो टूक संदेश दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों व ऊर्जा सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। भारत के लिए अमेरिका ने शुल्कात्याचार से ऐसी संकटपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है कि वह नए वैश्विक ऑर्डर की तरफ सरक रहा है। पीएम मोदी एससीओ की बैठक में चीन जा सकते हैं, चीन ने इसका स्वागत किया है, वहां मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग मिल सकते हैं। मोदी व पुतिन ने बात की है, वर्ष के अंत तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आएंगे। ब्राजील ने मोदी व शी के साथ सहयोग बढ़ाकर टैरिफ वार का हल निकलने की बात की है। यानी ब्रिक्स ध्रुवीकृति हो रहा है। मौजूदा परिस्थिति में भारत के लिए अपनी ट्रेडकूटनीति को आगे बढ़ाने के मौके का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

भारत के लिए ट्रेडकूटनीति का मौका

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का ट्रंप का दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए भारत को भी अपना निशाना बना डाला। इसमें कोई शक नहीं कि भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर चुकी है।

सात अगस्त को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध अपने द्वारा ही घोषित किए गए आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से दो गुना करके 50 प्रतिशत कर दिया। अधिक वक्त पुराना दौर नहीं था, जबकि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तक़रीर पर अमेरिका की संसद में जोरदार तालियां गूंज उठीं थी। एक ऐतिहासिक वक्त इस बात का गवाह रहा कि दो शक्तिशाली ध्रुवों के मध्य फिर से निरंतर विभाजित हो रही दुनिया में भारत वस्तुतः अमेरिका का एक भरोसेमंद पार्टनर बनता जा रहा था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बहुत ही खुले दिल और गर्म जोशी से नरेंद्र मोदी का खैरमक़्दम किया था। इस शानदार खैरमक़्दम के पीछे जो बाइडेन के दो रणनीतिक मक़सद थे। पहला मक़सद था कि यूक्रेन पर रूस के हमले के मामले में भारत को स्पष्ट कूटनीतिक रुख अख्तियार करने के लिए रजामंद करना। दूसरा मकसद था कि भारत को एक ऐसे गठबंधन में बाकायदा शामिल करना जो कि चीन के निरंतर बढ़ते हुए वैश्विक प्रभाव का बखूबी सामना कर सके।

प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा भारत

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी दफा राष्ट्रपति पद पर सत्तासीन होने से ठीक पहले तक, भारत यकीनन अमेरिका की दृष्टि में केवल उसका सिर्फ एक व्यापारिक साझेदार ही नहीं था, वरन् एक प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा। अमेरिका की नजरों में भारत एशिया में लोकतंत्र का सबसे प्रबल पैरोकार और ताकतवर स्तंभ भी रहा। राष्ट्रपति डब्ल्यू जार्ज बुश से लेकर जो बाइडेन तक अमेरिका के सभी राष्ट्रपतियों द्वारा भारत को रणनीतिक नजरिए से फ्री एंड ओपेन इंडो पैसेफिक के लिए अत्यंत आवश्यक सहयोगी करार दिया गया। अमेरिका और भारत द्वारा एकजुट होकर रक्षा, विज्ञान, तकनीक, नौसेनिक अभ्यास, और क्वाड फ्रंट में एक प्रबल सहयोगी के तौर पर शानदार काम अंजाम दिया। वर्ष 2024 में भारत और अमेरिका द्वारा दस वर्षीय रक्षा रोडमैप का सृजन किया गया और परस्पर व्यापार को 500 अरब डालर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह संबंध को आगे ले जाने की पहल थी।

अमेरिका गंवा सकता है करीबी साझेदार

अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। दिल्ली स्थित आर्थिक मामलों के एक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव का तथ्यात्मक और तार्किक अनुमान है कि अमेरिका को भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान 50 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसी वर्ष 2025 के फरवरी महीने में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर थे, तो उस वक्त भी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों में अनेक अंतरराष्ट्रीय जानकार एक गहरी अंतरविरोधी रणनीतिक उलझन देख रहे थे। अमेरिका के जाने माने अर्थशास्त्री मिल्टन फ्रीडमैन का कथन है कि डोनाल्ड ट्रंप का बुनियादी चरित्र एक कुशल व्यापारी का रहा है, ना कि एक प्रखर दूरदर्शी राजनेता का। अतः राष्ट्रपति ट्रंप व्यापारिक संबंधों को कूटनीतिक हथियार को तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने मिथ्या दंभ से परिपूर्ण एक घोषणा की थी कि अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने के 24 घंटे के अंदर ही यूक्रेन और रूस की जंग को खत्म करा देंगे, लेकिन ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ लिए हुए तकरीबन सात महीने व्यतीत हो चुके हैं और रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का उनका दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए रणनीतिक मित्र राष्ट्र भारत को भी अपना निशाना बना डाला।

दोनों देशों को होगा आर्थिक नुकसान

आर्थिक संकट की इस विकट घड़ी में भारत के लिए आखिरकार आगे का क्या रास्ता है? चीनी कूटनीति के जाने माने विशेषज्ञ हुआंग का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम हमले में भारत को तात्कालिक तौर पर जबरदस्त आर्थिक नुकसान उठाना ही होगा। भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर चुकी है। डिप्लोमेट हुआंग को प्रतीत होता है कि अमेरिका की इस आक्रामक रणनीति से भारत और चीन कूटनीतिक तौर पर एकदम निकट आ सकते हैं। कूटनीतिक निकटता के इस प्रस्थान बिंदु से चीन और भारत एक साथ अमेरिका के व्यापारिक दबाव का जमकर मुकाबला करने के लिए खड़े हो जाएंगे। हुआंग के मुताबिक शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शिरकत करना तकरीबन तय हो चुका है। चीन स्वागत को तैयार है।

भारत का ट्रंप को ताकतवर पैगाम

एससीओ के शिखर मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग का एक साथ खड़ा होना ही डोनाल्ड ट्रंप के लिए ताकतवर पैगाम होगा कि चीन की तरह से भारत भी किसी अंतरराष्ट्रीय अमेरिकन धौंस और दबाव के आगे कदाचित नहीं झुकेगा। पीएम मोदी ने न झुकने का ऐलान भी किया है। ट्रंप ने चीन पर प्रारंभ में 50 प्रतिशत टैरिफ आयद किया था। उसके प्रत्युत्तर में चीन द्वारा अमेरिका पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया तो चीन द्वारा भी अमेरिका पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ आक्रमण का चीन द्वारा ट्रंप को उन्हीं की टैरिफ रणनीति में कड़ा आक्रामक जवाब दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप अंततः चीन के विरुद्ध एकदम नरम पड़ गए और चीन पर केवल 10 प्रतिशत टैरिफ आयद करने पर आकर टिक गए। उल्लेखनीय है कि अपने विगत कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन के विरुद्ध ट्रेड वार संचालित करने का ऐलान किया गया था। आखिरकार क्या परिणाम निकला। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चीन और अधिक ताकतवर होकर उभरा। राष्ट्रपति ट्रंप अपनी मिथ्या वाणी और दबाव परिवर्तित करने के लिए सारी दुनिया में जाने पहचाने गए हैं। अमेरिका के प्रति चीन का दृष्टिकोण और कार्यनीति से एकदम पृथक रही। अमेरिका द्वारा भारत पर आयद 50 प्रतिशत टैरिफ पर वस्तुतः भारत सरकार की प्रतिक्रिया अत्यंत संतुलित किंतु दो टूक रही है।

टैरिफ का फैसला अनुचित और बेबुनियाद

भारतीय विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद करने के फैसले को एकदम अनुचित और बेबुनियाद करार दिया है। भारत सरकार का कहना है कि भारत को अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए तेल आयात करने का निर्णय लेना है। यकीनन भारत ने टैरिफ आयद करने पर अमेरिका को चीन और ब्राजील के लहजे में कदाचित नहीं ललकारा है। भारत सरकार ने अत्यंत शालीन और संतुलित शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारत सरकार द्वारा अपने बयान में फिर से दोहरा दिया गया है कि अपने राष्ट्रीय हितों की हिफाजत करने की खातिर सभी आवश्यक फैसले ले लिए जाएंगे। भारत वस्तुतः अमेरिका से कोई कूटनीतिक तकरार में उलझना नहीं चाहता है। विगत दो दशक में निर्मित हुए भारत-अमेरिका संबंधों को कदाचित बिगाड़ना नहीं चाहता है। स्मरण करें कि जब एक ऐतिहासिक दौर में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सैन्य संगठन सेंट्रल ट्रीट्री ऑर्गेनाइजेशन (सेंटो) का सदस्य बनाया, पाक के साथ सैन्य संधि अंजाम देकर भारत के विरुद्ध उसको आधुनिकतम हथियारों से सन्नद किया था। उस दौर में भी भारत ने अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों को सदैव सहज और सामान्य बनाए रखा था। भारत द्वारा गुटनिरपेक्ष नीति का परिपालन करते हुए कोल्ड वार के विकट दौर में भी दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों के मध्य अपने कूटनीतिक संतुलन को कायम बनाए रखा गया था। सन् 1956 में स्वेज कैनाल सैन्य संकट और सन् 1961 में क्यूबा सैन्य संकट के दौरान विश्वयुद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया को बचाने और संकटों का निदान करने के लिए इतिहास भारत के किरदार को स्मरण करेगा। यही कारण था कि 1962 में जब भारत पर चीन ने सैन्य आक्रमण अंजाम दिया था, उस वक्त भारत के पक्ष में सोवियत रूस और अमेरिका एक साथ खड़े हो गए थे। भले ही लोकतांत्रिक भारत में सरकारें तब्दील होती रही हैं किंतु भारत अपनी कसौटी पर खरी उतरी स्वतंत्र विदेश नीति पर निरंतर कायम बना रहा है।

मोदी का चीन दौरा महत्वपूर्ण सिद्ध होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संभावित चीन दौरा भी बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश नीति अपने मित्र देशों पर टैरिफ के जरिए केवल कूटनीतिक दबाव कायम करने की कुटिल रणनीति है। रूस-भारत-चीन (आरआईसी) कूटनीतिक त्रिकोण को निर्मित करने का प्रयास निरंतर गति से जारी है। यदि वास्तव में यह प्रस्तावित कूटनीतिक त्रिकोण व्यवहार में आकार ले लेता है तो फिर भारत-चीन के मध्य विद्यमान रहा तनाव समाप्त हो सकता है। पाकिस्तान के प्रति चीन द्वारा अंजाम दिया जा रहा अंध समर्थन खत्म हो सकता है। राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के लिए रेड कार्पेट के स्थान पर कांटे बिछा दिए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को उम्मीद है कि टैरिफ आक्रमण से संभवतया रूस के साथ अपने गहरे व्यापारिक और सामरिक ताल्लुकात को तोड़ लेने के लिए भारत सरकार को विवश कर सकेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप को तनिक भी एहसास नहीं है कि भारतीय जनमानस में रूस के प्रति कितना गहन लगाव विद्यमान रहा है। जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका सहित समस्त पश्चिम कश्मीर पर भारत के विरुद्ध एकजुट था, तब तत्कालीन सोवियत रूस ने भारत के पक्ष में छह दफा वीटो का इस्तेमाल किया था। भारत इसको कैसे भूल सकता है। बांग्लादेश युद्ध के दौर में जब अमेरिका खुलकर पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा हो गया था तो केवल रूस की सक्रिय इमदाद और सैन्य समर्थन से भारत ने यह युद्ध निर्णायक तौर पर जीत लिया था। आजादी के बाद भारत की औद्योगिक प्रगति में सोवियत रूस द्वारा अविस्मरणीय योगदान प्रदान किया गया। केंद्र में कोई भी हुकूमत कायम रहे, वह भारतीय जनमानस के रूस के प्रति अगाध सम्मान और स्नेह की उपेक्षा करके अमेरिका के दबाव में रूस से भारत का ऐतिहासिक संबंध तल्ख करने का खतरा नहीं उठा सकती।

वैश्विक अर्थव्यवस्था हो सकती है प्रभावित

ट्रंप टैरिफ

प्रो. महेश चंद गुप्ता

शिक्षाविद्, विचारक एवं चिंतक

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है। यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ। यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा। ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे? कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है।

राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता

मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है, जिसमें दवाइयां, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं। लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमेरिका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है, जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है।

भारत बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था

भारत आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। इसका पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है। उद्योग जगत भी इस दबाव को एक

अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है, जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी। गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है। मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है कि मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है। धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है, जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है। इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमेरिका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य में नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है। पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिट में शामिल होंगे।

चीन से सुधर सकता है रिश्ता

मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है, जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत में जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों। खासकर, तब जब अमेरिका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है। चीन को भारत के विशाल बाजार की जरूरत है, और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में दूरी बढ़ने से बीजिंग अपने संबंध सुधारने को उत्सुक होगा। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी भले ही अभी भी जारी हो, पर बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का आत्मविश्वास, अडिग रुख और दूरदर्शी नेतृत्व इसे न सिर्फ झेलने में सक्षम है, बल्कि इसे अपने विकास की सीढ़ी भी बना सकता है।

शुल्क युद्ध से एक हो रहे रूस, चीन व भारत

टैरिफ वार

विकेश कुमार बडोला

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नीतिगत रूप से दिग्भ्रमित प्रतीत हो रहे हैं। पहल वे स्वयं डीप स्टेट के विरुद्ध अमेरिका और दुनिया में एक राजनीतिक विद्रोह छेड़े हुए थे, किंतु अब प्रतीत होता है कि वे भी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं पूर्ण करने के चंगुल में फंसकर शुल्क युद्ध छेड़े हुए हैं। भारत के विरुद्ध दस-बारह से आरंभ हुआ अमेरिकी शुल्क युद्ध अभी 25 तथा अगस्त बीतने पर 50 प्रतिशत हो जाएगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार की निर्धारित, प्रमान्य एवं एक दशक से चल रही लगभग संतुलित नीतियों को अमेरिका ने वास्तव में असंतुलित कर दिया है। वस्तु उद्योग, सेवा उद्यम और वस्तु व सेवा की अंतरर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को धरातल पर अमेरिकी पचास प्रतिशत शुल्क द्वारा वास्तव में कितनी हानि पहुंचेगी, यह तो बाद में ही पता चलेगा, लेकिन पचास प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाने के अमेरिकी निर्णय ने भारत से संबंधों की गत एक दशक से बनी समझ, सामंजस्य तथा इसके परिणाम से उत्पन्न लाभ की स्थितियां लगभग समाप्त कर दी हैं। यह एक स्तर की हानि है। जैसे-जैसे समय व्यतीत होगा, दोनों देशों का व्यापार जगत, उपभोक्ता जगत, बैंकिंग, बीमा एवं शेयर बाजार का क्षेत्र भी भिन्न-भिन्न अज्ञात अर्थहानियों का सामना करेंगे।

रूस से तेल खरीद पर नाराज ट्रंप

राजनीतिक दृष्टिकोण के साथ भारतवासी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को कितना ही कोस लें, किंतु भारत पर शुल्क को पचास प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय ट्रंप के व्यक्तिगत अहंकार, हठ एवं श्रेष्ठता के दंभ के आलोक में ही नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में यह यही इंगित करता है कि अमेरिका को रूस से कच्चा तेल आयात करने के भारत के जिस कार्य व निर्णय से सर्वाधिक समस्या है, उससे भारत को 2022 के बाद अत्यधिक लाभ हुआ है। लगभग पूरे वर्ष तक संपूर्ण यूरोप भारत के उस परिशोधित ईंधन पर ही आश्रित रहा, जो समुद्र या धरती के विशेष स्थानों से उत्खन्न के बाद रूस द्वारा सीधे भारत को आयात किया जा रहा था। रूस से कच्चे तेल का आयात और परिशोधन के बाद यूरोप के 27 देशों समेत अनेक अन्य देशों को निर्यात, इस कार्य में भारत सिद्धहस्त हो चुका है। भारत से परिशोधित तेल मंगाने वाले देशों को दुनिया में सबसे निम्न मूल्य पर तेल उपलब्ध हो रहा है। तेल आयात एवं निर्यात आधारित यह पूरा चक्र एक बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसमें पहला बड़ा लाभार्थी भारत तो दूसरा रूस है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में रूस इसी अर्थव्यवस्था के बल पर संपूर्ण यूरोप में पश्चिमी यूरोप का एकमात्र देश था, जिसकी अर्थव्यवस्था यूक्रेन युद्ध के बाद भी सबसे समृद्ध थी।

भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत ने इस आधार पर पहले फ्रांस, फिर इंग्लैंड और अब जापान को पीछे करके विश्व की चतुर्थ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। अब प्रथम स्थान पर 30.50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ अमेरिका, 19.23 ट्रिलियन डॉलर के साथ द्वितीय स्थान पर चीन,

4.74 ट्रिलियन डॉलर के साथ तृतीय स्थान पर जर्मनी तथा 4.19 ट्रिलियन डॉलर के साथ भारत चतुर्थ स्थान पर है। भारत की आर्थिक स्थिति को अकस्मात, कोरोना महामारी के कारण अर्थजगत में मंदी के बाद भी, आगे बढ़ने का अवसर तब ही प्राप्त हुआ जब रूस से तेल आयात और फिर आशोधन के बाद उस तेल के निर्यात से भारत के लाभ व आरक्षितियों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। गत चार वर्ष में भारत इस उद्योग एवं व्यापार का एक अनुभवी देश बन चुका है। इस लाभार्जनकारी अनुभव के आधार पर भारत के उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की नींव अत्यधिक शक्तिशाली हो चुकी है। रूस के साथ भारत का व्यापारिक एवं सामरिक संबंध हमेशा विश्वास व निष्ठा आधारित रहा है। दोनों देशों ने, विशेषकर रूस ने आसन्न संकटों के समय सदैव भारत का साथ दिया। दोनों देश पारस्परिक सहभागिता, सहकारिता एवं सहयोगपरक दृष्टिकोण के कारण ही कोरोना काल में भी अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं को तेल के कारोबार के कारण संतुलित रख पाए। कारोबार के सफल क्रियान्वयन को तीन-चार वर्ष व्यतीत हो चुके हैं, तो अमेरिका को टीस उभरी है। पहले पहल अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोचा कि भारत-अमेरिका के मध्य होने वाले व्यापार अनुबंध में वे व्यापक व लाभकारी अमेरिकी हितों के अनुरूप भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को मनाकर उन्हें इसके लिए सहमत कर लेंगे और ऐसा होने पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था भारतीय उपभोक्ताओं एवं बाजारों के आधार पर अभूतपूर्व लाभ अर्जित करेगी। तब उन्हें भारत व रूस के तेल कारोबार से उभरती नई वैश्विक अर्थव्यवस्था से अधिक समस्या नहीं थी। किंतु पाकिस्तान आधारित अपने सामरिक हितों को भारत के सैन्याक्रमण से हुई हानि के बाद तो अमेरिका के लिए भारत केवल रूस के साथ तेल का कारोबार करके लाभार्जित करने वाले देश के रूप में ही नहीं, अपितु रूस की सहायता से अस्त्रों-शस्त्रों की नवोन्नत प्रौद्योगिकी विकसित करने वाले ऐसे देश के रूप में भी उभरा है, जिसके हथियार अमेरिकी हथियारों से भी श्रेष्ठ सिद्ध हुए हैं। इन्हीं वास्तविक घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में जब ट्रंप ने अनुभव किया कि मोदी उनके अनुरूप कुछ नहीं कर रहे हैं, तो वे कुंठित हो गये, और परिणामस्वरूप भारत पर अमेरिका की ओर से व्यापारिक शुल्क घोषित कर दिया। अमेरिका द्वारा उत्पन्न इस संकट की स्थिति में चीन ने भारत के आह्वान के बिना ही, स्वप्रेरित होकर भारत का पक्ष लेना आरंभ कर दिया है। उसके देशी-विदेशी मंत्रियों एवं भारत स्थित राजदूत की ओर से अमेरिका पर तरह-तरह के लांछन लगाये जाने लगे हैं। उसने रूस के साथ मिलकर अमेरिकी प्रतिरोध के लिए भारत का संबल बनने के हर संभव संकेत दे दिए हैं। इस वातावरण में भारत की रूस के साथ अनेक स्तरीय शिखर वार्ताएं हो रही हैं। संभावना है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की संक्षिप्त यात्रा पर आएं। संभावना ये भी है कि चीन में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाएं व शी से मिलें। इन दोनों संभावनाओं को दिनोंदिन बल मिल रहा है।

गुटसापेक्षता से सहमे ट्रंप

उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत विरोधी अपने शुल्क आरोपण अत्याचार की प्रतिक्रिया में आकार ले रही रूस, भारत व चीन (आरआईसी) की गुटसापेक्षता से सहम गये हैं। ब्रिक्स के प्रतिरोध में पहले उन्हें भारत के साथ स्वस्थ मैत्री के आधार पर कुछ यूएस हितैषी कार्य किये जाने की आशा थी भी, किंतु भारत पर शुल्कात्याचार के बाद तो अब अमेरिका तथा अमेरिकी डॉलर के समक्ष रूस, भारत व चीन के गठबंधन के बाद एक नवीन निरुपाय चुनौती खड़ी हो गई है। जिस दिन ये घोषणा हुई कि मोदी दुनिया के सबसे अधिक प्रिय नेता हैं और पहले पांच प्रिय नेताओं में ट्रंप अंतिम हैं, उसी दिन से अमेरिकी राष्ट्रपति किंकर्त्तव्यविमूढ़ होकर भारत विरोधी रणनीतियों को धरातल पर उतारने लगे थे।

तय कर सही स्कीम में निवेश करने से मिलेगा फायदा | म्यूचुअल फंड और गोल्ड निवेश करके बड़ा फंड तैयार करें | अपनी पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें, विविधता रखें

प्लानिंग बनाकर करें निवेश, 10 साल में बन सकते हैं करोड़पति

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

जब भी बात करोड़पति बनने की आती है तो ऐसा लगता है कि यह बहुत मुश्किल है। काफी लोग एक लाख रुपये महीने की सैलरी होने के बावजूद एक करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा नहीं कर पाते हैं। हालांकि यह प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो यह कुछ मुमकिन है। आप सही प्लानिंग के जरिए निवेश करके मात्र 10 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं। अगर आपकी उम्र 35 साल है और आप अगले 10-12 सालों में 1 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहते हैं, तो ये जानकारी आपके लिए काफी अहम हो सकती है।

जानकारों के अनुसार म्यूचुअल फंड और गोल्ड आदि जगह निवेश करके बड़ा फंड तैयारी किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड का रिटर्न शेयर मार्केट के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। जानकारों के मुताबिक पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें। पोर्टफोलियो में विविधता होनी चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार करोड़पति बनने के लिए जल्द से जल्द निवेश शुरू कर देना चाहिए। अगर कोई शख्स 35 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है तो वह 10 से 12 साल में करोड़पति बन सकता है। हालांकि इस दौरान निवेश में रिस्क लेना भी जरूरी होगा। इसके लिए कुछ रिश्क लें और लंबी अवधि के निवेश का प्लान तैयार कर आगे बढ़ें। इससे आप आसानी से करोड़पति बना पाएंगे और अपने धन से भविष्य को सुरक्षित कर पाएंगे। एक्सपर्ट कहते हैं कि कम जोखिम वाले निवेश से बहुत ज्यादा रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उदाहरण के लिए, लार्जकैप स्कीम्स ने पिछले पांच सालों में 14.02% का रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आप कम जोखिम लेंगे, तो आपको रिटर्न भी थोड़ा कम मिलेगा।

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

कहां करें निवेश

आप अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर निवेश कर सकते हैं। जैसे कि 20% ग्रोथ वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% वैल्यू वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% कॉन्ट्रा फंड में, 20% ग्रोथ वाले मिडकैप फंड में और 20% ग्रोथ वाले स्मॉल कैप फंड में निवेश कर सकते हैं। इस तरह से निवेश करने से आप अलग-अलग मार्केट कैप और स्टाइल में निवेश कर पाएंगे। इससे आपके पैसे के डूबने का खतरा कम होगा और आपको अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

करोड़पति बनने के लिए कितना निवेश करें

अगर आप 10 साल में 12% सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) के साथ 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करना चाहते हैं, तो आपको हर महीने 45,000 रुपये एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करनी होगी। वहीं, 12 साल में करोड़पति बनना चाहते हैं तो यह निवेश 35,000 रुपये महीने का होगा। हालांकि 10 से 12 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू कम हो जाएगी। इसलिए एक्सपर्ट कहते हैं कि हर साल एसआईपी की रकम 5 से 10 फीसदी बढ़ाते जाएं।

गोल्ड कितना जरूरी

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

ऐसे करें निवेश की प्लानिंग

चरण 1 : वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण

1. **लक्ष्यों की पहचान**: अपने वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करें, जैसे कि रिटायरमेंट के लिए बचत, बच्चों की शिक्षा, या घर खरीदना।
2. **लक्ष्यों की प्राथमिकता**: अपने लक्ष्यों को प्राथमिकता दें और उनकी समय सीमा निर्धारित करें।

चरण 2 : जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन

1. **जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन**: अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें और यह निर्धारित करें कि आप कितना जोखिम उठाने को तैयार हैं।
2. **निवेश विकल्पों का चयन**: जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 3 : निवेश विकल्पों का चयन

1. **निवेश विकल्पों की जानकारी**: विभिन्न निवेश विकल्पों की जानकारी प्राप्त करें, जैसे कि स्टॉक, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, और बॉन्ड।
2. **निवेश विकल्पों का चयन**: वित्तीय लक्ष्यों व जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 4 : निवेश योजना का निर्माण

1. **निवेश योजना का निर्माण**: अपने वित्तीय लक्ष्यों और निवेश विकल्पों के अनुसार योजना बनाएं।
2. **निवेश की राशि**: निवेश की राशि निर्धारित करें और नियमित निवेश करने का निर्णय लें।

चरण 5 : निवेश की निगरानी और समीक्षा

1. **निवेश की निगरानी**: अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें।
2. **निवेश की समीक्षा**: यह सुनिश्चित करें कि लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं।

अतिरिक्त सुझाव

1. **विविधीकरण** : अपने निवेश को विविध बनाएं और एक ही निवेश विकल्प में अधिक जोखिम न उठाएं।
2. **नियमित निवेश** : नियमित निवेश करने से आपके निवेश की राशि बढ़ सकती है।

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड

चढ़ते और गिरते दोनों शेयरों पर दांव लगाने का मौका

काम की बात
बिजनेस डेस्क

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) गिरते बाजार में भी पैसे कमाने का मौका देता है। लेकिन, यह फंड कमजोर दिल वाले इनवेस्टर्स के लिए नहीं है। हाल में सेबी ने एसआईएफ की नई कैटेगरी शुरू की थी। क्वांट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड (क्यूएसआईएफ) इस कैटेगरी का इंडिया का पहला फंड है। यह इनवेस्टमेंट के लिए हेज-फंड स्टाइल की स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। इसका मतलब है कि यह एक ही समय में लॉन्ग पोजीशन और शॉर्ट पोजीशन या इसके ऑपोजिट पोजीशन लेने की इजाजत देता है। यह म्यूचुअल फंड के फ्रेमवर्क के तहत आता है। इसका मतलब है कि इस पर रेगुलेटर की नजर रहती है। यह इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा का भी ध्यान रखता है। उतारचढ़ाव वाले बाजार में शॉर्टिंग से मुनाफा कमाने की गुंजाइश होती है। क्वांट म्यूचुअल फंड के फाउंडर और सीआईओ संदीप टंडन ने कहा, ₹अगर आपके पास स्ट्रॉन्ग रिसर्च है, अच्छा एनालिटिक्स है और सॉलिड माइक्रो व्यू है तो शॉर्टिंग से आप मार्केट में दोनों तरह की स्थितियों में पैसे कमा सकते हैं। आपको स्टॉक के चढ़ने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। गिरते स्टॉक्स से मुनाफा कमाना सेबी के फ्रेमवर्क के तहत लीगल है। यह उन इनवेस्टर्स के लिए अहम टूल है जो इसके इस्तेमाल का तरीका जानते हैं।

यह किस स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है

यह फंड लॉन्ग-शॉर्ट स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। यह ऐसे स्टॉक्स को खरीदता है, जिनकी कीमतें चढ़ने की उम्मीद होती है और साथ ही उन स्टॉक्स को शॉर्ट करता है जिनकी कीमतें गिरने के आसार होते हैं। इस स्ट्रेटेजी की वजह से मार्केट किसी भी दिशा में जाए इनवेस्टर्स को मुनाफा होता है। गिरने वाले और चढ़ने वाले शेयरों की पहचान फंड मैनेजर करता है। इसके लिए फंडामेंटल और टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल होता है।

टैक्स के कौन से नियम लागू होते हैं

टैक्स के मामले में एसआईएफ पर म्यूचुअल फंड्स के नियम लागू होते हैं। इस वजह से यह एआईएफ या पीएमएस के मुकाबले ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। सहजमनी के फाउंडर और चीफ इनवेस्टमेंट एडवाइजर अभिषेक कुमार ने कहा, क्यूएसआईएफ जैसे इक्विटी ओरिएंटेड एसआईएफ के शॉर्ट टर्म गेंस पर 20 फीसदी टैक्स लगता है, जबकि लॉन्ग टर्म गेंस पर 12.5 फीसदी टैक्स लगता है। एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपये का गेंस टैक्स-फ्री है।

न्यूनतम इनवेस्टमेंट कितना है

एसआईएफ में कम से कम 10 लाख रुपये का निवेश जरूरी है। यह पीएमएस में न्यूनतम 50 लाख रुपये और एआईएफ में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये के निवश के मुकाबले कम है। सैंक्टम वेल्थ में इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट्स के हेड अलख यादव ने कहा कि न्यूनतम निवेश कम होने से यह ज्यादा इनवेस्टर्स के दायरे में आ जाता है। इसके अलावा चूंकि यह सेबी के नियम और कानून के तहत ऑपरेट होता है, जिससे इस पर रेगुलेटर की नजर बनी रहती है। इससे इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा होती है।

क्या आपको इनवेस्ट करना चाहिए?

एसआईएफ का इस्तेमाल इनवेस्टर को अपने सैटेलाइट पोर्टफोलियो की तरह करना चाहिए न कि कोर पोर्टफोलियो के एक हिस्से के रूप में। अगर कोई स्मार्ट इवेस्टर रिस्क और रिटर्न को बैलेंस करना चाहता है तो वह कुछ पैसा एसआईएफ में लगा सकता है। अगर वह 50 रुपये म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह इसमें से 15 रुपये एसआईएफ में लगा सकता है। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड में कुल निवेश का 30 फीसदी वह एसआईएफ में इनवेस्ट कर सकता है।

क्या है एसआईएफ

स्पेशलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) एक नया निवेश विकल्प है जो म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) के बीच का ऑप्शन है। यह निवेशकों को अधिक जोखिम लेने और विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग करने की अनुमति देता है, जैसे कि लॉन्ग-शॉर्ट फंड। एसआईएफ में निवेश करने के लिए कम से कम 10 लाख की आवश्यकता होती है।

एसआईएफ की विशेषताएं

- लॉन्ग-शॉर्ट फंड : एसआईएफ में निवेशक दोनों तरह के स्टॉक खरीद और बेच सकते हैं, जिससे जोखिम कम करने और बेहतर लाभ पाने का मौका मिलता है।
- अधिक जोखिम : एसआईएफ में निवेश करने वाले निवेशकों को अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है, लेकिन इससे अधिक रिटर्न भी मिल सकता है।
- टैक्स लाभ : एसआईएफ में टैक्स की व्यवस्था म्यूचुअल फंड जैसी ही है, जो निवेशकों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

एसआईएफ में निवेश करने के लाभ

- अधिक फ्लेक्सिबिलिटी : एसआईएफ में निवेशक विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और अपने निवेश को अधिक फ्लेक्सिबल बना सकते हैं।
- अधिक रिटर्न : एसआईएफ में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है।

कौन से फंड कर रहे हैं हाउस एसआईएफ लॉन्च

- क्वांट म्यूचुअल फंड : क्वांट म्यूचुअल फंड ने भारत का पहला लॉन्ग-शॉर्ट एसआईएफ फंड लॉन्च करने की मंजूरी प्राप्त की है।
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भी अपना एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।
- एसबीआई म्यूचुअल फंड : एसबीआई म्यूचुअल फंड भी एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

- **फाइनेंशियल सफलता की पहली सीढ़ी है खर्चों पर रोक लगाना और भविष्य के लिए आय का 20 फीसदी बचाना**
- **अपने मंथली बिलों व खर्चों को कम कर बचा सकते हैं पैसे**
- **अपने बचे हुए पैसे को सही जगह निवेश करें, बढ़ेगा पैसा**

पैसों का करें बेहतर मैनेजमेंट, नहीं होंगे परेशान

सैलरी को 'दीमक' की तरह खा जाते हैं बिल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अक्सर लोगों को लगता है कि फाइनेंशियल रूप से मजबूत या फिर सफलता का मतलब बहुत ज्यादा पैसा कमाना है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं होता है। असल में फाइनेंशियल सफलता की पहली और सबसे अहम सीढ़ी है अपने खर्चों पर रोक लगाना। जब आप अपने मंथली बिलों और खर्चों को कम करते हैं, तो फिर आपके पास बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए अधिक पैसा बचता है। तभी आप अपने पैसे को बढ़ा पाते हैं। असल में यह कोई मुश्किल काम नहीं है, जी हां कुछ आसान और सुनियोजित कदम उठाकर आप अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं और एक मजबूत वित्तीय फ्यूचर की नींव रख सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ टिप्स जो अपको आर्थिक सफलता की ओर ले जाएंगे।

पहला कदम : अपने खर्चों को पहचानें

सबसे पहले, आपको यह जानना होगा कि आपकी मेहनत की कमाई का पैसा कहां जा रहा है। इसके लिए, आप कम से कम एक महीने तक अपने हर छोटे-बड़े खर्च का हिसाब रखें। अपने सभी खर्चों को एक कॉपी में या मोबाइल ऐप में लिखें। इसमें किराए, किराने का सामान, ईएमआई, बिजली बिल से लेकर एक कप चाय का खर्च भी शामिल करें। यह कदम आपको यह समझने में हेल्प कर सकता है कि आप कहां-कहां फिजूलखर्ची कर रहे हैं।

दूसरा कदम बजट बनाएं

एक बात साफ है कि जब आप अपने खर्चों को पहचान लेंगे, तो अगला कदम होगा एक मासिक बजट बनाना है। अपनी इनकम के हिसाब से हर चीज के लिए एक लिमिट तय करें. बजट बनाने से आपको अपने खर्चों को कंट्रोल करने में मदद मिल सकेगी। अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें।

अहम खर्च : किराया, ईएमआई, राशन, दवाई आदि।

गैर-जरूरी खर्च : बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग, मनोरंजन आदि।

तीसरा कदम : गैर-जरूरी खर्चों में कटौती

अधिक पैसा बचाने के लिए अपने गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। इससे आपको हर महीने पैसे बचने लगेंगे। इस पैसे को आप अच्छी जगह पर निवेश करें। धीरे धीरे इस निवेश औश्र अचत को बढ़ाते जाएंगा। इससे आपके हाथों में अधिक पैसा आएगा और आपकी बचत बढ़ती जाएगी। आप इन खर्चों में कर सकते हैं कटौती।

मनोरंजन : कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के सब्सक्रिप्शन लेने के बजाय, केवल एक या दो का ही यूज करें।

खान-पान : बाहर से खाना ऑर्डर करने की जगह, घर पर खाना बनाने की आदत डालें। इससे आपके पैसे और हेल्थ दोनों बचेंगे।

शॉपिंग : अनावश्यक और आवेगपूर्ण खरीदारी से बचें। जब कोई चीज जरूरी हो तभी खरीदें।

चौथा कदम : बड़े बिलों को कम करें

आपको अपनी बचत बढ़ाने के लिए अपने सबसे बड़े मासिक बिलों को कम करने के तरीके खोजने होंगे या कमाई को बढ़ाना होगा। कोई भी पार्टटाइम काम करें। फीलॉन्सिंग भी कर सकते हैं। इससे आपको पैसे बचेंगे। बिजली का बिल ज्यादा है। गैर जरूरी उपकरणों को बंद कर दें। घर लाइट उतनी ही जलाएं, जितनी जरूरत हो। कुछ बिलों में ऐसे कर सकते हैं कटौती।

बिजली बिल : घर में एलईडी लाइट का यूज करें, पुराने और ज्यादा बिजली खाने वाले उपकरणों को बदलें और जरूरत न होने पर पंखे, एसी और लाइट बंद करें।

फोन और इंटरनेट : अपने फोन और इंटरनेट प्लान की तुलना करें। कई बार, कंपनियां बेहतर ऑफर दे रही होती हैं, जिनसे आपका बिल कम हो सकता है।

लोन की ईएमआई : अगर आपके पास पुराना लोन है, तो उसकी ब्याज दर को कम करने के लिए बैंकों से बात करें।

पांचवां कदम : बचत को प्राथमिकता दें

अपने मंथली खर्चों को कम करने के बाद, जो भी पैसा बचे उसे तुरंत बचत और इन्वेस्टमेंट में लगाएं। 'खुद को पहले भुगतान करें' के रूल को अपनाएं। इसका मतलब है कि सैलरी आने पर सबसे पहले बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए पैसा निकालें, फिर बाकी बचे पैसों से खर्च करें। इससे साफ है कि मंथली बिलों को कम करना एक आदत है, जिसे लगातार कोशिश से अपनाया जा सकता है। यह कोई बड़ा काम नहीं होता है, बल्कि छोटे-छोटे कदमों का एक बड़ा रूप होता है। इन कुछ कदमों को उठाकर आप ना केवल अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्यों को भी हासिल कर सकते हैं और एक सेफ फ्यूचर की नींव रख सकते हैं।

स्टूडेंट लाइफ में फाइनेंशियल मैनेजमेंट घटा सकता है परेशानी, बजट बनाकर फ्यूचर प्लानिंग भी छात्रों के लिए बेहतर

इन्हें अपनाने से कम पैसों में भी जी सकते हैं बॉस वाली जिंदगी

स्टूडेंट लाइफ में करें मनी मैनेजमेंट, भविष्य में धन की नहीं रहेगी कमी, अमीर बनने के लिए हर छात्र कुछ अहम टिप्स को अपनाएं

प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

विद्यार्थी लाइफ अक्सर उत्साह, सीखने और नए अनुभवों से भरा होती है, लेकिन इसी दौरान पैसों का मैनेजमेंट बहुत बड़ी चुनौती भी साबित हो सकता है। कॉलेज की फीस, किताबों का खर्च, हॉस्टल का किराया, खाना-पीना, और मनोरंजन के खर्चे इन सभी को मैनेज करना कभी बार मुश्किल हो जाता है, लेकिन अगर स्टूडेंट टाइम में ही बजट बनाना और पैसों का सही मैनेजमेंट सीख लिया जाए तो फ्यूचर आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि छात्रों को शुरू से ही मनी मैनेजमेंट पर ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य की दिक्कतों से दूर रहा जा सके और छात्र आसानी से धनवान बन सकें। अच्छी फाइनेंशियल आदतें न केवल आपको कर्ज के जाल में फंसने से बचाती हैं, बल्कि आपको अपने टारगेट को प्राप्त करने में भी मदद करती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको धनवान बना सकते हैं।

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग्स की आदत डालना फ्यूचर के लिए सबसे मजबूत नींव हो सकती है। सेविंग्स को कभी भी जो बचेगा, वही बचाऊंगा की सोच से ना देखें, बल्कि इसे अपनी प्रायोरिटी बनाएं। छोटे-बड़े बचत लक्ष्य तय करें। जब कोई टारगेट तय होता है तो बचत करना आसान और प्रेरणादायक लगता है। हमेशा ट्राई करें कि आपकी आय का 10% या 20% हिस्सा सीधे बचत खाते में डालें।

अपनी इनकम को ट्रैक करें

हर छात्र को अपने फाइनेंशियल लाइफ की शुरुआत सबसे पहले अपनी इनकम और खर्चों को ट्रैक करना चाहिए। चाहे पॉकेट मनी हो, स्कॉलरशिप या पार्ट-टाइम जॉब की आमदनी हो, सबका हिसाब रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप एक छोटी डायरी, कोई बजटिंग ऐप या एक्सेल शीट का सहारा ले सकते हैं। स्टूडेंट रोजमर्रा के छोटे-छोटे खर्च जैसे स्नैक्स, ऑटो किराया या ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन को भी मेंशन करें। यह आदत आपको अपनी फिजूलखर्ची समझने और उसे नियंत्रित करने में मदद करेगी, जिससे पैसों की बचत हो सकेगी।

आवश्यकताओं और इच्छाओं में अंतर समझें

अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें-स्टूडेंट लाइफ में आर्थिक समझ को समझना बेहद जरूरी है, और इसकी शुरुआत होती है 'आवश्यकताओं' और 'इच्छाओं' के फर्क को समझने से। आवश्यकताएं वो खर्चे होते हैं जो लाइफ के लिए जरूरी हैं-जैसे ट्यूशन फीस, किताबें, रूम रेंट, खाना और आना-जाना, जबकि, इच्छाएं वो चीजें हैं जो केवल सुख-सुविधा के लिए होती हैं, जैसे बाहर खाना, फिल्म देखना या नया गैजेट खरीदना, तो जब आप इन दोनों के बीच फर्क पहचान लेंगे, तो आप अपनी जरूरत पर फोकस करके जरूरी खर्चों पर लगाम लगाकर बेहतर फाइनेंशियल कंट्रोल बना सकते हैं।

50/30/20 का बजट बनाएं

अपनी इनकम और खर्चों को समझने के बाद अगला जरूरी कदम है एक सही मंथली बजट बनाया जाए। आप अपनी मासिक आय के अनुसार भोजन, कन्वेंशन, पढ़ाई की चीजें और मनोरंजन जैसी लिस्ट के लिए अलग-अलग पैसे तय करें। यह ध्यान रखें कि आपके कुल खर्च आपकी कुल आमदनी से अधिक ना हों। बजट बनाने के लिए आप 50/30/20 रूल का पालन कर सकते हैं, जैसे 50% राशि आवश्यकताओं पर, 30% इच्छाओं पर और 20% सेविंग्स या किसी भी लोन की चुकौती के लिए रखें।

स्मार्ट खरीदारी करें और रियायतों का लाभ उठाएं

पैसों की बचत के लिए रियायतों और डील्स का समझदारी से यूज करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। जहां तक हो हमेशा अपने स्टूडेंट आईडी कार्ड को साथ रखें और **wherever possible** उसे दिखाकर छूट पाने की कोशिश कर सकते हैं। आप किराने का सामान थोक में खरीदें और ऑफर्स या सेल पर नजर रखना चाहिए, इतना ही नहीं महंगे ब्रांड्स की बजाय सामान्य ब्रांड चुनना अधिक बजट-फ्रेंडली होता है।

एक्स्ट्रा इनकम के ऑप्शन खोजें

अगर आपका बजट लिमिटेड है तो खर्चों पर नियंत्रण के साथ-साथ इनकम बढ़ाने के ऑप्शन ढूंढें। आप पार्ट-टाइम जॉब जैसे ट्यूटरिंग, कैंपस असिस्टेंटशिप या फ्रीलांसिंग का ऑप्शन चुन सकते हैं। साथ ही आपकी हॉबी भी कमाई का जरिया बन सकती है—जैसे ऑनलाइन कंटेंट बनाना, हैंडमेड क्राफ्ट्स बेचना या ब्लॉगिंग करना।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अचानक आने वाले खर्चों के लिए हमेशा तैयार रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि मेडिकल इमरजेंसी, लैपटॉप खराब होना या कोई भी अचानक से कोई भी खर्चे सामने आ सकते हैं। इसके लिए आप एक अलग बचत खाता खोलकर उसमें धीरे-धीरे थोड़ी-थोड़ी राशि जमा करें। ऐसा करने से आपको महंगे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छात्र बजट बनाना, खर्चों की प्राथमिकता तय करना और हर महीने की सेविंग्स तय करना सीखकर फाइनेंशियल मैनेजमेंट की शुरुआत कर सकते हैं।

'परम सुंदरी' का गाना 'भीगी साड़ी' जारी, 29 को होगी रिलीज

मुंबई। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा पिछले काफी समय से फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनकी जोड़ी जाह्नवी कपूर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म के निर्देशन की कमान तुषार जलोटा ने संभाली है, वहीं इसका निर्माण दिनेश विजान कर रहे हैं। अब 'परम सुंदरी' का नया गाना 'भीगी साड़ी' रिलीज हो गया है, जिसे श्रेया घोषाल और अदनान सामी ने मिलकर गाया है। 'भीगी साड़ी' में सिद्धार्थ और जाह्नवी की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। दोनों जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं। दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

लाइफ Style

रुक्मिणी

'कांतारा: चैप्टर 1' की दिखी पहली झलक

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मशहूर अभिनेता, फिल्म निर्माता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी पिछले काफी समय से फिल्म 'कांताराः चैप्टर 1' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म साल 2022 में आई कन्नड़ फिल्म 'कांतारा' का प्रीक्वल है, जिसका दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'कांताराः चैप्टर 1' से रुक्मिणी वसंत की पहली झलक सामने आ गई है,जिसमें वह पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। कनकवती के रूप में रुक्मिणी खूब जंच रही हैं।

रुक्मिणी दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। वह मुख्य रूप से कन्नड़, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम करती हैं। 28 वर्षीय रुक्मिणी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2019 में आई कन्नड़ फिल्म 'बीरबल त्रयी' के जरिए की थी। उन्होंने 'भैरथी रनागल', 'बघीरा', 'बाणदरियाल्ली', 'ऐस' और 'अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। आने वाले समय में रुक्मिणी 'कांताराः चैप्टर 1', 'मधरासी' और 'एनटीआर31' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'कांताराः चैप्टर 1' को 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ऋषभ ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। ऋषभ एक बार फिर सिनेमाघरों में जोरदार दहाड़ लगाने वाले हैं।

'कांतारा: चैप्टर 1' को 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ऋषभ ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। ऋषभ एक बार फिर सिनेमाघरों में जोरदार दहाड़ लगाने वाले हैं।

हॉलीवुड मसाला

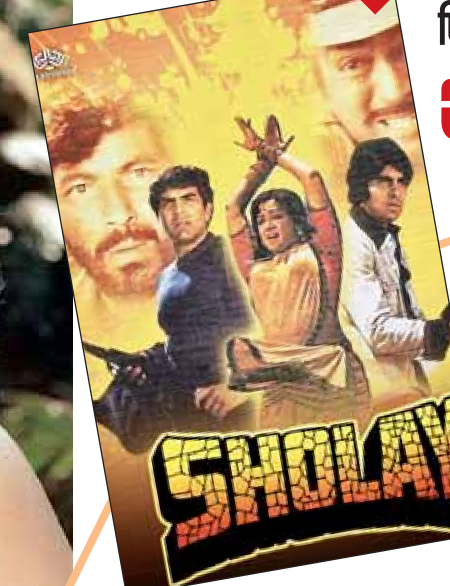

फिल्म महोत्सव में चलेगा शोले का जादू

लॉस एंजिल्स। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनकी लोकप्रियता पीढ़ी दर पीढ़ी कायम रहती हैं। वैसी ही फिल्म है 'शोले', जो गुजरते समय के साथ हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्मों में शुमार हो गई। यह फिल्म हमेशा सिने प्रेमियों की यादों में जिंदा रहेगी। फिल्म का जिक्र इसलिए कि इसकी रिलीज के 50 साल पूरे होने पर इसकी स्क्रीनिंग प्रतिष्ठित टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में की जाएगी। यह स्पेशल स्क्रीनिंग 6 सितंबर, 2025 को 1,800 सीटों वाले रॉय थॉमसन हॉल में एक भव्य कार्यक्रम में होगी।'

एक्टर टॉम बॉलीवुड में करना चाहते हैं काम

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबलः द फाइनल रेकनिंग' भारत में रिलीज हो गई है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक इवेंट में टॉम क्रूज ने इंडियन फैंस को खास तोहफा देते हुए खुलासा किया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से गहरा लगाव है और वह एक हिंदी फिल्म में काम करना चाहते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि भारत एक अद्भुत देश है, यहां के लोग और संस्कृति शानदार हैं। मुझे भारत से बहुत प्यार है। मेरा भारत का अनुभव मेरी यादों में बस गया है। जब मैं वहां पहुंचा, ताजमहल देखने गया और मुंबई में भी समय बिताया, मुझे हर पल बहुत अच्छी तरह याद है। इंटरनेशनल क्रश ने आगे कहा, मैं भारत में जाकर वहां पर फिल्म बनाना पसंद करूंगा। मुझे बॉलीवुड फिल्में बहुत पसंद हैं।

'जटाधारा' में सामने आया रौद्र रूप...

मुंबई। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार फिल्म 'निकिता रॉय' में नजर आई थीं, जिसे समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म मुंह के बल गिरी। आने वाले समय में सोनाक्षी कई बड़ी फिल्मों में अभिनय करती दिखेंगी। इन्हीं में से एक है 'जटाधारा'। इस फिल्म के जरिए सोनाक्षी तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। अब निर्माताओं ने 'जटाधारा' का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें सोनाक्षी का रौद्र रूप दिख रहा है। सुधीर और सोनाक्षी दिखे आमने-सामने टीजर में सोनाक्षी आकर्षक और गंभीर अवतार में दिख रही हैं। गहने, गहरे काजल से सजी आंखें, लाल बिंदी और माथे पर तिलक उन्हें एक उग्र रूप दे रहा है। 'जटाधारा' में सोनाक्षी का एक अलग ही अवतार देखने को मिलेगा।

'द पैराडाइज' में दिखा धांसू अवतार...

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'द पैराडाइज' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान श्रीकांत ओडेला ने संभाली है। फिल्म 'दशहरा' के बाद यह श्रीकांत और नानी के बीच दूसरा सहयोग है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सुधाकर चेरुकुरी इस फिल्म के निर्माता हैं। अब आखिरकार 'द पैराडाइज' से नानी की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमे उनका धांसू अवतार दिख रहा है। नानी पहले पोस्टर में जदल के रूप में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। 'द पैराडाइज' एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज किया जाएगा।

टीवी मसाला

'बिग बॉस 19' में आएंगी नजर 'अनुपमा' में बनीं थीं किंजल

मुंबई। निधि शाह छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवी शो 'अनुपमा' में किंजल का किरदार निभाया था, जिससे उनकी लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ। इस वक्त वह टीवी से दूर अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं। अब खबर आ रही है कि निधि सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 19वें सीजन में नजर आ सकती हैं, जिसकी मेजबानी सलमान खान करने वाले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, निधि शो 'बिग बॉस 19' में नजर आ सकती हैं। निर्माताओं ने अभिनेत्री से संपर्क किया है। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच बातचीत चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो निधि शो में दिखेंगी। अभिनेत्री इस शो में रुचि को दिखा रहे हैं, लेकिन उन्होंने अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। शैलेश लोढ़ा, गुरुचरण सिंह, रैपर रफ्तार और जेनिफर मिस्त्री को भी शो के लिए संपर्क किया गया है। 'बिग बॉस 19' को आप 24 अगस्त से जियो हॉटस्टार और कलर्स पर देख पाएंगे। चर्चा है कि इस बार शो में यूएई की हिजाबी डॉल हबूबू की भी एंट्री होगी। प्रतियोगियों की सूची में लता सभरवाल से लेकर आशीष विद्यार्थी, गौतमी कपूर, धीरज धूपर, अलीशा पंवार, मुनमुन दत्ता, अनीता हसनंदानी, कृष्णा श्रॉफ, कनिका मान, राज कुंद्रा, डेजी शाह, अर्शिफा खान, तनुश्री दत्ता, शरद मल्होत्रा, ममता कुलकर्णी, पारस कलनावत और मिकी मेकओवर का नाम शामिल है।

'पति, पत्नी और वो 2' में आयुष्मान के साथ नजर आएंगी 3 अभिनेत्रियां

मुंबई। अभिनेता आयुष्मान खुराना पिछली बार अनन्या पांडे के साथ फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया था। आने वाले समय में आयुष्मान एक से बढ़कर एक फिल्मों में अभिनय करते नजर आएंगे। इन्हीं में से एक 'पति, पत्नी और वो 2' है, जिसके निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

सामने आई ये दिलचस्प जानकारी : पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'पति, पत्नी और वो 2' में आयुष्मान के साथ एक नहीं, बल्कि 3 अभिनेत्रियां नजर आएंगी। सारा अली खान और वामिका गब्बी पहले ही इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। अब 'पति, पत्नी और वो 2' में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह की एंट्री हो गई है। जहां 'पति, पत्नी और वो' में 2 अभिनेत्रियों ने मुख्य भूमिका निभाई थी, वहीं इसके सीक्वल में 3 अभिनेत्रियां दिखाई देंगी।

सितंबर में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 'पति, पत्नी और वो 2' की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू हो जाएगी, वहीं यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म की कहानी लिखकर तैयार है। यह एक बेहतरीन सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें कई कलाकार नजर आएंगे। अन्य किरदारों के लिए कास्टिंग अभी चल रही है। मुदस्सर अजीज ने फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।

सुनीता आहूजा हो गई थीं 8वीं में फेल बोलीं- गोविंदा के साथ चक्कर चल रहा था

मुंबई। गोविंदा भले ही अपनी पेशेवर या निजी जिंदगी पर कम बात करते हों, लेकिन उनकी पत्नी सुनीता आहूजा सुर्खियों में रहने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। हाल ही में उन्होंने अपने स्कूल के दिनों पर बात की। सुनीता ने बताया कि जब वह 8वीं में फेल हो गई थीं तो उनकी मां ने गर्म तवे से उनका मुंह जला दिया था, क्योंकि उन्होंने झूठ बोला था। सुनीता ने ये भी बताया कि तब वह गोविंदा के साथ रिलेशनशिप में थीं।

मां ने दी थी झूठ बोलने की ऐसी सजा : *मीडिया से हालिया बातचीत के दौरान सुनीता ने कहा, मैं आठवीं क्लास में थी और फेल हो गई थी। मैंने अपनी मां को इसके बारे में नहीं बताया था और तब तक मैं गोविंदा के साथ रिश्ते में आ चुकी थी। मैंने अपनी मां से झूठ बोला कि मैं पास हो गई हूं। बस फिर क्या, मेरी मां ने तवा गरम किया और उसे मेरे गालों पर लगा दिया। मेरी मां बड़ी सख्त थीं। उन्हें झूठ से नफरत थी।*

किताब खोलते ही सुनीता को आने लगती थी नींद

सुनीता बोलीं, मेरी मां पढ़ाई पर बड़ा जोर देती थी। वो चाहती थी कि मैं पढ़ूं और मैं थी बिल्कुल विपरीत। मेरा पढ़ाई में कतई मन नहीं लगता था या कहें मुझे पढ़ाई से बड़ी नफरत थी। किताबें खोलते ही मुझे नींद के झोंके आने लगते थे। सुनीता ने बताया, एक बार मेरी बड़ी बहन मुझे पढ़ाई के लिए मजबूर कर रही थी, उसकी जिद से मुझे गुस्सा आ गया। मैंने एक ब्लेड ली और उससे उसकी जांघ काट दी थी।

पैसों की वजह से सुनीता को पसंद थी गणित

सुनीता ने बताया कि उन्हें केवल गणित पसंद थी, क्योंकि उन्हें पैसों से प्यार था। सुनीता ने गोविंदा से साल 1987 में शादी की थी। उन्होंने 1 साल तक अपनी शादी की बात दुनिया से छिपाई। अपनी बेटी टीना के जन्म के बाद ही इसकी घोषणा की। सुनीता के पिता इस शादी के सख्त खिलाफ थे और वह अपनी बेटी के इस खास दिन में शामिल भी नहीं हुए थे। टीना के जन्म के समय सुनीत 19 साल की थीं।

सुनीता को कैसे मिले थे गोविंदा? : गोविंदा अपने मामा के साथ रहते थे और सुनीता अक्सर अपनी बहन और जीजा (जो गोविंदा के मामा थे) के घर आती-जाती थीं। तकरार से शुरू हुई कहानी धीरे-धीरे प्यार में बदली और फिर 18 की होते ही सुनीता आहूजा ने गोविंदा से शादी कर ली। गोविंदा ने उस समय अपना करियर शुरू ही किया था। उनकी लोकप्रियता को नुकसान ना पहुंचे, इसके लिए सुनीता और अपनी शादी की बात को 1 साल तक सबसे छिपाकर रखा था।

कुछ हिस्सा बनने खुशी-खुशी मंजूरी दे चुके तो कुछ ने शो ठुकराने में देर नहीं लगाई

'बिग बॉस 19' ठुकरा चुके ये कलाकार, एक बोला- 20 करोड़ देंगे तो भी नहीं जाऊंगा

मुंबई। एक ओर जहां कुछ सितारे 'बिग बॉस' में जाने का सपना देखते हैं तो वहीं, कुछ ऐसे कलाकार भी हैं, जिन्हें नंबर 1 शो से कोई लेना-देना नहीं है। 'बिग बॉस 19' से अब तक कई सितारों का नाम जुड़ चुका है। कुछ इसका हिस्सा बनने के लिए खुशी-खुशी मंजूरी दे चुके तो कुछ ने करोड़ों रुपये ऑफर होने के बाद भी शो ठुकराने में देर नहीं लगाई। आइए जानें किन सितारों ने दिखाया 'बिग बॉस 19' को ठेंगा।

दिव्यांका त्रिपाठी और राम कपूर

खबरें थीं कि 'बिग बॉस' के निर्माता 'ये हैं मोहब्बतें' की इशिता भल्ला यानी लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी को शो में लाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, दिव्यांका ने कहा, फर्जी, ऐसी अफवाहें वो हर साल फैलाते हैं। उधर राम कपूर को भी शो का प्रस्ताव मिला था, जिस पर वह बोले थे, मैं कभी 'बिग बॉस' में नहीं जाऊंगा, भले ही वो मुझे 20 करोड़ रुपये दें क्योंकि इस तरह का शो मेरे लिए नहीं है।

मल्लिका शेरावत और डेजी शाह

खबरें थीं कि अभिनेत्री मल्लिका शेरावत इस साल शो का हिस्सा बनेंगी। हालांकि अभिनेत्री ने खुद इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मैं सारी अफवाहों पर विराम लगा रही हूं। मैं 'बिग बॉस' में नहीं जा रही हूं और ना कभी जाऊंगी।' दूसरी ओर अभिनेत्री डेजी शाह ने भी शो का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया था कि वह ना ये शो कर रही हैं और ना कभी करेंगी।

जन्नत जुबैर और एलनाज नोरौजी

अभिनेत्री जन्नत जुबैर 'बिग बॉस 19' को ठेंगा दिखा चुकी हैं। उन्होंने कहा था, मैं उस तरह की इंसान नहीं, जो बगैर किसी कारण शो में रहने के लिए चिल्लाऊं और झगड़ा करूं। उधर 'द ट्रेटर्स' और आगामी फिल्म 'मस्ती 4' से सुर्खियों में बनी हुई अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने प्रस्ताव इसलिए ठुकराया, क्योंकि वो सिर्फ लाइमलाइट नहीं, बल्कि लंबा और दमदार करियर बनाना चाहती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें इसके लिए 6 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया गया था।

अनीता हसनंदानी और जरीन खान

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी को भी 'बिग बॉस 19' का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसका हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया। अनीता बोलीं, ये शो मेरे जैसे व्यक्तित्व वालों के लिए नहीं बना है। मैं इसमें शामिल नहीं हो सकती। उधर जरीन खान ने ये कहकर शो ठुकरा दिया कि वह न तो 3 महीने अपने घर से दूर रह सकती हैं और ना ही दुर्व्यवहार बर्दाश्त कर सकती हैं। वो यहां गईं तो उनका हाथ उठ जाएगा।

आमिर खान के साथ सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बनाएंगे लोकेश कनगराज

मुंबई। आमिर खान पिछली बार फिल्म 'सितारे जमीन पर' में दिखे थे। इस फिल्म ने न सिर्फ बढ़िया कमाई की, बल्कि आमिर ने भी अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया। अब आमिर की आने वाली फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। एक ओर लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' में आमिर का कैमियो काफी चर्चा में हैं, वहीं लोकेश ने खुद आमिर के साथ एक अलग से बड़ी फिल्म बनाने का ऐलान कर दिया है लोकेश कनगराज ने हालिया बातचीत में स्वीकार किया कि आमिर के साथ फिल्म करने का मौका उन्हें 'कुली' में काम करने के बाद मिला। वह बोले, मैं हमेशा से आमिर के काम के प्रशंसक रहा हूं और अभिनेता को भी उनके साथ काम करने में मजा आया। जैसे-जैसे हमारे बीच अच्छा तालमेल हुआ, उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या हम साथ में कोई एक्शन फिल्म कर सकते हैं? उन्होंने काफी समय से कोई एक्शन फिल्म नहीं की है। लोकेश ने कहा, आमिर को कुली के एक्शन बहुत पसंद आए। मेरा सिनेमा स्कूल अलग है और उनका अलग। हालांकि, जब हम साथ आए तो उन्हें बहुत अच्छा लगा।

उद्योग हमारे लिए मंदिर और देवालय के समान

मध्यप्रदेश का जैविक कपास, चीन, जापान और वियतनाम से लेकर स्पेन तक हो रहा एक्सपोर्ट

- प्रधानमंत्री के स्वदेशी के भाव को चरितार्थ करती हैं प्रदेश की बढ़ती औद्योगिक गतिविधियां
- मुख्यमंत्री तामोट रायसेन में रक्षाबंधन महोत्सव में हुए शामिल
- सागर मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड टेक्सटाइल प्रोडक्शन का अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उद्योग हमारे लिए मंदिर और देवालय के समान हैं। मप्र का जैविक कपास, चीन, जापान और वियतनाम से लेकर स्पेन तक एक्सपोर्ट हो रहा है। राज्य सरकार कृषि के साथ-साथ औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और निवेश प्रोत्साहित करने के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है। दस अगस्त को रायसेन में ही रेल कोच बनाने के लिए कारखाने का भूमिपूजन होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक क्षेत्र तामोट, जिला रायसेन में सागर मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का परिदृश्य बदला है, भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ते हुए 15 वें से चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है। धार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अगस्त को टेक्सटाइल उद्योग के लिए पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन करेंगे। इससे मालवा और आसपास के जनजातीय अंचल के एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्रदेश में जारी औद्योगिक विकास की गतिविधियां प्रधानमंत्री के स्वदेशी के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम हैं। प्रधानमंत्री भोपाल को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात भी देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टैक्सटाइल यूनिट का भ्रमण कर यहां टैक्सटाइल प्रोडक्शन का अवलोकन किया। कार्यक्रम में ग्रुप की महिला कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर पवित्र रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित

सरकार की लड़ाई किसानों की मेहनत के लिए है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत सरकार की लड़ाई किसानों की मेहनत के लिए है। किसान कपास, सब्जी और फसलें उगाते हैं। उन्होंने स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बहनों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर 1500 रुपए का विशेष तोहफा दिया गया है। रोजगार परक उद्योगों में कार्य करने वाली बहनों को प्रतिमाह 6000 रुपए की वेतन सहायता दी जा रही है। राज्य सरकार प्रदेश के सभी वर्गों की समृद्धि के लिए कार्य कर रही है।

एसएएस से आईएएस में तीन अफसरों का लिफाफा बंद होने से नहीं हुआ निर्णय

16 अफसरों को होगा आईएएस अवॉर्ड

भोपाल। करीब दो साल से पेंडिंग चल रहे एसएएस से आईएएस के लिए आखिरकार डीपीसी करा ली गई। दिल्ली में हुई डीपीसी में राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को आईएएस अवॉर्ड होने का रास्ता साफ हो गया। डीपीसी के बाद अब 16 अपर कलेक्टर आईएएस कैडर में अफसर बन सकेंगे। इस डीपीसी में वर्ष 2023 और 2024 के लिए एसएएस से आईएएस के पदों पर प्रमोट करने अफसरों के नामों पर विचार किया गया। दरअसल, 2023 में सूची तैयार नहीं होने से एसएएस के अफसरों को आईएएस में प्रमोट करने 2023 में हुई डीपीसी के बाद बैठक नहीं हो सकी थी। 2023 में हुई डीपीसी में वर्ष 2022 के लिए पात्र 19 अपर कलेक्टरों को आईएएस अवॉर्ड किया गया था। दो साल से डीपीसी नहीं होने के बाद कुल 16 पद रिक्त हो गए थे। इस बार कुल 32 नामों पर विचार किया गया है। डीपीसी की बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ ही जीएडी कार्मिक के अफसर शामिल हुए। यूपीएससी के अफसरों के साथ मुख्य सचिव जैन शामिल हुए। जबकि अन्य अफसरों को भी पूरी तैयारी के साथ दिल्ली भेजा गया था।

डीपीसी में इन नामों पर विचार किया गया

इन दोनों वर्षो के लिए वर्ष 2008 व 2009 बैच के एसएएस अफसरों के आईएएस के कुल 16 पदों पर 32 अफसरों के नामों पर विचार किया गया। डीपीसी में जिनके नामों पर विचार किया गया, उनमें एनपी नामदेव, डॉ. कैलाश बुंदेला, कमलचंद नागर और जयेंद्र कुमार विजयवत तथा पंकज शर्मा को लेकर कुछ आपत्ति सामने आई है। इसी तरह मनोज मालवीय, नंदा भलावे कुशरे, सविता झारिया, अनिल डामोर, कमल सोलंकी, सारिका भूरिया, संतोष कुमार टैगोर, जितेन्द्र सिंह चौहान, शैली कनास, राकेश कुशरे, कविता बाटला, रोहन सक्सेना, आशीष पाठक, सपना अनुराग जैन, ईला तिवारी, मिनिषा पांडे, नीता राठौर, सपना लोवंशी, रंजना देवड़ा, रानी पासी, माधवी नागेन्द्र, प्रियंका गोयल, वर्षा सोलंकी, अभिषेक दुबे के नाम शामिल हैं।

- देशवासी स्वदेशी को अपनाकर भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और डॉलर के कुचक्र को तोड़ने का संकल्प लें : स्वामी रामदेव
- पतंजलि की स्पष्ट सोच, सिद्धांत व मन्तव्य है कि देश हमारा परिवार है : आचार्य बालकृष्ण

रक्षा बंधन पर रक्षा का संकल्प: धराली, उत्तरकाशी आपदा प्रभावितों के लिए पतंजलि ने भेजी राहत सामग्री

हरिभूमि हरिद्वार।

धराली उत्तरकाशी में आई भीषण त्रासदी में प्रभावितों की सहायता के लिए पतंजलि योगपीठ ने हाथ बढ़ाया है। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव जी, महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी तथा पतंजलि फूड्स के एम.डी. रामभरत जी ने प्रारंभिक तौर पर 3 ट्रक आपदा राहत सामग्री धराली, उत्तरकाशी रवाना की, और सम्पूर्ण देशवासियों से इस आपदा में प्रभावितों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी ने कहा कि इस त्रासदी में जो जीवन समाप्त हो गए उन्हें तो कोई लौटा नहीं सकता लेकिन जो लोग जो बाढ़ से बहुत ज्यादा प्रभावित हैं, ऐसे लगभग 500 परिवारों के रोजमर्रा की नितांत आवश्यक वस्तुएँ जैसे- आटा, चावल, दालें, नमक, मसाले, बरसात से बचने के लिए तिरपाल, बर्तन, टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन आदि हर्षिल, धराली रवाना की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मौसम की अनुकूलता होने पर आपदा पीड़ितों की और मदद की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ-साथ बड़ी स्वदेशी कम्पनियों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां उत्तराखंड में केवल पैसा कमाने आती हैं जबकि आपदा के समय इन्हें मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाना चाहिए।

रक्षाबंधन के अवसर पर योग गुरु स्वामी रामदेव ने देशवासियों से अमेरिका की गुंडागर्दी के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में एक न्यू वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा है। इसमें ब्रिक्स देश, भारत, रशिया, चाईना, मिडिल ईस्ट, यूरोप तथा जी-7 के कुछ देश एक साथ आगे आ रहे हैं जिससे अमेरिका की दादागिरि का मुकाबला किया जा सके और डॉलर का साम्राज्य खत्म किया जा सके। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि हम रक्षाबंधन के अवसर पर पूरी तरह से स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लें और भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने, रुपए को मजबूत बनाने और डॉलर के कुचक्र को तोड़ने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि ढाई सौ साल पहले एक विदेशी ईस्ट इण्डिया कंपनी ने भारत को गुलाम बनाया था और केवल 10 ताकतवर लोगों ने लगभग 64 ट्रिलियन डॉलर की लूट की थी। कुल मिलाकर भारत में पिछले 200-250 सालों में लगभग 100 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक लूट हुई है। आज राजनैतिक आजादी के बावजूद भी देश आर्थिक गुलामी, शिक्षा-चिकित्सा की गुलामी, वैचारिक सांस्कृतिक गुलामी, ग्लानि व कुण्डाओं में डूबा हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने टेरिफ रेट को लेकर पूरे विश्व में जो गुंडागर्दी कर रखी है उसे गुंडागर्दी का मुकाबला करने का समय आ गया। हमारे प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी भारत के मंत्र को अपनाएं, स्वदेशी से स्वावलंबी का संकल्प लें। भारत की करेंसी, जीडीपी तथा इकोनॉमी को हम तभी मजबूत बना पाएंगे जब हम स्वदेशी के मार्ग पर चलेंगे।

स्वामी जी ने कहा की उत्तराखण्ड में कच्चे पहाड़ हैं जो दरकते रहते हैं। लोगों ने भी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नदियों के किनारे और पहाड़ से आने वाले झरनों और नालों के किनारे तलहटी में आबादी बसाई हुई है। इसके लिए विचार करना होगा कि उत्तराखण्ड की बसावट कैसी हो, ताकि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनहानि न हो और बार-बार आपदाओं व त्रासदियों का सामना न करना पड़े। हमें पुनः आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि रक्षाबंधन का अर्थ है कि हम हमारी बहनों या समाज के किसी भी व्यक्ति की रक्षा अपनी सामर्थ्य के अनुसार कर पाएँ। दुर्भाग्य से उत्तराखण्ड में जो भयानक त्रासदी हुई, उसमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई। पतंजलि परिवार उसी दिन से शासन-प्रशासन व जमीनी स्तर पर संपर्क बनाए हुए है। करीब 500 परिवार इस भयानक त्रासदी में बहुत ज्यादा प्रभावित हैं। इनको लक्ष्य में रखकर हम प्रारंभिक तौर पर उन प्रभावितों के लिए आवश्यक सामग्री रवाना कर रहे हैं। पहले भी पतंजलि आपदा की घड़ी में देशवासियों के साथ खड़ा रहा है। इस आपदा के समय में भी पतंजलि प्रभावितों के साथ है। श्रद्धेय स्वामी जी के नेतृत्व में तत्काल राहत के लिए राहत सामग्री की यह पहली खेप पतंजलि से रवाना की जा रही है। श्रद्धेय स्वामी जी की भावना के साथ पूरा देश और दुनिया जुड़े। पतंजलि की यही स्पष्ट सोच, सिद्धांत व मन्तव्य है कि देश हमारा परिवार है। आचार्य जी ने कहा कि 2004 की सुनामी, 2008 में बिहार बाढ़, 2013 में केदारनाथ, उत्तराखण्ड बाढ़ से लेकर नेपाल भूकंप त्रासदी तक पतंजलि सबसे पहले प्रभावितों की मदद के लिए आगे आया है। हमारी यह प्रतिबद्धता आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता हमारी ही नहीं अपितु सब देशवासियों की होनी चाहिए।

इससे पहले पतंजलि योगपीठ में श्रावणी उपाकर्म, रक्षाबंधन पर्व मनाया गया जहाँ जिसमें बहन रेनू श्रीवास्तव, साध्वी देवप्रिया, डॉ. ऋतम्भरा शास्त्री, बहन अंशुल, बहन पारूल के साथ-साथ पतंजलि गुरुकुलम् व आचार्यकुलम् की छात्राओं तथा संन्यासिनी बहनों ने स्वामी रामदेव जी व आचार्य बालकृष्ण जी को राखी बांधकर रक्षा का आशीर्वाद लिया। साथ ही पतंजलि गुरुकुलम् तथा आचार्यकुलम् के छात्र-छात्राओं का उपनयन संस्कार कराया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने जाना मरीजों का हालचाल

मरवाही। जिला प्रवास के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सालय में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, परिसर में साफ-सफाई आदि के बारे में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन से जानकारी ली।

राशिफल

मेष: मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष: व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन: भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क: क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह: नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या: धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला: व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर: आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन: शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

प्रदेश में अब निरंतर हो रहा है उद्योगों का लोकार्पण और भूमिपूजन

स्वदेशी अभियान के जरिए हम बनाएंगे एक बेहतर कल, हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वदेशी अभियान के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। रायसेन जिले में हो रहा औद्योगिक निवेश मप्र के औद्योगिक परिदृश्य को एक नया आयाम देगा। यह न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा, बल्कि यहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और गतिशील भी बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रायसेन जिले के ग्राम तामोट में 416 करोड़ रुपए की लागत वाली नवीन औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 300 करोड़ रू लागत से 12 हैक्टेयर में 6 नवीन औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन हुआ और 116 करोड़ रू लागत की 06 इकाइयों का लोकार्पण हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी औद्योगिक परियोजनाओं से हजारों स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से स्थाई रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को साकार करने के लिए मप्र सरकार निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने तामोट, रायसेन में 416 करोड़ की औद्योगिक इकाइयों का किया लोकार्पण एवं

प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र का दिनों-दिन विस्तार

भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री देश-दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपतियों को निवेश करने के लिए मप्र लेकर आ रहे हैं। प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र का दिनों-दिन विस्तार हो रहा है।

उमरिया गांव में रेलवे के आधुनिक और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के पास उमरिया गांव में रेलवे के आधुनिक और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बीईएमएल रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री का भूमिपूजन करेंगे, जो मध्य भारत में ट्रेन कोचेस के निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। जबकि प्रधानमंत्री मोदी 25 अगस्त को पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन करने मप्र (धार) आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज 300 करोड़ रुपए की लागत से 12 हेक्टेयर रकबे में 6 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन हुआ है, जिसमें जेबीएम ऑटो, बालाजी रोटोमैक आदि शामिल हैं। इनसे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा।

नई नीतियों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रति फ्लाइट 15 लाख रुपए अनुदान

डॉ. यादव ने बताया कि एविएशन कनेक्टिविटी बढ़ाने प्रदेश की नई नीतियों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रति फ्लाइट 15 लाख रुपए अनुदान का प्रावधान है। योजना के तहत हम प्रदेश की एयर टूरिज्म पॉलिसी पर कार्य कर रहे हैं। जबलपुर, रीवा, सीधी को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। हमारी सरकार ने गरीब, श्रमिक और जरूरतमंदों को एयर एंबुलेंस की सुविधा दी है। सरकार मानवता के प्रति लोगों को जागरुक करते हुए सड़क हादसे के घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर राहवीर योजना में 25 हजार रुपए का पुरस्कार देगी।

गबन मामले में बैंक मैनेजर, कैशियर धराए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

नगर पालिक निगम को कैश मैनेजमेंट सर्विसेज के माध्यम से राजस्व का नुकसान पहुंचाने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि आशीर्वाद प्रियांशु 29 वर्षीय वही 42 वर्षीय अरूण मिश्रा को इस मामले में आरोपी बनाया गया है। आरोपियों ने एक्सिस बैंक में निगम की राजस्व राशि का गबन किया। कुल राजस्व राशि 91,68,042 थी, जिसमें से केवल 12,25,768 जमा हुए। वही 79,42,274 की राशि जमा नहीं हुई थी। मामले का खुलासा तब हुआ जब निगम कर्मी डाटा चेक कर रहे थे इस दौरान उनके अकाउंट में पैसा जमा हुआ ही नहीं था तब इसकी शिकायत कुछ माह पहले सिविल लाइन थाना पुलिस में निगम के अधिकारी के द्वारा की गई थी।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
Vishwakarma Boy DOB: June 1980 / 5'7" Own Business In Noida seeks homely girl, no dowry, caste no bar
Whtsapp: 9407984000, 9995552924

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5954

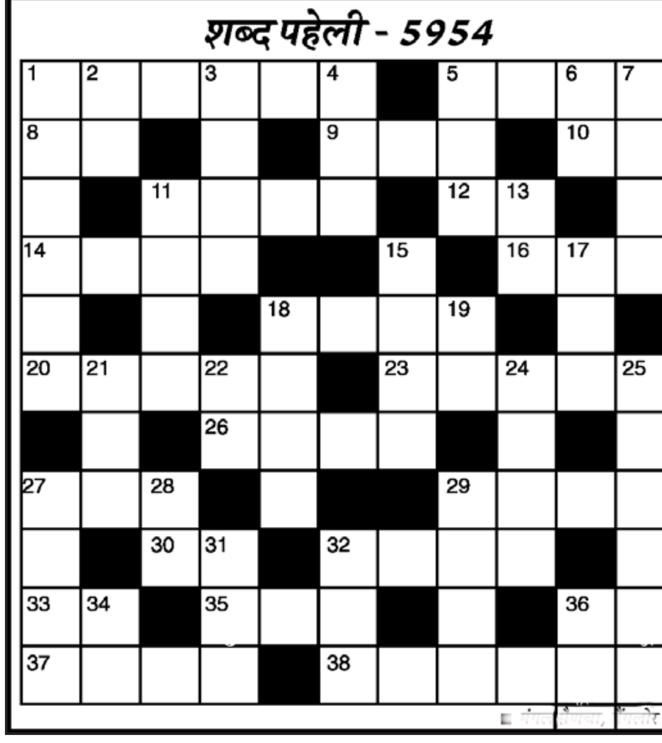

बाएँ से दाए
1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली- 5953 का हल

सूडोकु नवताल - 5964

कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5963 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

आवरण कथा
ओम निश्चल

79वां स्वतंत्रता दिवस
आजादी की फलश्रुति

हम सब देशवासी आगामी 15 अगस्त 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएंगे। कदम-कदम आगे बढ़ते हुए हमने कई अभूतपूर्व सफलताएं हासिल कीं, नए-नए मुकाम को छुआ। हम निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर भी हैं। लेकिन आज भी देश में कुछ ऐसी चुनौतियां बरकरार हैं, जिनका निवारण किए बिना हम अपना प्राचीन गौरव प्राप्त नहीं कर पाएंगे। इसके लिए देश के हर नागरिक के मन में स्वाधीनता के प्रति सम्मान भाव होना अत्यंत आवश्यक है।

एक-एक कदम हौले-हौले चलते हुए हम सब भारत देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। एक लंबी यात्रा हमने आजादी के बाद तय कर ली है। 1947 से 2025 तक की स्वातंत्र्योत्तर यात्रा में देश ने तमाम क्षेत्रों में बहुत तरक्की की है, कृषि उत्पादन एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की है वरना एक ऐसा दौर था, जब गेहूं भी अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उद्योग धंधों के क्षेत्र में भी लघु उद्योग सेक्टर और मझोले उद्योगों की स्थापना एवं विकास में देश ने मजबूती से कदम रखा है। तकनीकी सामर्थ्य की दिशा में भी देश ने अग्रतर स्थिति हासिल की है। आजादी के बाद बनी पंचवर्षीय योजनाओं के फलस्वरूप हर क्षेत्र में देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हुआ। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े बांध बने, विद्युत परियोजनाएं लगाई गईं, सिंचाई के लिए नहरों का संजाल तैयार किया गया। बड़े-बड़े हाईवेज बने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ ताकि हर व्यक्ति को बैंकिंग योजनाओं का लाभ मिले। यानी, आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है।

हर वर्ग ने निभाई अपनी भूमिका: आजादी की लड़ाई किसी एक व्यक्ति, मजहब, संस्कृति या समुदाय ने नहीं लड़ी थी। इसमें तैंतीस करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी रही थी। राजनैतिक आजादी तो सन 1947 में ही हमें मिल गई थी। लेकिन आजादी का मिलना तब सार्थक हो सकता है, जब सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हर क्षेत्र में देश तरक्की, करता हुआ दिखे। यों तो इस आजादी को हासिल करने में नेता, पत्रकार, किसान, मजदूर, किशोर, युवा, वृद्ध, स्त्री-पुरुष सबका योगदान रहा। उसके परिणामस्वरूप ही हमें आजाद भारत मिल सका। आजादी के बाद हासिल उपलब्धियों को तो हम सब देखते ही हैं, लेकिन एक लेखक हर क्षेत्र में आजादी की आकांक्षाओं के प्रतिफल को गहराई से महसूस करता है। वह नेता, अभिनेता, चिंतक, समाजशास्त्री एवं अर्थशास्त्री आदि अनेक भूमिकाओं में होता है। वही होता है, जो बिना लाग-लपेट के देश की वाकई तरक्की को अपने मानक पर कसता है, तभी वह दुष्यंत कुमार के शब्दों में यह लिख सकता है-*यहां तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियां। हमें मालूम है पानी कहां ठहरा हुआ होगा।*

दुर्भाग्यवश धीरे-धीरे कलमकार भी अपनी नैतिकता भूलते गए। इसी पर कवि गोपाल सिंह नेपाली ने अपने एक गीत में लिखा है-
तुझ-सा लहरों में बह लेता/ तो मैं भी सत्ता, गह लेता/ ईमान बेचता चलता तो/ मैं भी महलों में रह लेता/ हर दिल पर झुकती चली मगर/ आंसू वाली नमकीन कलम/ मेरा धन है स्वाधीन कलम/ आजादी मिलने का मोह भंग भी हुआ।

धीरे-धीरे लेखक की स्वाधीन चेतना भी सुप्त हो गई, उसकी कलम पूंजीपतियों और इजारेदारों के गुण गाने लगी। यही वजह है कि विभाजन के दंश और आजादी के लिए 1857 से किए गए संघर्ष के बाद और जलियांवाला बाग के नृशंस हत्या कांड के बाद मिली आजादी का फल लूटने में होड़ लग गई। देश बनाने वाले और उसे स्वाधीन कराने वाले तो नेपथ्य में चले गए और स्वार्थी लोग चांदी काटने लगे।

आजादी मिलने के बाद आजादी मिलने का मोहभंग भी उतना ही प्रभावी हुआ और होता गया। यह ऐसा ही दौर था, जब 'मैला आंचल', 'पानी के प्राचीर' और 'राग दरबारी' जैसी रचनाएं लिखी गईं। लिहाजा आजादी मिलने की उपलब्धियों की बंदरबांट होने लगी।

आजादी के शुरुआती दौर में अज्ञेय जैसे कद्दावर लेखक ने भी एक निबंध में लिखा था, 'मिला सब कुछः सब बेपेंदी का। शिक्षा मिली उसकी नींव, आत्म गौरव नहीं मिला, राष्ट्रीयता मिली, उसकी नींव, अपनी ऐतिहासिक पहचान नहीं मिली, यानी आजादी में जन्मे-पले मुझको-आजादी के आदि पुरुष को चेहरा मिला, व्यक्तित्व नहीं मिला... और बिना व्यक्तित्व के चेहरा क्या होता है? स्पष्ट है कि वह फकत चेहरा होता है। पहन लो, उतार लो, उस पर अलकतरा पोत दो चूना लगा दो... और यही सब तो हम कर रहे हैं... हर कोई कर रहा है।' (कवि मन, पृष्ठ 63) हमारे समय के एक बड़े कवि का यह विक्षुब्ध कथन है आजादी और उसकी फलश्रुति को लेकर।

क्यों बंटते गए दायरों में हम: यह सोचने की बात है कि जिस जज्बे से आजादी पाने के लिए हर नागरिक संघर्षरत था। सभी धर्म, संप्रदाय, जाति, वर्ण के लोग, यहां तक कि पूंजीपति भी देश की आजादी के लिए तन, मन, धन से लगे थे। सभी में राष्ट्रीय चेतना की अलख जग रही थी। भले आजादी के महासमर में गांधी, सुभाषचंद्र बोस, नेहरू और पटेल जैसे चंद बड़े नायक ही नजर आते हों पर आजादी की लौ जलाने में सभी का बराबर का हाथ रहा है। किंतु क्या हमने कभी सोचा कि इस आजादी का हमने क्या किया? हम मजहबी संकीर्ण दायरों में बंटते गए, हम वर्णों, जातियों, नस्लीय भेदभाव में बंटते गए, हम उत्तर-दक्षिण में बंटते गए। जिस आजादी के लिए सबका खून-पसीना बहा, उस आजादी की हम कीमत वसूलने में लग गए। भारत माता के लिए इससे बड़ी चिंता की बात क्या हो सकती है।

वैश्विक शक्ति बनने का सामर्थ्य: इतनी विषमताओं के बावजूद, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।' भारत विश्व की कूटनीति के सम्मुख अडिग होकर खड़ा रह पाया है तो यह इसकी सफल विदेश नीति का ही परिचायक है। देखते-देखते देश तरक्की की पायदान पर अग्रसर है। देश तमाम क्षेत्रों में आत्मीनिर्भर हुआ है, जहां सुई तक नहीं बनती थी, आज हम अनेक चीजें, शोधित तेल, खाद्यान्न, वस्त्रादि विदेशों को निर्यात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रभुत्व में सिलीकॉन वैली के भारतीय तकनीकविदों की बड़ी भूमिका है। भारत आजादी के इन अठहत्तर सालों में आज आर्थिक स्तर पर एक महाशक्ति बन चुका है। सैन्य शस्त्रों और अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में हम निरंतर नए क्षितिज को स्पर्श कर रहे हैं। यही नहीं सदियों पुरानी अपनी संस्कृति व ज्ञान परंपरा के नाते हम विश्वगुरु बनने का भी सामर्थ्य रखते हैं। यह ऋषियों, संतों, महात्माओं की तपोभूमि रही है, यह अपरिग्रह, सदाचार, अहिंसा और सर्वधर्मसमभाव की भूमि है। हमने पूरी विश्व-वसुधा को मानवता के नाते एक समझा है। हमने विश्व के कमजोर मुल्कों का हर मुसीबत में साथ दिया, हर स्तर पर विश्व शांति की पहल और अपीलें की हैं। हमने विश्व स्तर पर रंगभेद का विरोध किया। इसीलिए विश्व में हमारी सबसे अलग प्रतिष्ठा है।

सशक्त राष्ट्र निर्माण में निभाएं भूमिका: हालांकि अभी हमारे सम्मुख चुनौतियां भी कम नहीं हुई हैं। चिंता इस बात की है कि दलीय संकीर्णताएं ज्यादा हावी हैं, जाति, मजहब विचारधारा और सामाजिक स्तर पर लोग बंटे-बंटे से नजर आते हैं। आज आजाद हुए 78 साल हो गए हैं पर हम न भूलें कि अब यह बाहर से दिखने वाली गुलामी का दौर नहीं, यह सूक्ष्म गुलामी का दौर है- हमारी भाषा, हमारी संस्कृति, हमारे सोच पर हमले इतने सूक्ष्म हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है। ऐसे सूक्ष्म हमलों के प्रति हमें सावधान रहना है। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए हमें आपस में बांटने वाली सोच और अलगाववादी ताकतों से सावधान रहना होगा। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहां हर नागरिक स्वाभिमान का अनुभव कर सके और उसे यह लगे कि यह देश उसका है, उसके सुख-दुख का साथी और उसके हितों का पहरुआ है। तभी सही मायने में देश का हर नागरिक स्वयं को आजाद, समृद्ध और सुरक्षित महसूस करेगा। इसके लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर भूमिका निभाने के लिए संकल्पित होना होगा। *

सदियों के संघर्ष के बाद आर्थिक रूप से कमजोर देश रहा भारत, आज अगर विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना है तो इसके पीछे हमारा निरंतर संघर्ष और सही दिशा में किया गया प्रयास ही रहा है। कैसे हासिल की हमने यह उपलब्धि, उस पर एक नजर।

हर चुनौती को पार कर
हम बने आर्थिक महाशक्ति

उपलब्धि
लोकमित्र गौतम

ढाई शताब्दियों तक परतंत्र रहने के बाद जब 1947 में भारत आजाद हुआ, तो हमें राजनीतिक आजादी तो मिल गई, लेकिन आर्थिक आजादी अभी भी दूर का सपना था। इस राजनीतिक आजादी के लिए हमने विभाजन की जो विभीषिका झेली थी और ढाई शताब्दियों तक हमारा जिस तरह से औपनिवेशिक शोषण हुआ था, उस सबके कारण कृषि पर आधारित हमारी अर्थव्यवस्था बेहद पिछड़ी हुई थी और औद्योगिकीकरण का हमारे पास लगभग न के बराबर आधार था। ऐसे में आजादी के बाद भारत को अपनी आर्थिक दिशा खुद तय करनी थी। हर तरफ चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। लेकिन इन्हीं चुनौतियों के बीच से हमने 78 सालों में अपनी जो आर्थिक यात्रा तय की है, वह महज आंकड़ों का खेल नहीं है। वह हमारे 78 वर्षों की अथक मेहनत, आत्मावलोकन और साहसिक निर्णयों का परिणाम है।

फर्श से पहुंचे अर्श पर: हमारी आर्थिक उपलब्धि, किसी तरह की तुलना या इम्तिहान के लिए नहीं है। हमने पिछले 78 सालों में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो हमारे आत्मगौरव की जीती-जागती कहानियां हैं। साल 1947 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज की कीमतों पर महज 2.7 लाख करोड़ रुपए था। जबकि 78 सालों बाद आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2024-25 के आकलन के मुताबिक हमारा सकल घरेलू उत्पाद 33.2 लाख करोड़ रुपए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने 78 सालों में करीब 3100 फीसदी आर्थिक प्रगति की है। ये उपलब्धियां और ये आर्थिक विकास हमने पिछले 78 सालों में दिन-रात की मेहनत के बाद हासिल किया है।

करना पड़ा कठिन संघर्ष: जब भारत से अंग्रेज गए थे, तो हमारा औद्योगिक उत्पादन नगण्य था। हमारा बुनियादी ढांचा पूरी तरह से ध्वस्त था, क्योंकि आजादी के लिए हमने 1857 से लेकर 1947 तक यानी 90 साल तक युद्ध लड़ा था। इस कारण अंग्रेज इस दौरान भारत के अधिक से अधिक संसाधन लूटकर इंग्लैंड ले गए थे और जब उनको ये मालूम पड़ा कि वह अब भारत में नहीं रह सकते, तो उन्होंने हमारे बुनियादी आर्थिक विकास पर विशेषकर औद्योगिक विकास पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया बल्कि अपने ढाई सौ सालों के कार्यकाल में उन्होंने जो आर्थिक ढांचा खड़ा किया था, उसे भारत से जाने के पहले बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। जिस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था, हम मूलतः कच्चा माल आपूर्ति करने वाले एक उपनिवेश देश भर थे। इसलिए जरूरी था कि आजादी के बाद भारत का पूरी तरह से आर्थिक पुनर्निर्माण होता और ऐसा ही हुआ।

निरंतर बढ़ते रहे आगे: साल 1950 से 1980 के दौरान भारत ने नियोजित अर्थव्यवस्था की जबर्दस्त कीमत चुकाई। क्योंकि योजनाबद्ध ढंग से विकास करने का एकमात्र यही रास्ता था। जिस कारण लंबे समय तक हमारी आर्थिक विकास दर 3 से 3.5 के बीच रही। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी विकास दर के दौरान हम परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, हरित क्रांति और देश में भारी उद्योगों का निरंतर जाल भी बिछाते रहे, जो हमारी अथक मेहनत और दूरदृष्टि का नतीजा था।

लागू किए आर्थिक सुधार कार्यक्रम: 78 सालों के विकास क्रम को देखें तो 1991 के बाद वैश्विक दबावों के बीच हमने आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए, विशेषकर 1991 में तब, जब हमारे पास सिर्फ 15 दिनों के आयात भर के लिए विदेशी मुद्रा शेष थी। उस समय हमने आईएमएफ के पास अपना सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया और आज स्थिति यह है कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 650 अरब डॉलर से भी ज्यादा का है। 2024 में तो एक समय यह 724 अरब डॉलर की ऊंचाई को भी पार कर गया था। आज भारत आईटी, फार्मा, रक्षा, डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आर्थिक ताकत है।

दूर करनी होंगी कमजोरियां: हालांकि हमारी अर्थव्यवस्था की कुछ बड़ी कमजोरियां भी हैं, जो आज भी हमें प्रतिव्यक्ति आय के मामले में दुनिया के गरीब देशों की कतार का हिस्सा बनाती हैं। आज भी भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार नहीं है, जिस कारण गांवों से शहरों की ओर तूफानी रफ्तार से पलायन हो रहा है। हमारे देश के असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों की आज भी पहाड़ सरीखी चुनौतियां हैं और आज भी हमारे विदेशी मुद्रा भंडार का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कच्चे तेल के आयात पर खत्म होता है। बावजूद इसके भारत आज अपने आपमें एक आर्थिक शक्ति है। साल 2017 के बाद से अब तक हम दुनिया के सर्वाधिक तीव्र गति से विकास करने वाले देश हैं। *

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

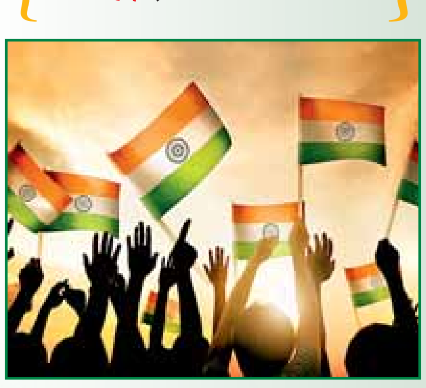

शोभित,सुरभित,तेजमय,पावन अरु अभिराम।
राष्ट्र हमारा मान है, लिए उच्च आयाम।।

राष्ट्र-वंदना मैं करूं, करता हूं यशगान।
अनुपमेय, उत्कृष्ट है, भारत देश महान।।

नदियां, पर्वत, खेत, वन, सागर अरु मैदान।
नैसर्गिक सौंदर्यमय, मेरा हिंदुस्तान।।

लिए एकता अति मधुर, गीता और कुरान।
दीवाली-होली सुखद, एक्यभाव-पहचान।।

सारे जग में शान है, मान रहा संसार।
राष्ट्र हमारा है प्रखर, फैलाता उजियार।।

मातु-पिता, गुरु, नारियां, पातीं नित सम्मान।
संस्कार मम राष्ट्र की, है चोखी पहचान।।

तीन रंग के मान से, हैं हम सब अभिभूत।
राष्ट्रवंदना कर रहे, भारत मां के पूत।।

राष्ट्रप्रेम अस्तित्व में, आया नवल विहान।
कण-कण करने लग गया, भारत का यशगान।।

भारत की सीमाओं पर, जमे हुए हैं लाल।
शौर्य, वीरता देखकर, होते सभी निहाल।।

आजादी की वंदना, करता सारा देश।
आओ, हम रच दें यहां, वासंती परिवेश।।

सरोकार
शैलेंद्र सिंह

तब नई पीढ़ी भी समझेगी
स्वाधीनता की कीमत

देश की जो पीढ़ी पिछली सदी के अंत में या इक्कीसवीं सदी में जन्मी है, उसकी जीवनशैली कई मायने में विशिष्ट है। इसलिए उनको स्वाधीनमा की कीमत समझाने के लिए कुछ अलग प्रयास करने होंगे।

आजादी का मतलब सिर्फ गुलामी से मुक्ति भर नहीं होता। आजादी उस आत्मसम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की अनुभूति है, जो किसी भी समाज के पूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन जब हम आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर अपनी डिजिटल पीढ़ी यानी जेन जेड और अल्फा जनरेशन की तरफ नजर उठाकर देखते हैं, तो बहुत निराशा होती है, क्योंकि इन्हें आजादी की कीमत का मानो कोई भान ही नहीं है। दरअसल, इन पीढ़ियों के लिए आजादी एक डिफॉल्ट सेटिंग की तरह है। ये पीढ़ी किसी संघर्ष या बलिदान की विरासत की हिस्सेदार नहीं रही है और न ही इसे आजादी के लिए अपनी जिंदगी में किसी तरह की कोई कीमत चुकानी पड़ी है। ऐसे में इन्हें आजादी की कीमत भी समझ आए तो भला कैसे?

डिजिटल जनरेशन की दुनिया: हमारी जेन जेड और अल्फा जनरेशन वास्तव में डिजिटल जनरेशन है। इनकी दुनिया इसके पहले की पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इन्हें 24X7 मोबाइल चाहिए, रील चैटबॉट और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स भी चाहिए। इनके पास सूचना का अकूत भंडार है, लेकिन अपने अनुभवों की मुट्ठी भर पूंजी नहीं है। स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, पसंद का पहनावा और प्यार जैसी हर चीज पर इनका अधिकार है और इनको लगता है यह तो सब जन्मसिद्ध अधिकार है यानी, ये तो हर किसी को मिलते ही मिलते हैं। इनके दिमाग में कभी नहीं आता कि संविधान प्रदत्त अधिकार हमें कितनी कुर्बानियां देकर मिले हैं? हमारी पूर्वज पीढ़ियों को इन्हें पाने के लिए कितनी यातनाएं सहनी पड़ी थीं? न जाने कितने लोग जेल गए, न जाने कितने लोग जेल में ही मर गए, हजारों लोगों ने फांसी का फंदा चूमा। आजादी के लिए अपने सारे सपनों को दांव पर लगा दिया, तब कहीं जाकर हमें यह आजादी मिली है। लेकिन डिजिटल जनरेशन को इस सबका प्रायः कोई एहसास नहीं होता है।

नए जमाने की जीवनशैली: हालांकि यह नई जनरेशन संवेदनहीन नहीं है। जलवायु परिवर्तन के लिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए, लैंगिक समानता के लिए और जानवरों को लेकर संवेदनशीलता इस पीढ़ी में भी खूब है। मगर अपने जमाने के मुद्दों के लिए। नई पीढ़ी विरोध और विद्रोह करने से नहीं डरती बल्कि पिछली पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यवस्थित सुधारों और बदलावों की मांग करती है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि इसका ज्यादातर विरोध ऑनलाइन होता है या कहें यह ऑनलाइन विरोध के लिए खुद को ज्यादा फिट पाती है। वास्तविक धरातल पर इसे उतरना कम पसंद है। उनकी इस सोच के लिए नई पीढ़ी को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाली पुरानी पीढ़ी को भी कुछ बातें याद रखनी होंगी। पुरानी पीढ़ी के लोग सोचते हैं देश, दुनिया, इतिहास और वर्तमान को लेकर जिस तरह की सोच वो रखते हैं, वैसी ही यह नई पीढ़ी भी रखे। सवाल है, आज की पीढ़ी क्यों अपनी पिछली पीढ़ियों की तरह आजादी को लेकर संवेदनशील नहीं है?

पिछली पीढ़ी निभाए दायित्व: मध्य वय और बुजुर्ग वय से गुजर रही पीढ़ी को समझना होगा कि सिर्फ कुछ ऐतिहासिक घटनाओं की बात करने भर से नई पीढ़ी आजादी की लंबी लड़ाई को लेकर अपने पूर्वजों की कृतज्ञ नहीं हो जाएगी। हमें इस पीढ़ी को उन लाखों लोगों की सच्ची कहानियां भी बतानी होंगी, जो साधारण लोग थे और आजादी के लिए कुर्बान हो गए। हजारों किसान, लाखों मजदूर, आदिवासी, स्त्रियां, पत्रकार, आम दस्तकार और शिक्षक जैसे सैकड़ों विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने आजादी के लिए अपने आपको मिटा दिया। हमारी नई पीढ़ियां आजादी में सांस ले सकें, इसलिए पुरानी पीढ़ियों ने खुद को आजादी के संघर्ष की नींव में कैसे गला दिया। हमें नई पीढ़ी को बिना लाग-लपेट के, बिना किसी तरह के अतिवादी जिक्र के, इन आम लोगों के दुख दर्द को भी साझा करना होगा। हमें नई पीढ़ी को ये समझाना होगा कि लाखों जीवंत उदाहरणों से कि हमें जो आजादी मिली है, वह तर्क-वितर्क से नहीं मिली, वह कुछ गिने चुने लोगों के प्रताप से नहीं मिली बल्कि लाखों लोगों की कुर्बानियों से मिली है। जब हम अपनी नई जनरेशन को आजादी की लड़ाई लड़ने वाली पीढ़ी का समूचा ब्योरा सौंपेंगे, तब कहीं जाकर इस पीढ़ी में इस सबके प्रति संवेदना उमड़ेगी। हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि संविधान का उपहार हमें यूं ही नहीं मिल गया।

उनके सवालों का दें तार्किक जवाब: नई पीढ़ी अकसर सवाल पूछती है कि स्वाधीनता सेनानियों ने ऐसा क्यों नहीं किया? वैसा क्यों नहीं किया? तो हमें इस पीढ़ी को बताना होगा कि यह पूरा मसला महज कुछ चाहने और कह देने भर का नहीं था। ये बेहद जटिल और बेहद दुरुह मसले थे, इतना आसान नहीं है यह कहना कि फलां ने यह क्यों नहीं किया? कई बार इतिहास की कुछ विरासतें हमारे नियति का हिस्सा होती हैं। विभाजन भी ऐसी ही नियति थी। पुरानी पीढ़ी को जरूरत है कि वह नई पीढ़ी के लिए सिर्फ उपदेशक न बने, बल्कि इस बात की गहराई से पड़ताल करे कि आखिर उसे आजादी के अथक संघर्ष को लेकर उतनी संवेदनशीलता क्यों नहीं है, जितनी होनी चाहिए? तब हम नई पीढ़ी को आजादी की कीमत समझाने में सफल हो सकेंगे। अगर आज की नई पीढ़ी अपने तरीके से आजादी की परिभाषा गढ़ना चाहती है, तो यह उसका हक है। लेकिन जिन्होंने आजादी की लड़ाई में खुद को कुर्बान करके हमारे लिए स्वतंत्रता अर्जित की है, उन्हें यूं ही नहीं भूला जा सकता। पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी को इसके महत्व और इसकी संवेदनशीलता को समझाए। यह पीढ़ी तेज है, त्वरित अंदाज में निर्णय लेती है, इसलिए अगर इस पीढ़ी को यह बात सही तरीके से बता दी जाए कि हमें जो आजादी हासिल है, वह लाखों लोगों के बलिदान और देशभक्ति का नतीजा है, तो नई पीढ़ी को आजादी का पाठ पढ़ाना और उसके लिए पर्याप्त संवेदनशील बनाना इतना मुश्किल नहीं होगा। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

प्रतिबंधित पत्रकारिता के अनसुने किस्से

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सिर्फ आंदोलनकारी ही जेल नहीं भेजे गए बल्कि आंदोलन के समर्थन में पत्र-पत्रिकाएं निकालने वाले अनेक संपादकों को भी जेल में डाल दिया गया था। साथ ही अनेक अखबार या उनके विशेष अंक प्रतिबंधित कर दिए गए थे। ऐसे ही प्रतिबंधित अंकों की खोजबीन कर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के प्रोफेसर, संतोष भदौरिया ने उसे पुस्तक रूप दिया है, जिसका नाम है-अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता।

किताब भारत में स्वाधीनता आंदोलन के विकास की चर्चा से शुरू हुई है, जिसमें लेखक ने इसके विभिन्न चरणों के बारे में संक्षिप्त किंतु उपयोगी जानकारी दी है। इसमें लेखक ने स्वाधीनता आंदोलन के विभिन्न चरणों की विशेषताओं के साथ व्यावहारिक कमियों को भी उजागर किया है। साथ ही आंदोलन के उत्तरोत्तर विकास का क्रमबद्ध तरीके से वर्णन किया है। लेखक ने अंग्रेजी राज में प्रतिबंधित, प्रेस अधिनियम के चलते बंद या आर्थिक अभाव की वजह से बंद हुई सभी पत्र-पत्रिकाओं का लगभग पूरा इतिहास खंगालने का प्रयास किया है।

पुस्तक इस मायने में बेहद दिलचस्प है कि प्रतिबंधित पत्रिकाओं में छपे विचार, लेख, कविताओं के अंश भी इसमें दिए गए हैं, जिन्हें आज के समय में पढ़ना एक नए अनुभव से गुजरना है। उस दौर के लेखकों की क्रांतिकारी कविताओं को पढ़कर उस वक्त के भारतीय लोगों के मन में मौजूद राष्ट्रप्रेम के उफान को समझा जा सकता है। मिसाल के तौर पर 'बुंदेलखंड केसरी' में छपी एक कविता को देख सकते हैं, 'देख दशा भारत की हमने निश्चय मन में ठाना है। मातृभूमि की बलिवेदी पर निज बलिदान चढ़ाना है।' प्रतिबंधित पत्र-पत्रिकाओं के छपने के तमाम अनसुने किस्सों को पढ़कर यह पता चलता है कि किताब को लिखने के लिए लेखक ने शोध कार्य में कितना परिश्रम किया है। यह उनके परिश्रम का ही नतीजा है कि किताब ऐतिहासिक विषय पर आधारित होने के बावजूद कहीं भी बोझिल नहीं लगती है। यह पुस्तक उस दौर की प्रतिबंधित पत्रकारिता के क्रमिक इतिहास को सुगठित तरीके से प्रमाणित सूचनाओं के आधार पर प्रस्तुत करती है। *

किताब: अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता, **लेखक:** संतोष भदौरिया, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

शुभमन की लॉर्ड्स वाली जर्सी पर लगी लाखों की बोली, 5.41 लाख में बिकी

पंत की टोपी का 1.76 लाख रुपए लगा मोल

नई दिल्ली। सीरीज खत्म होने के बाद भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के इस्तेमाल किए गए कई सामान की चैरिटी ऑक्शन में नीलामी की गई। इस नीलामी में शुभमन गिल की टीशर्ट ने सबसे ज्यादा दाम में बिकी है। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल का पहला इंग्लैंड दौरा काफी शानदार रहा। इस मैच में भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने अपनी बैटिंग और कप्तानी से सबका दिल जीत लिया। पांच मैचों की सीरीज में शुभमन गिल ने 10 पारियों में 754 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक और चार शानदार शतक शामिल है। भारतीय टीम ने इस सीरीज को 2-2 की बराबरी के साथ खत्म किया। सीरीज खत्म होने के बाद भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के इस्तेमाल किए गए कई सामान की चैरिटी ऑक्शन में नीलामी की गई। इस नीलामी में गिल की टी-शर्ट ने सबसे ज्यादा दाम में बिकी। ये नीलामी 'रेड फॉर रूथ' नामक चैरिटी फाउंडेशन ने आयोजित की थी, जिसमें खिलाड़ियों की टी-शर्ट के साथ-साथ कैप, बैट और मैच टिकट जैसे कई अन्य क्रिकेट स्मृति चिन्ह भी शामिल थे।

बुमराह और जडेजा की जर्सी करीब 4.94 लाख में बिकीं

लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान शुभमन गिल की पहनी और साइन की गई टीशर्ट को नीलामी में लगभग 5.41 लाख रुपए में खरीदा गया। इस नीलामी में गिल की जर्सी सबसे मंहगी बिकी थी। गिल के अलावा जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा की साइन की हुई जर्सी करीब 4.94 लाख रुपए में बिकीं और संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केएल राहुल की जर्सी करीब 4.70 लाख रुपए में तीसरे स्थान पर रही।

जो रूट के जर्सी भी रही महंगी : इंग्लैंड की ओर से जो रूट की जर्सी सबसे महंगी रही, जो करीब 4.47 लाख रुपए में बिकी, जबकि बेन स्टोक्स की जर्सी करीब 4 लाख रुपए में नीलाम हुई।

क्या है 'रेड फॉर रूथ' अभियान

लॉर्ड्स टेस्ट में हर साल एक दिन "रेड फॉर रूथ" अभियान के लिए रखा जाता है, जिसे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी पत्नी रूथ स्ट्रॉस की याद में शुरू किया था, जिनका निधन कैंसर से हुआ था। इस दिन क्रिकेटर, कमेंटेटर और दर्शक सभी लाल कपड़े पहनते हैं। अब यह पहल क्रिकेट के सालाना कैलेंडर का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत-इंग्लैंड मैच से पहले फाउंडेशन ने बताया कि पिछले छह सालों में फैंस के सहयोग और उदारता से उसने 3,500 से ज्यादा परिवारों को अपने प्रियजनों के खोने के दुख से उबरने में मदद की है और 1,000 से ज्यादा कैंसर देखभाल एक्सपर्ट को शोक से निपटने की ट्रेनिंग दी है।

खबर संक्षेप

अहलावत 25वें स्थान पर, शुभंकर कट से चूके

एबेरडीन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने डीपी वर्ल्ड टूर पर नेक्सो चैंपियनशिप के दूसरे दौर में इवन पार के कार्ड के साथ कट हासिल किया। अहलावत ने अपने पहले दौर के 73 के कार्ड में 72 के कार्ड का इजाफा किया, जिससे दो दिन में उनका स्कोर एक ओवर हो गया। इससे वह संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। अहलावत ने दूसरे दौर में तीन बर्डी लगाईं और तीन बोगी कर बैठे।

अमेरिकी ओपनः पाउला बडोसा ने नाम लिया वापस

न्यूयॉर्क। पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं।

अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं।

लंदन चैंपियनशिपः दीक्षा संयुक्त 10वें स्थान पर

लंदन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने डबल बोगी से उबरते हुए

आखिरी चार होल में दो बर्डी लगाकर पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के पहले दिन तीन अंडर 70 का कार्ड खेला। लेडीज यूरोपियन टूर टूर्नामेंट के पार-73 कोर्स में इस कार्ड से वह संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर थीं। वहीं अन्य भारतीयों में अदिति अशोक (73) संयुक्त 37वें, प्रणवी उर्स (75) संयुक्त 67वें और अवनि प्रशांत (76) संयुक्त रूप 75वें स्थान पर रहीं।

एशियाई सर्फिंग के फाइनल में पहुंचे बुधियाल

चेन्नई। भारत के रमेश बुधियाल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते

हुए एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप के ओपन पुरुष फाइनल में प्रवेश किया। रमेश ने दिन की शुरुआत क्वार्टरफाइनल हीट रेस में 14.84 अंक के साथ शीर्ष स्थान से की। वह फिलीपींस के नील सांचेस (12.80 अंक) से आगे रहे। सेमीफाइनल में रमेश ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए 11.43 अंक हासिल किए और इंडोनेशिया के पजार एरियाना 13.83 के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस तरह किसी भारतीय सर्फर ने पहली बार फाइनल में जगह पक्की की।

टेस्ट सीरीज 2-0 से जीता, जिम्बाब्वे को एक पारी और 359 रन से रौंदा

न्यूजीलैंड ने दर्ज की इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी जीत, जिम्बाब्वे को हराया

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में जिम्बाब्वे टीम 117 रन पर सिमट गई। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ये पारी और रनों के अंतर के मामले में अब तक की तीसरी सबसे बड़ी जीत भी है।

जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में दिखाया गेंद से कमाल

दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी पहली पारी 3 विकेट के नुकसान पर 601 रन बनाकर घोषित कर दी थी, जिसके बाद तीसरे दिन के खेल में कीवी टीम की तरफ से अपना डेब्यू टेस्ट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलकेस ने शानदार बॉलिंग करते हुए अपने टेस्ट करियर का पहला 5 विकेट हॉल लिया और जिम्बाब्वे टीम की दूसरी पारी को 117 रनों के स्कोर पर समेटने में अहम भूमिका अदा की। जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में 9 ओवर्स की गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 37 रन देने के साथ 5 विकेट हासिल किए। इसके अलावा मैट हेनरी और जैकब डफी ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए। कीवी टीम की ये जहां उनके टेस्ट क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी अब तक की जीत है तो वहीं जिम्बाब्वे की सबसे बड़ी हार है।

जिम्बाब्वे के सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंचे

तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी, जिसमें रचिन रविंद्र (नाबाद 165) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की।

डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। न्यूजीलैंड की टेस्ट मैचों में पिछली सर्वश्रेष्ठ जीत भी 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ ही थी जब नेपियर में उसने पारी और 301 रन से जीत दर्ज की थी। यह इस साल जिम्बाब्वे की टेस्ट मैचों में लगातार छठी हार भी थी। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है। लेकिन न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का अपना दौरा जीत के साथ समाप्त किया क्योंकि उसने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के साथ टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला भी जीती थी।

अब तक की सबसे बड़ी जीत

- इंग्लैंड- पारी और 579 रन (बनाम ऑस्ट्रेलिया, साल 1938)
- ऑस्ट्रेलिया - पारी और 360 रन (बनाम साउथ अफ्रीका, साल 2002)
- न्यूजीलैंड - पारी और 359 रन (बनाम जिम्बाब्वे, साल 2025)
- वेस्टइंडीज - पारी और 336 रन (बनाम भारत, साल 1958)

न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों ने खेली शतकीय पारी

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की तरफ से बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें तीन बल्लेबाज शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। डीवोन कॉन्वे ने जहां 153 रनों की पारी खेली तो वहीं रचिन रवींद्र के बल्ले से 165 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली इसके अलावा हेनरी निकल्स ने भी 150 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर कीवी टीम अपनी पहली पारी में 601 रनों के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही।

आईपीएल

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले कोहली लौटे पिच पर, लंदन में शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है।" उन्होंने सेशन के दौरान अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर स्टोरी दोबारा शेयर करते हुए कहा, भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं।

302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए

कोहली का ध्यान अब पूरी तरह से भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की प्रतिबद्धताओं पर है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर आखिरकार अपनी पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से भी दूर हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है। 19 अक्टूबर से पर्थ स्टेडियम में यह टूर्नामेंट शुरू होगा। इसके बाद 23 और 25 अक्टूबर टूर्नामेंट के अन्य मैच खेले जाएंगे।

टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया का ऐलान, हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे मार्श

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आदर्श संयोजन तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता

डेविड वॉर्नर ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास ले लिया था। उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया टी20 इंटरनेशनल में कई ओपनर आजमाए हैं। इसमें कप्तान मिचेल मार्श के साथ मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल और जेक फ्रेजर-मैकगर्क शामिल हैं। लेकिन इनमें से कोई भी उस भूमिका में फिट नहीं बैठ पाया है।

इस बीच आगामी टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर मिचेल मार्श ने कहा कि आने वाले समय में मैं और ट्रैविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। जाहिर है, हमने साथ में काफी खेला है, हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता है तो शुरुआत वहीं से करेंगे।

इस दौरान मिचेल मार्श ने फिनिशर टिम डेविड की भूमिका के बारे में भी बात की, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 37 गेंदों में रिकॉर्ड तोड़ शतक बनाया था। मार्श ने कहा, हमने इस बारे में बात की है। हमने वेस्टइंडीज में देखा कि वह नियमित रूप से पहले ही बल्लेबाजी के लिए आ गए थे। वह इसी के लिए बना है। वह जितनी ज्यादा गेंदों का सामना करेगा, उम्मीद है उतने ही ज्यादा मैच वह हमें जिताएगा।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी ऑस्ट्रेलिया

साउथ अफ्रीका की टीम 10 अगस्त से साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। 7 साल के बाद साउथ अफ्रीकी टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही है। टी-20 सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। सीरीज का पहला टी-20 मैच मरारा क्रिकेट ग्राउंड डार्विन में खेला जाएगा।

महिला टी20 : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 114 रन से हराया

मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया)। तेज गेंदबाज किम गार्थ की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को दूसरे अनधिकृत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 114 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत ए ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, लेकिन यह सही साबित नहीं हुआ और ऑस्ट्रेलिया ए की टीम चार विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रही। उसकी पारी का आकर्षण कप्तान एलिसा हीली की 44 गेंद पर खेली गई 70 रन की पारी थी। इसके जवाब में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम किसी भी समय लक्ष्य

तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं दिखी और 15.1 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई।

हीली की ताहलिया विल्सन (35 गेंदों पर 43 रन) के साथ 95 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मजबूत नींव रखी। इन दोनों के अलावा अनिका लियरॉयड (35) और कोर्टनी वेब (नाबाद 26) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

महिला हॉकी : सेमीफाइनल में पहुंचे छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और यूपी

एजेंसी ▶▶| काकीनाडा

- छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश को पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से हराया

छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की, जबकि चार क्वार्टरों के निर्धारित समय में उनका मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था। झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

आयरलैंड ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

जेन ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बेलफास्ट। पाकिस्तान की महिला टीम इन दिनों आयरलैंड दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का दूसरा मैच सिविल सर्विस क्लब बेलफ़ास्ट में खेला गया, जहां आयरलैंड की टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में आयरलैंड महिला टीम की बल्लेबाज जेन मैग्वायर ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। जेन महिला टी-20 इंटरनेशनल में आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस मैच को जीतकर आयरलैंड ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

पाकिस्तान महिला टीम के बल्लेबाज नहीं खेल पाए बड़ी पारी : मैच की बात करें तो दूसरे टी20I में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की महिला टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाने में कामयाब रही। मेहमान टीम की ओर से ओपनर शवाल जुल्फिकार सबसे ज्यादा रन बनाए। वह 27 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 33 रन बनाने में कामयाब रही। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मुनीबा अली (27) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 48 गेंदों में 62 रनों की साझेदारी की।

ओरला प्रेंडरगैस्ट ने बनाए आयरलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम ने आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत दर्ज की। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और एमी हंटर केवल 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद कप्तान गेबी लुइस (21) और ओरला प्रेंडरगैस्ट ने पारी को आगे बढ़ाया। प्रेंडरगैस्ट ने आयरलैंड के लिए 34 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। लौरा डेलानी ने 34 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली।

मैच में किया रोमांच पैदा

अंत में रेबेका स्टोकेल ने 16 गेंदों में 34 रन बनाकर मैच में रोमांच पैदा कर दिया। वहीं आखिरी गेंद पर जेन मैग्वायर ने छक्का लगाकर टीम को शानदार जीत दिला दी। आयरलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाकर 4 विकेट से दूसरे टी20I मैच को भी अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान की तरफ से रमीन शमीम ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। जेन महिला टी20I इतिहास की पहली खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच जिताया हो। उन्होंने सादिया इकबाल की गेंद पर छक्का लगाया था।

स्वतंत्रता दिवस तक रेलवे अलर्ट पर

रेलवे स्टेशन में बढ़ी सख्ती

हरिभूमि जबलपुर।

रक्षाबंधन पर्व के चलते जबलपुर रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली। भाई-बहन के इस पवित्र पर्व पर लोग अपने परिजनों से मिलने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों की ओर रवाना हो रहे हैं, ऐसे में रेलवे स्टेशन टिकट काउंटर से लेकर प्लेटफार्म और ट्रेन की बोगियों तक खचाखच भरा रहा। इसी भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी पूरी तरह मुस्तैद नजर आए।

रक्षाबंधन जैसे भीड़-भाड़ वाले मौके पर किसी प्रकार की कोई अनहोनी न हो, इसके लिए रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी ने स्टेशन की कमान अपने हाथों में ले ली है। गुरुवार रात से ही आरपीएफ के जवान डॉग स्क्वॉड की मदद से यात्रियों के बैग और सूटकेस की तलाशी लेते नजर आए। यह तलाशी स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वारों, प्लेटफार्मों और ट्रेनों के पास गहनता से की जा रही है। वहीं जीआरपी ने ट्रेनों की बोगियों में प्रवेश कर संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ की। इसके अलावा आउटर क्षेत्र में घूम रहे अवांछित व्यक्तियों को हटाने की कार्रवाई भी की गई, जिससे किसी भी तरह की अव्यवस्था या अपराध की संभावना को पहले ही नियंत्रित किया जा सके।

स्वतंत्रता दिवस तक विशेष अलर्ट

रेलवे स्टेशन पर यह विशेष सतर्कता केवल रक्षाबंधन के साथ साथ आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को ध्यान में रखते हुए भी लागू की गई है। रेलवे सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

24 घंटे निगरानी, नशेड़ी पकड़ा गया

त्योहारों में बढ़ी भीड़ के बीच जेबकतरे और असामाजिक तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए प्लेटफार्मों पर 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई है। शुक्रवार को आरपीएफ ने प्लेटफॉर्म पर नशा कर घूम रहे एक युवक को पकड़ा। युवक सिलोचन (नशे की एक घातक पदार्थ) का सेवन करता पाया गया और तुरंत उसे आरपीएफ थाने ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

पमरे ने 3 माह में पकड़े सवा लाख अनियमित यात्री

जबलपुर। पमरे के जबलपुर रेल मंडल द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के तीन माह में 1.25 लाख अनियमित रेलयात्रियों को पकड़ा गया। प्रबंधन ने बताया कि मंडल द्वारा यात्री गाडियों में चलाये जा रहे सघन टिकिट जाँच अभियान में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है जिसके तहत चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के तीन माह यानि 1 अप्रैल से 30 जून तक मंडल के टिकिट जांच अभियान ने रिकार्ड 11.76 करोड़ रूपये का राजस्व एकत्रित किया हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा के मार्गदर्शन एवं शशांक गुप्ता के नेतृत्व में जबलपुर रेल मंडल में मंडल वाणिज्य प्रबंधक नितेश कुमार सोने के निर्देशन में बनी टीम के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में चलाए गए विभिन्न जांच अभियानों के अंतर्गत तथा नियमित टिकट जांच के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा बिना टिकट/अनुचित टिकट एवं बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सघन जांच की गई। जाँच के दौरान चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में बिना टिकट यात्रा के 1.25 लाख मामले पकड़े गए, जिनसे रेलवे को रुपये 11.76 करोड़ से अधिक का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। इसी तरह निम्न दर्जे की टिकिट पर उच्च दर्जे में यात्रा करते हुए 1.34 लाख यात्री पकड़े गए, जिनसे रेलवे को रुपये 8.41 करोड़ का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार यात्रा में निर्धारित मानक से अधिक भार के लगेज को लेकर यात्रा करने के 27 हजार से अधिक मामले पकड़े गए, जिनसे रुपये 4.58 लाख का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। इस प्रकार 1अप्रैल से 30 जून तक की गई टिकट जांच के दौरान बिना टिकट/अनियमित टिकट एवं बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करने के पकड़े गए कुल 2.62 लाख मामले से रेलवे को रुपये 20.21 करोड़ राजस्व की प्राप्ति हुई।

महत्वपूर्ण खनिजों पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने जबलपुर में दी खनिज आत्मनिर्भरता को नई दिशा

जबलपुर। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने अपनी 175वीं स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर 7-8 अगस्त को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में महत्वपूर्ण खनिजः अन्वेषण और दोहन" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा और जीएसआई के महानिदेशक असित साहा ने किया। इस अवसर पर एमईसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आई. डी. नारायण और एएमडी के निदेशक श्री धीरज पांडे भी उपस्थित रहे। प्रो. वर्मा ने अपने संबोधन में खनिजों के तेजी से अन्वेषण और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता में उनकी अहम भूमिका को रेखांकित किया। वहीं श्री साहा ने जीएसआई की 175 वर्षों की यात्रा की चर्चा करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण खनिज मिशन की भूमिका को रेखांकित किया।

सम्मेलन में देशभर से नीति निर्माता, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और शोधकर्ता शामिल हुए। तकनीकी सत्रों में भूवैज्ञानिक नवाचार, सतत खनन, खनिज पुनर्चक्रण तथा भूभौतिकीय रणनीतियों पर विचार-विमर्श हुआ।

यह सम्मेलन भारत की खनिज नीति को मजबूती देने, आयात निर्भरता कम करने और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

चोरी किये गये सोने-चांदी के जेवर जप्त

दो शातिर नकबजन पुलिस की गिरफ्त में

जबलपुर। तिलवारा पुलिस व क्राईम ब्रांच की टीम ने गढ़ा थाना क्षेत्र के निगरानी बदमाश और उसके साथी को गिरफ्तार कर नकबजनी की वारदातों का खुलासा किया है। आरोपियों के कब्जे से तिलवारा क्षेत्र में की गई चोरी के जेवर बरामद किये गये हैं।

तिलवारा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार नामी बदमाश यासीन अली उर्फ आसू, उसका साथी छिंदवाड़ा निवासी रंजीत सोनी को मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया। दोनों आरोपियों से पूछताछ करने पर तिलवारा क्षेत्र में अवनी विहार स्थित राकेश राजपूत के घर पर गत 29 मई को हुई चोरी की वारदात का खुलासा हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों से चुराई हुई सोने की कान की झुमकी, चांदी की पायल, बिछिया जप्त की है। आरोपियों ने पूछताछ में उक्त चोरी के साथ- साथ जिला नरसिंहपुर के कोतवाली, गाडरवारा, लखनादोन, सिवनी, रायसेन, जबलपुर क्षेत्र से 06-07 जगहो से सूने मकानों में लाखो की चोरी करना स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि आरोपी यासिन अली गढा का निगरानी बदमाश है जिसके विरूध्द न्यायालय द्वारा 10 स्थाई वारंट जारी किये गये थे जिनको तामील कर आरोपी यासिन अली, रंजीत सोनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

दुकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी

जबलपुर। गोराबाजार थाना अंतर्गत बिलहरी में छोटे हनुमान मंदिर के समीप से सुबह-सुबह दुकान के बाहर खड़ी एक मोटर साइकल चोरी हो गई। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसके बाद पीडित युवक ने गोराबाजार थाने पहुंच अपनी शिकायत दर्ज कराई। छोटे हनुमान मंदिर के समीप फूलमाला की दुकान लगाने वाले दिनेश कुमार पासी ने बताया कि उसकी मोटर साइकल हमेशा दुकान के पास खड़ी रहती थी। लेकिन शनिवार की सुबह जब वह उठा तो मोटरसाइकल वहां से गायब थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात बाइक चोरो की तलास शुरू कर दी है।

लोकल बादलों से बूंदाबांदी की संभावना

खंड-खंड बरस रहे बादल, उमस कर रही बेचैन

जबलपुर। मानसूनी बादल कमजोर पड़ गये हैं. उमस के कारण बन रहे स्थानीय बादल कहीं गरज रहे कहीं बरस रहे. शुक्रवार की रात शहर के हिस्सों में पानी गिरा तो आधे हिस्से सूखे रहे। कमोबेश यही स्थिति शनिवार को भी रही सुबह से मौसम खुला रहा। आसमान पर बादलों की आवाजाही बनी रही। शाम चार बजे कुछ क्षेत्रों में हलकी बूंदाबांदी हुई।

मौसम की बेरूखी के कारण उमस तेजी से हावी हो रही है। मौसम विभाग का कहना है की मानसूनी बादल अभी सक्रिय नहीं हैं। उमस के कारण स्थानीय बादलों के छोटे छोटे सिस्टम कहीं कहीं बरस रहे हैं। फिलहाल जबलपुर में अब बारिश का नया सिस्टम बनने के बाद ही झमाझम बारिश के आसार होंगे।

मौसम कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 24.6 सामान्य से एक डिग्री अधिक दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान 0.2 मिमी वर्षा के बाद 1 जून से आज तक कुल वर्षा का आंकड़ा 772.3 (30इंच) मिमी दर्ज किया जा चुका है। पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर की रफ्तार से चली। सूर्योदय सुबह 5.45 बजे और सूर्यास्त शाम 6.46 बजे हुआ। गत वर्ष आज के दिन वर्षा 14.6 नहीं हुई थी, कुल वर्षा 921.7 मिमी दर्ज की गई थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री दर्ज किया गया था। अगले 24 घण्टे के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं।

वाहन चैकिंग के दौरान पकड़े गये चोर से खुलासा

चोरी के 17 दोपहिया वाहन बरामद

हरिभूमि जबलपुर।

क्राईम ब्रांच और माढोताल पुलिस की संयुक्त टीम ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर 17 दुपहिया वाहन बरामद किय हैं, जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है. आरोपी चोरी के वाहनों के फर्जी दस्तावेज भी तैयार कराता था।

पुलिस के मुताबिक वाहन चौकिंग के दौरान बिना नम्बर की लाल रंग की एक्टिवा स्कूटी के साथा पकड़े गये हनुमानताल निवासी 29 वर्षीय साजिद खान से पूछताछ के बाद बड़ी संख्या में वाहन चोरियों का खुलास हुआ। आरोपी ने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से एक्टिवा मोटरसायकल आदि चोरी किये थे, जिन्हें उसने दीन दयाल बस स्टैंड में छिपाकर रखा था. आरोपी की निशानदेही पर 17 दोपहिया वाहन जप्त किये हैं। माढ़ोताल पुलिस के मुताबिक आरोपी को लाल रंग की स्कूटी वाहन के साथ पकड़ा गया था. आरोपी के पास वाहन के कोई दस्तावेज नहीं थे। वाहन के चैचिस नंबर से चैक करने पर स्कूटी का नंबर एमपी 20 एसएन 1707 का होना ज्ञात हुआ जो थाना माढोताल पंजीबद्ध अपराध क्रमांक. 558/25 धारा 303 (2) में स्कूटी क्रं. एमपी 20 एसएन 1707 चोरी की होना पायी गयी। साजिद खान से सघन पूछताछ करने पर कचरा प्लांट के सामने उक्त लाल रंग की स्कूटी चोरी करना तथा इसके अलावा 17 अन्य दोपहिया वाहन चोरी कर चुराये हुये वाहनो को दीनदयाल बस स्टेण्ड मे खडा करना स्वीकार करते हुये वाहनों के फर्जी आर सी कार्ड वा अन्य दस्तावेज तैयार करवाना बताया जिसके संबंध में सघन पूछताछ की जा रही है। आरोपी के कब्जे से लाल रंग की स्कूटी एवं अन्य चुराये हुये 17 दुपहिया वाहन जप्त किये गये है जो आरोपी के द्वारा शहर के विभिन्न स्थानो से चोरी किये गये थे, चुराये हुये वाहनों के सम्बंध में पतासाजी करने पर थाना माढोताल, ओमती, विजय नगर, संजीवनी नगर, बेलबाग, ग्वारीघाट, गढा, गोहलपुर एवं गोसलपुर में 10 वाहन चोरी के अपराध पंजीबद्ध होना पाये गये है, शेष 7 वाहन मालिकों के सम्बंध मे पतासाजी की जा रही है ।

हाई कोर्ट का आदेश : डीईओ को शिकायत दूर करने के निर्देश

शिक्षक को वर्तमान स्कूल में पदस्थ रहने दिया जाए

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने शिक्षक को वर्तमान स्कूल में पदस्थ रखने का राहतकारी आदेश पारित किया। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी, कटनी को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता द्वारा स्थानांतरण के विरुद्ध प्रस्तुत शिकायत का 30 दिन के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

याचिकाकर्ता कटनी निवासी लाल संजय सिंह बघेल की ओर से अधिवक्ता शंकर प्रसाद सिंह व पद्मावती जायसवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता जीपीएस गुन्नौर, कटनी में पदस्थ है। उसका स्थानांतरण जीपीएस, इंदिरा आवास सीलौंडी, कटनी कर दिया गया है। दोनों स्कूलों के बीच 130 किलोमीटर का फासला है। याचिकाकर्ता की मां 80 वर्षीय हैं, जिनका इलाज चल रहा है। याचिकाकर्ता के ऊपर जिम्मेदारी है। परिवार में उसके अलावा कोई सदस्य नहीं, जो मां की देखभाल कर सके। याचिकाकर्ता जिस स्कूल में कार्यरत है, उसका परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। वहां 96 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। कक्षा एक से पांच तक शिक्षण कार्य होता है। चार पद स्वीकृत हैं। याचिकाकर्ता के स्थानांतरण के कारण महज दो ही शिक्षक बचेंगे। इससे शिक्षण कार्य प्रभावित होगा। याचिकाकर्ता के स्थान पर किसी अन्य शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है। इसीलिए स्थानांतरण आदेश को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट ने सभी तर्क सुनने के बाद याचिकाकर्ता के हक में राहतकारी आदेश पारित कर दिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240